जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

बीकानेर

Rashtradoot

फोनः- 2200660 फैक्स : 0151-2527371 वर्षः 43 संख्याः 279 प्रभात बीकानेर, शुक्रवार 6 मई, 2022 डाक प.स.बीकानेर/045/2020-22 पृष्ठ 8 मूल्य 1.20 रू.

केरल में इलैक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन की टैस्टिंग में गड़बड़ी पायी गयी

यू.डी.एफ. के उम्मीदवार के वकील ने कहा कि, ''ट्रायल रन'' के दौरान भाजपा को एक्स्ट्रा वोट मिल रहे थे

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 अप्रेल। क्या दाल में कुछ काला है या फिर पूरी दाल ही काली है? वर्ष 2024 के लोकसभा चुनावों के लिए कल से मतदान शुरु होकर पूरे माह चलेगा। इसके बाद ही यह तय होगा कि देश का भविष्य क्या है और राष्ट्र किस दिशा में जाएगा। भाजपा 400 पार की बात करती है, लेकिन विपक्ष कहता है कि इसके लिए ज़मीनी वास्तविकता बहुत कठिन है क्योंकि जनता भाजपा की विभाजनकारी और साम्प्रदायिक राजनीति को नकार रही है।

पर इसके बीच में क्या है?

ई.वी.एम.?

ई.वी.एम. की सच्चाई और प्रमाणिकता को लेकर भारी संदेह व्यक्त किए गए है और यह प्रश्न एक से अधिक बार उठा है कि क्या नरेन्द्र मोदी ई.वी.एम. की मदद से चुनाव जीत रहे हैं। ई.वी.एम. और वी.वी.पी.ए.टी. के 100 प्रतिशत मिलान की मांग को लेकर एक केस सुप्रीम कोर्ट में है। सुनवाई के बाद आदेश सुरक्षित रख लिया गया है। इस केस से निकट रूप से संबंधित एक सीनियर एडवोकेट ने बताया कि दो

- **सरकारी अधिकारियों ने 20 ई.वी.एम. मशीनों का ट्रायल किया, इनमें से चार मशीनों ने भाजपा को दो ''एक्स्ट्रा'' वोट दिए।**
- **यू.डी.एफ. उम्मीदवार के वकील के अनुसार उन्होंने उन चारों मशीनों की जांच के आदेश दिये।**
- **अब यह ई.वी.एम. मशीनों का मामला सुप्रीम कोर्ट में चल रहा है तथा सुनवाई पूरी हो जाने के बाद सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले के निर्णय को सुरक्षित रखा है।**
- **वकील ने कहा, यह विचारणीय बात है कि, न तो यू.डी.एफ. और न ही वामपंथी गठबंधन के उम्मीदवार को गल्ती से भी एक आधा वोट भी एक्स्ट्रा नहीं मिला। केवल भाजपा को ही क्यों एक्स्ट्रा वोट मिले।**

जजों की बैंच इस अति महत्वपूर्ण केस की जिस तरीके से सुनवाई कर रही है, उसे लेकर वकीलों ने आक्रोश व्यक्त किया है। इस संदर्भ में केरल में एक महत्वपूर्ण प्रकरण हुआ जब ई.वी.एम. का मॉक ड्रिल किया जा रहा था।

एल.डी.एफ. (लैफ्ट डैमोक्रेटिक फ्रंट) और यू.डी.एफ. (यूनाईटेड डैमोक्रेटिक फ्रंट) के प्रत्याशियों के एजेन्टों ने आरोप लगाया कि बुधवार 17 अप्रेल को कासरगोड में मॉक पोलिंग के दौरान कम से कम चार इलैक्ट्रोनिक वोटिंग मशीन्स (ई.वी.एम्स.) ने गलत तरीके से भाजपा के पक्ष में वोट दर्ज किए।

कासरगोड लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के एल.डी.एफ. प्रत्याशी एवं माकपा नेता एम.वी. बालकृष्णन ने जिला कलैक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी इन्बासेकर के. को एक शिकायत प्रस्तुत कर ई.वी.एम. की गलतियों पर गौर करने का अनुरोध किया। यू.डी.एफ. प्रत्याशी राजमोहन उन्नीथान के एजेन्ट मोहम्मद नासर चेरकलाम अब्दुल्लाह ने कासरगोड लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के असिस्टैन्ट रिटर्निंग ऑफिसर (ए.आर.ओ.) से इन त्रुटिपूर्ण मशीनों को बदलने का अनुरोध किया। भाजपा के एम.एल.अश्विनी कासरगोड से एन.डी.ए. के प्रत्याशी हैं।

नासर चेरकलाम ने बताया कि भाजपा का चुनाव चिन्ह ''कमल'' कासरगोड निर्वाचन क्षेत्र में ई.वी.एम. के मॉक ड्रिल के दौरान अतिरिक्त वोट प्राप्त कर रहा था। उन्होंने यह भी बताया कि वोटिंग मशीन्स पर कांग्रेस का चुनाव चिन्ह ''हाथ'' अन्य पार्टियों के चुनाव चिन्ह की अपेक्षा छोटा है। उन्होंने अधिकारियों से इसमें बदलाव का अनुरोध किया। कासरगोड लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र की वोटिंग मशीन्स में एन.ओ.टी.ए. (नन ऑफ द अबोव) सहित 10 विकल्प हैं।

अधिकारियों ने एक साथ 20 मशीनों को चैक किया। ई.वी.एम. के सभी 10 विकल्पों का जब एक-एक बार दबाया गया तब वोटर वैरिफियाबल पेपर ऑडिट ट्रेल (वी.वी.पी.ए.टी.) ने चार मशीनों में दो वोट भाजपा को दिए। नासर ने बताया कि जब कमल के चुनाव चिन्ह वाला बटन नहीं दबाया गया, तब

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

कर्नाटक में मौसम बना कांग्रेस की मुसीबत

-लक्ष्मण वैंकट कुची-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 अप्रेल। कर्नाटक के अधिकांश भागों में जलवायु परिवर्तन से हुई भारी गर्मी और बैंगलुरू में पेयजल किल्लत, चुनाव का समय कांग्रेस के लिए इससे बुरा नहीं हो सकता था। कुछ माह पूर्व हुए विधानसभा चुनावों में

- **जलवायु परिवर्तन और उसकी वजह से बढ़ती गर्मी और बैंगलौर में पानी की किल्लत, कर्नाटक में ज्यादा सीटें पाने की कांग्रेस की उम्मीदों पर पानी फेर सकती है।**

विश्वसनीय प्रदर्शन के बाद कांग्रेस इस लोकसभा चुनाव में अच्छी-खासी सीटें जीतने का लक्ष्य रखकर चल रही थी। कई स्थानीय मीडिया संस्थान कांग्रेस के लिए कर्नाटक की कुल 28 सीटों में से 10 से 19 तक जीतने की भविष्यवाणी कर रही है, जो कि पिछले लोकसभा चुनाव में जीती गई से ज्यादा है। तो क्या

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

जानबूझकर आम और मिठाई खा रहे हैं केजरीवाल

ई.डी. ने दिल्ली की अदालत में शिकायत की

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 अप्रैल। एनफोर्समैंट डायरैक्टोरेट (ई.डी.) ने गुरूवार को एक सिटी कोर्ट में कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री व आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय समन्वयक, जिन्हें टाइप-2 स्तर की डायबिटीज़ बीमारी है वे अपने शुगर लेवल को बढ़ाने के लिए जानबूझकर जेल में आम व मिठाइयां खा रहे हैं।

- **ई.डी. ने बताया कि, दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल को टाइप टू डायबिटीज़ है और वे रोज़ घर से खाना मंगाकर आलू पूरी, आम व मिठाइयां खा रहे हैं, जबकि बीमारी के कारण उन्हें ये सब नहीं खाना चाहिए।**
- **ई.डी. का आरोप है कि, केजरीवाल ये सब इसलिए कर रहे हैं ताकि उनका स्वास्थ्य बिगड़ जाए और इलाज के नाम पर उन्हें जमानत मिल जाए।**

ई.डी. के वकील जोहेब हुसैन ने कोर्ट को सूचित किया कि चिंता का कारण यह है कि उन्हें घर पका हुआ निर्धारित भोजन खाने की इजाज़त इसलिए दी गई थी क्योंकि उन्होंने दावा किया था कि वे उच्च स्तरीय मधुमेह रोग से पीड़ित हैं। वे रोजाना आलू की पूड़ी, आम, मिठाइयां रोजाना खा रहे हैं। यह इसलिए किया जा रहा है ताकि चिकित्सा सुविधा लेने के आधार पर जमानत मिल सके।''

हुसैन ने कोर्ट से कहा कि, ''कोर्ट के समक्ष उनका खुराक चार्ट प्रस्तुत किया गया है। भोजन चार्ट में आम व मिठाइयां का उल्लेख है जिसे हमने कोर्ट के समक्ष प्रस्तुत कर दिया है। वे खासतौर से मीठा खाना खा रहे हैं जिसे खाने की किसी भी मधुमेह के रोगी को इजाज़त नहीं होती है। यह मामला कोर्ट के विचाराधीन लम्बित है।''

इस मामले की सुनवाई कर रही विशेष जज कावेरी बवेजा ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे इस मामले में अपनी रिपोर्ट शुक्रवार तक दाखिल करे, तब इस मामले पर संभवतया कोर्ट पुनः सुनवाई करेगा।

केजरीवाल वर्तमान में तिहाड़ जेल में बंद हैं क्योंकि केन्द्रीय जांच एजेंसी दिल्ली शराब नीति मामले में मनी लाँड्रिंग के लगे आरोपों की जांच कर रही है। केजरीवाल, जो एक गंभीर डायबिटीज़ से पीड़ित हैं, ने इससे पूर्व भी कोर्ट से गुहार लगाई थी कि उन्हें वीडियो कॉन्फ्रैंसिंग क माध्यम से नियमित रूप से डॉक्टर से परामर्श लेने की इजाज़त प्रदान की जाए। केजरीवाल के वकील ने कोर्ट को बताया था कि उनका ब्लड शुगर लैवल अस्थिर हो रहा है और वह गिर कर नीचे 46 तक आ गया है। सोमवार को दिल्ली की कोर्ट ने उनकी न्यायिक हिरासत को 23 अप्रैल तक बढ़ा दिया था।

चुनावी सभाओं में रंग नहीं जमा पा रही हैं ममता बनर्जी

इसके विपरीत भाजपा नेता सुवेन्दु अधिकारी की सभा में भारी भीड़ देखी जा रही है

-अंजन रॉय-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 अप्रेल। ममता बनर्जी अपनी चुनावी रैलियों में ऐसे मुद्दे उठा रही हैं जिनका जनता पर कोई असर नहीं हो रहा है। पिछले वर्ष रामनवमी पर कोलकाता के हावड़ा उपनगर और राज्य के कई अन्य स्थानों पर व्यापक हिंसा हुई थी, उसके ठीक विपरीत यह वर्ष अपेक्षाकृत शांतिपूर्ण ढंग से गुजरा।

हिंसा की एकमात्र घटना मुर्शिदाबाद में होने की खबर है, जहाँ पत्थरबाजी की गई और मस्जिद के पास से गुजर रहे एक जुलूस पर हमला किया गया। अन्यथा, हावड़ा का शेष हिस्सा शांत रहा। इसी तरह के अन्य संवेदनशील स्थानों पर भी शांति रही।

इसके बावजूद, तृणमूल सुप्रीमो ममता बनर्जी ने नॉर्थ बंगाल स्थित निकटवर्ती राजनगर की एक चुनावी रैली में यह कहकर प्रहार किया कि

- **मुर्शिदाबाद में रामनवमी जुलूस पर पथराव के मामले में ममता बनर्जी ने भड़काऊ बयानबाजी भी की, पर इस बार जनता की प्रतिक्रिया मौन रही।**
- **जनता में ममता बनर्जी के प्रति इस कदर नाराजगी है कि, उत्तरी बंगाल के एक क्षेत्र से गुजर रही ममता बनर्जी की कार को देख कर सड़क किनारे खड़े लोगों ने चोर-चोर के नारे लगाए।**
- **ममता बनर्जी वहां से खिसक लीं, पर बाद में अवश्य बोलीं कि, वहां रूकती तो मैं उनकी ज़बान खींच लेती। ममता ने इस प्रतिक्रिया से हिंसा भड़काने की कोशिश की, पर जनता ने ममता बनर्जी की प्रतिक्रिया का जमकर मज़ाक उड़ाया।**
- **ममता बनर्जी के विपरीत सुवेन्दु अधिकारी भारी भीड़ खींच रहे हैं, उनके भाषण का लहजा भी काफी तीखा हो गया है।**
- **ऐसा लगता है लोकसभा चुनाव बंगाल की राजनीति को नई दिशा दे सकते हैं।**

विपक्षी भाजपा ने मुर्शिदाबाद में हिंसा की योजना बनायी थी। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा वोट जुटाने की खातिर समुदायों को विभाजित करने का खेल खेलने की कोशिश कर रही थी।

तथापि, बनर्जी द्वारा जोर-शोर से लगाए जा रहे आरोपों पर जनता की प्रतिक्रिया मौन ही रही। लगता है कि ममता बनर्जी के आरोप और प्रतिक्रियाएँ इतनी अधिक बार दोहरायीं जा चुकी हैं कि अब उन्हें लेकर संशय उत्पन्न होने लगा। चुनाव शुरु होने वाले है। लेकिन ममता के चुनावी संबोधनों का कोई असर नहीं है, जबकि इससे पहले के वर्षों में उनके भाषणों पर की भारी सराहना होती थी। बंगाल के राजनीतिक टिप्पणिकारों के अनुसार तृणमूल सुप्रीमो का चुनावी रैलियों में प्रदर्शन फीका है। भाजपा के स्टार प्रचारक सुवेन्दु अधिकारी अपनी रैलियों में भारी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विचार बिन्दु

सत्याग्रह बल प्रयोग के विपरीत होता है। हिंसा के संपूर्ण त्याग में ही सत्याग्रह की कल्पना की गई है। –महात्मा गांधी

क्या दिल्ली (राष्ट्रीय राजधानी राज्य क्षेत्र) पर राष्ट्रपति शासन लागू करना उचित कदम होगा?

अनुच्छेद 356 जिसे राज्यों में राष्ट्रपति शासन लगाने के रूप में भी जाना जाता है, साधारणत: समाचारों का एक महत्वपूर्ण विषय है। अनुच्छेद 356 के अनुसार संवैधानिक मशीनरी की विफलता (Failure) पर भारत के किसी भी राज्य पर राष्ट्रपति शासन लगाया जा सकता है।

किसी भी राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाने के लिये संसद के दोनों सदनों की स्वीकृति की आवश्यकता है और राष्ट्रपति शासन लगने की तारीख से दो माह की अवधि में प्राप्त की जानी चाहिये। राष्ट्रपति शासन की प्रारंभिक अवधि छः माह की होती है।

अनुच्छेद 365 के अनुसार भी राष्ट्रपति शासन लगाया जा सकता है यदि राज्य, केन्द्र सरकार की आज्ञा को, जिसे देने का अधिकार केन्द्र को है, मानने से इन्कार कर दे। अनुच्छेद 356 के प्रावधान यूनियन टेरीटरीज पर लागू नहीं होते।

एनसीटी दिल्ली पर राष्ट्रपति शासन संविधान के अनुच्छेद 239 एबी के अनुसार लगाया जाता है। (जैसा ऊपर कहा गया है अनुच्छेद 356 यूनियन टेरिटरीज पर लागू नहीं होता।)

राष्ट्रपति शासन में राज्य का शासन निलम्बित हो जाता है और राज्य पर केन्द्र का शासन लागू हो जाता है।

दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविन्द केजरीवाल जेल में हैं। उसके विरूद्ध शराब घोटाले व मनी लॉन्ड्रिंग के केस न्यायालय के समक्ष हैं। यह प्रश्न बहस में फंसा हुआ है कि क्या केजरीवाल जेल में रहकर राज्य सरकार को चला सकते हैं। इस प्रश्न का उत्तर आसान नहीं है। जेल मेनुअल में ऐसा कोई प्रावधान नहीं है कि मुख्यमंत्री जेल से सरकार नहीं चला सकता। यों भी जेल में रहकर सरकार को चलाना संभव प्रतीत नहीं होता।

दिल्ली की मंत्री आतिशी ने केन्द्र सरकार पर आरोप लगाया है कि दिल्ली की सरकार को भंग करने व चुनाव से अलग रखने के उद्देश्य से, केजरीवाल को झूठे मुकदमें में फंसाया गया है, उसने केन्द्र सरकार का बहुत बड़ा षडयंत्र है। आतिशी का दावा है कि राज्य को अस्थिर करने के सभी प्रयास हो रहे हैं। अधिकारियों की पोस्टिंग नहीं की जा रही और न नियुक्ति ही। आतिशी ने स्पष्ट शब्दों में कहा है केन्द्र सरकार राष्ट्रपति शासन कभी भी लगा सकती है। केन्द्र सरकार का एक मात्र उद्देश्य है केजरीवाल को चुनावों के सीन से दूर रखना। यह एक षडयंत्र ही नहीं अपितु चक्रव्यूह है, जिसमें केजरीवाल को फंसाया जा रहा है।

संविधान का अनुच्छेद 356 राज्यों के विषय में लागू होता है। अनुच्छेद 239 एबी (239 कख) दिल्ली के सम्बन्ध में विशेष उपबन्ध है और उसी क्रम में एनसीटी, दिल्ली के लिये अनुच्छेद 356 की तर्ज पर 239 एबी (239 कख) है। यह उपबंध संवैधानिक तंत्र के विफल होने के दशा में लागू होता है। जब राष्ट्रपति का उपराज्य से प्रतिवेदन मिलने पर या अन्यथा, यह समाधान हो जाता है कि एक ऐसी स्थिति उत्पन्न हो गई है, जिसमें राष्ट्रीय राजधानी राज्य क्षेत्र का प्रशासन अनुच्छेद 239 कख था उस अनुच्छेद के अनुसार में बनाई गई किसी विधि के उपबन्धों के अनुसार नहीं चलाया जा सकता, या (ख) राष्ट्रीय राजधानी राजक्षेत्र ने उचित प्रशासन के लिए ऐसा करना आवश्यक या समीचीन है, तो राष्ट्रपति आदेश द्वारा ऐसी व्यवस्था कर सकेंगे, जो राष्ट्रीय राजधानी राज्य क्षेत्र के प्रशासन के हेतु आवश्यक व समीचीन प्रतीत हो।

यहां यह लिखना अनिवार्य है कि राष्ट्रपति/उपराज्यपाल के लिये यह निर्णय करना आवश्यक होगा कि केस में अन्य कोई वैकल्पिक निदान उपलब्ध नहीं है।

आम आदमी पार्टी (आप) की मिनिस्टर आतिशी का कथन है कि केजरीवाल सरकार मेजोरिटी में है, अत: राष्ट्रपति शासन लगाना अवैध होगा। आतिशी का यह भी आरोप है कि यह मामला राजनीतिक Vendetta का है।

अभी तक केन्द्र सरकार की कोई प्रतिक्रिया इस मामले में प्रत्यक्ष व अप्रत्यक्ष दिखाई नहीं दे रही है। बीजेपी ने भी इससे इन्कार किया है। यह भी कहा जा रहा है कि केजरीवाल को Resign कर देना चाहिये और नये चीफ मिनिस्टर को राज्य का संचालन दिया जाना चाहिये। उपराज्यपाल ने इतना ही कहा है कि केजरीवाल को मुख्यमंत्री के रूप में जेल से राज्य की सत्ता को चलाने नहीं दिया जावेगा।

इण्डिया गठबंधन के बडे नेता यह कहते रहे हैं कि मोदी निरंकुश शासक के रूप में काम कर रहे हैं, यहाँ कोई गणतंत्र नहीं है। मोदी वर्तमान संविधान ही समाप्त करना चाहते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने एक चुनाव सभा में कहा है कि भारतीय संविधान ऐसा बनाया गया है कि स्वयं बाबा साहब अम्बेडकर भी संविधान को बदल नहीं सकते।

आम आदमी पार्टी की मिनिस्टर आतिशी ने यह कहकर सबका ध्यान आकर्षित किया है कि माननीय सुप्रीम कोर्ट ने कुछ समय पूर्व दिये गये निर्णय में यह विचार अभिव्यक्त किया था कि जहां ऐसी समस्या को निपटाने के हेतु अन्य Remedy उपलब्ध हो तो राष्ट्रपति शासन (गर्वनर रूल) की आवश्यकता नहीं होती।

इण्डिया गठबंधन के बडे नेता यह कहते रहे हैं कि मोदी निरंकुश शासक के रूप में काम कर रहे हैं, यहाँ कोई गणतंत्र नहीं है। मोदी वर्तमान संविधान ही समाप्त करना चाहते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने एक चुनाव सभा में कहा है कि भारतीय संविधान ऐसा बनाया गया है कि स्वयं बाबा साहब अम्बेडकर भी संविधान को बदल नहीं सकते।

दिल्ली हाईकोर्ट के निर्णय के विरूद्ध केजरीवाल की अपील पर दिनांक 15 अप्रैल 2024 को बहस हुई; किन्तु केजरीवाल को कोई राहत नहीं मिली।

जयपुर द्वितीय चीफ मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट ने 12 आरोपियों को बेल ग्रान्ट की है, उसका आधार था कि अभिभुक्तगणों को पेपर लीक केस में एसओजी ने Illegal Detain किया था, उन्हें कोई पूर्व नोटिस भी नहीं दिया था। प्रश्न है क्या केजरीवाल को इस केस में दिये गये आदेश से कोई लाभ मिल सकता है। कानून के विशेषज्ञों का कहना है कि केजरीवाल का केस इससे भिन्न है। केजरीवाल को 9 नोटिस दिये गये थे, किन्तु वे ईडी के सामने उपस्थित नहीं हुये।

केजरीवाल जिन्हें भ्रष्टाचार समाप्त करने वाले लीडर के रूप में दिल्ली की जनता जानती थी, उनके विरूद्ध भ्रष्टाचार के कई केस उजागर हो रहे हैं। शराब घोटाले के केस के बाद, ठग सुकेश चन्द्रशेखर ने आरोप लगाया कि उसने राज्यसभा सीट हासिल करने के हेतु आप नेता कैलाश गहलोत को 50 करोड़ रूपये दिये थे। यह रकम केजरीवाल के निर्देशन पर दिये थे। इस प्रसंग में यह भी कहा जा रहा है कि सत्ता के दुरूपयोग के आरोपों की नई नई परते खुलेंगी।

राष्ट्रपति शासन अथवा केन्द्रीय शासन एक परिभाषिक शब्द है। इस शब्द का प्रयोग उस समय किया जाता है जब किसी राज्य सरकार को भंग या निलम्बित किया जाता है और वस्तुत: राज्य प्रत्यक्षत: संघीय शासन के अधीन हो जाता है। जैसा ऊपर स्पष्ट किया गया है। यह स्थिति उस समय पैदा होती है जब राज्य में संवैधानिक तंत्र विफल हो जाता है। यह स्थिति उस समय भी उत्पन्न होती है जब राज्य विधान सभा में किसी भी दल या गठबंधन को स्पष्ट बहुमत नहीं रहता हो। सदन को 6 माह के लिये निलम्बित अवस्था में रखा जा सकता है। यह अवधि 3 वर्ष तक बढ़ाई जा सकती है।

इस प्रकार के शासन की स्थिति को राष्ट्रपति शासन इसलिये कहा जाता है, क्योंकि राज्य का नियंत्रण निर्वाचित मुख्यमंत्री के पास नहीं रहकर राष्ट्रपति के पास आ जाता है। वस्तुत: प्रशासनिक दृष्टि से राज्य के राज्यपाल को केन्द्रीय सरकार द्वारा कार्यवाही अधिकार दे दिये जाते हैं।

राष्ट्रपति शासन लागू होने के उपरान्त, इसकी वैधानिकता को चुनौती, न्यायालयों में कई बार दी जा चुकी है। सुप्रीम कोर्ट व हाईकोर्ट के कई निर्णयों के इस विषय पर चर्चा व विवेचन हो चुका है, किन्तु सबसे प्रसिद्ध केस है एस.आर. बोम्मई बनाम यूनियन ऑफ इण्डिया, (1994 AIR 1918 SC: (1994) SCC (3) 1 इसमें विषय को कई रूपों में व स्थितियों के संदर्भ में परीक्षण किया गया है।

दिल्ली में राष्ट्रपति शासन लगाने से कैसे बचा जा सकता है, यह भी प्रश्न दिल्ली के चौराहे पर उठाया जा रहा है। एक मत है एलजी केजरीवाल के स्थान पर अन्य किसी को मुख्यमंत्री बना दें, क्योंकि जेल से शासन चलाना उचित प्रतीत नहीं होता। दो व्यक्तियों के नाम सामने आ रहे हैं, पहला नाम है श्रीमती केजरीवाल का तथा दूसरा नाम है संजय सिंह का, जो बेल पर छूटकर जेल से बाहर आये हैं। एक विकल्प यह भी है कि चूंकि विधान सभा में केजरीवाल का बहुमत है, अत: विधान सभा में नया नेता चुना जा सकता है। यह भी सुनने में आया है कि कुछ विधायकों के द्वारा केजरीवाल से अलग होना चाहते हैं, इसके परिणाम स्वरूप विधान सभा में सरकार अल्पमत में आ सकती है। केजरीवाल पहले ऐसे मुख्यमंत्री हैं, जिनके पास कोई सरकारी विभाग नहीं है। केजरीवाल के एक मंत्री राजकुमार, इसलिये सरकार से अलग होना चाहते हैं, क्योंकि राज्य में भ्रष्टाचार है। यह भी खबर है, राजकुमार जैसे अन्य विधायक भी केजरीवाल का साथ छोडना चाहते हैं। खबरों की दुनियां है। सुनें और आनन्द लें। दुनियां में चार मोर्चों पर जंग चल रही है, पांचवा केजरीवाल का मोर्चा मान लो।

दिनांक 15.04.2024 को सुप्रीम कोर्ट की खण्डपीठ के समक्ष केजरीवाल की अपील सुनवाई के हेतु लगी। केस में कोई Effective कार्य नहीं हुआ तथा अगली तारीख 29.04.2024 नियत कर दी गई। रेस्पोन्डेंट को नोटिस जारी कर दिये। सुप्रीम कोर्ट ने ईडी को निर्देश दिये हैं कि वे अपना उत्तर 24.04.2024 तक प्रस्तुत कर दें। संक्षेप में यही कहा जा सकता है कि यह मामला दो सप्ताह के लिये टल गया। केजरीवाल को कोई राहत नहीं मिली। ट्रायल कोर्ट (राउज ऐवन्यू कोर्ट) ने केजरीवाल की न्यायिक हिरासत 29 अप्रैल 2024 तक बढ़ा दी है।

आम आदमी पार्टी (आप) का भरसक प्रयत्न होगा कि बीजेपी, दिल्ली में राष्ट्रपति शासन लागू करवाने की ओर कदम बढावे, साथ ही बीजेपी यथास्थिति बनाये रखने के पक्ष में दिखाई देती है।

सत्यमेव जयते!

–अतिथि सम्पादक,
पानाचन्द जैन
पूर्व न्यायाधीश, राजस्थान हाई कोर्ट

रक्तहीनता देशव्यापी समस्या है

डॉ. रामावतार शर्मा

खून की कमी यानि रक्तहीनता को सामान्य लोग कोई बीमारी नहीं मानते। अधिकतर लोग इसे यूं कह कर टाल देते हैं कि जरा खून कम है वर्ना शरीर में सब कुछ ठीक है। परंतु वास्तविकता ऐसी नहीं है। खून की कमी से प्रभावित व्यक्ति की जीवन गुणवत्ता काफी कमजोर पड़ जाती है।

रक्तहीनता से कार्य कुशलता तथा निर्णय लेने की क्षमता प्रभावित होती है जिसके फलस्वरूप व्यक्ति के शारीरिक, बौद्धिक तथा व्यावसायिक विकास में बाधाएं खड़ी हो सकती हैं। चिड़चिड़ाहट और थकान के कारण पारिवारिक जीवन पर बड़े कुप्रभाव पड़ते हैं। बीमारी सिर्फ उसी को नहीं कहते जिसके कारण जीवन तुरंत खतरे में आता हो। रक्तहीनता भी मध्य से दीर्घकाल में मृत्यु का कारण बन सकती है इसलिए इसको भी गंभीरता से लेना चाहिए। चूंकि रक्तहीनता का बड़ा कारण भोजन में लोह तत्व की कमी होता है तो व्यापक जनचेतना तथा भोजन गुणवत्ता की जानकारी इस रोग को कम करने में बड़ी सहायता कर सकती हैं। भारत जैसे देश में शाकाहारी लोग अधिक बसते हैं इसलिए भोजन संबंधी जानकारी की अधिक आवश्यकता होती है क्योंकि रक्त को बनाने वाले लोग तत्व एवम् विटामिन बी 12 की कमी यहां काफी बड़ी प्रतिशत आबादी में पाई जाती है।

शरीर में लोह तत्व की कमी भोजन पदार्थों में इसका कम या न होना या किन्ही कारणों से इसका आंतों में अवशोषण (अब्सोर्ब) अवरुद्ध होना होता है। इसके अलावा यदि व्यक्ति के शरीर से बड़ा या फिर थोड़ा परंतु लगातार होने वाला रक्तस्राव भी रक्तहीनता (एनीमिया) का कारण हो सकता है। लोह की कमी से लाल रक्त कणों की कमी हो जाती है जिसके फलस्वरूप शरीर के ऑक्सीजन परिवहन में कमी आने से उसके अंगों के कार्य बाधित होने लगते है और सामान्य जीवन की क्रियाएं सुचारू रूप से नहीं चल पाती हैं। इसके अलावा त्वचा का पीलापन, कान में आवाजें, स्वाद में बदलाव, खुजली, बिना पके चावल या ईंट पत्थर खाने की इच्छा, जीभ में सूजन, बालों का गिरना, अंगुलियों और अंगूठों के नाखूनों में गड्ढे, निगलने में कठिनाई, डिप्रेशन आदि लक्षण व्यक्ति के जीवन को दूभर बना देते हैं।

इन सब बड़ी समस्याओं का समाधान भोजन की गुणवत्ता में छिपा है। भोजन में जलकुंभी, पालक, केल पत्ते, कोलार्ड ग्रीन (हाक साग), मौसमी, संतरा, लाल और पीली मिर्ची के अलावा सिंहपर्णी के पत्तों में लोह तत्व काफी मात्रा में पाया जाता है। इसके अलावा रात को भिगो कर रखे पिस्ते, काजू, पाइन तथा सूरजमुखी, कद्दू और हेंप के बीज से भी लोह तत्व आसानी से प्राप्त किया जा सकता है। अनार और चुकंदर में काफी लोह होता है परंतु डायबिटीज से पीड़ित लोगों में इनका सेवन अच्छा नहीं होता है। इसके अलावा स्प्राउट (अंकुरित) किए हुए फलियों के बीज तथा मसूर में भी लोह काफी होता है। यहां एक बात का ध्यान रखने की आवश्यकता है कि भोजन में लोह तत्व की मात्रा यदि बहुत अधिक होगी तो उसका अवशोषण बहुत कम हो जाता है इसलिए उपरोक्त भोज्य पदार्थ बहुत ज्यादा मात्रा में सेवन नहीं करने चाहिएं। इस तरह के भोजन के दो घंटे पहले और दो घंटे बाद तक दूध या कैल्शियम की किसी गोली का सेवन नहीं करना चाहिए क्योंकि ऐसा करने पर कैल्शियम और लोह हमारी आंतों में आपसी संपर्क द्वारा ऐसे यौगिक बना लेते हैं कि फिर दोनों का ही अब्सोर्पशन नहीं होता और दोनों ही व्यर्थ हो जाते हैं। भोजन के साथ अंडे का सेवन भी नहीं करना चाहिए क्योंकि अंडे में उपस्थित फोस्विन नामक यौगिक लोह तत्व के अवशोषण को कम कर देता है। इसी प्रकार यदि चाय या कॉफी का सेवन मुख्य भोजन के साथ किया जाय तो 90 प्रतिशत तक लोह तत्व रक्त में नहीं जा सकता और यदि ऐसा नियमित रूप से होता रहे तो एक पूर्ण स्वस्थ व्यक्ति भी रक्तहीनता का शिकार हो जायेगा। भोजन के साथ, बाद या तुरंत पहले नींबू, संतरे और मौसमी का सेवन विटामिन सी की उपस्थिति के कारण भोजन के लोह तत्व को बेहतर अवशोषित करवाता है इसलिए इनका सेवन एक बेहतर कदम होगा।

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार विश्व में कोई 30 प्रतिशत महिलाएं और 40 प्रतिशत बच्चे हर समय रक्तहीनता से प्रभावित रहते हैं। गर्भवती महिलाओं में यह प्रतिशत और भी बढ़ जाता है जो कि नवजात शिशु के विकास को प्रभावित करता है। सूचना प्रौद्योगिकी के इस दौर में भी इन समस्याओं के निवारण की बातें बहुत कम हो रहीं हैं और वाहियात किस्सों में वक्त बर्बाद किया जा रहा है। यह एक कष्टदायक बात है। जन चेतना और व्यापक जानकारी से रक्तहीनता को 90 प्रतिशत तक कम किया जा सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार किसी भी देश के विकास में रक्तहीनता निवारण एक महत्वपूर्ण कदम हो सकता है।

–डॉ. रामावतार शर्मा,
(चिकित्सक एवं लेखक)

101 कारीगर बालाजी के लिए बनाएगे छप्पन भोग प्रसाद

- **मंशापूर्ण हनुमान जन्मोत्सव का रजत जयंती वर्ष**
- **मंशापूर्ण हनुमान रजत जयंती समारोह, भक्तों का जोश भी 25 गुना**

उदयपुर, (कासं)। श्री मंशापूर्ण मित्र मंडल बदनोर की हवेली उदयपुर की ओर से इस साल मंशापूर्ण हनुमान जन्मोत्सव का रजत जयंती वर्ष मनाया जा रहा है। जन्मोत्सव को लेकर तैयारियां शुरू कर दी गई है। गुरुवार को भट्टी पूजन किया । मित्र मंडल के संरक्षक भूपेश मेहता ने बताया कि भट्टी पूजन के साथ ही 101 कारीगर बालाजी हनुमान के लिए छप्पन भोग प्रसाद तैयार करने में जुट गए है। मेहता ने बताया कि छप्पन भोग बनाने में पूरी सात्विकता का ख्याल रखा गया है, 101 कारीगरों को 2 जोड कोरे वस्त्र दिए है, जिनको पहन कर ही छप्पन भोग बनाया जाएगा। रोज सुबह सभी कारीगर दूधतलाई में स्नान कर धुले हुए वस्त्र पहन कर फिर छप्पन भोग बनाने में लगेंगे और ये भोग हनुमान जी को 23 अप्रैल को जन्मोत्सव के दिन धराया जाएगा।

मित्र मंडल के अध्यक्ष राजेश तोषनीवाल ने बताया कि जन्मोत्सव कार्यक्रमों के तहत 22 अप्रैल को अखंड रामायण पाठ सुबह 7.15 बजे से शुरू होगा जो अगले दिन सुबह तक अनवरत चलेगा। 23 अप्रैल को सुबह 6 बजे महारुद्राभिषेक, 7.30 बजे पंचामृत अभिषेक के बाद 1.30 बजे भव्य पाग महोत्सव के साथ, कलश यात्रा का आयोजन रहेगा। पाग महोत्सव में मंशापूर्ण हनुमान को 551 मीटर की पाग धराई जाएगी। कलश यात्रा में हाथी, ऊंट, घोडा, बग्गिया, श्रीराम – बालाजी की विभिन्न झांकिया रहेगा साथ ही अखाडा प्रदर्शन भी आकर्षण का केंद्र रहेगा। कलश यात्रा मन्दिर परिसर से राव जी का हाटा, रंग निवास, भटियानी चौहट्टा, जगदीश चौक, घंटाघर, जडियो की ओल होकर वापस मंदिर आएगी। मंशापूर्ण हनुमान के जन्मोत्सव पर घंटाघर से लेकर गुलाब बाग तक आकर्षक विद्युत सज्जा की जाएगी। इधर जन्मोत्सव के दिन हनुमान भक्त की ओर से 21000 लड्डू हनुमान जी को भोग स्वरूप धराये जाएंगे।

आई.आर.एस. सुशील कुलहरि 21 किमी दौड़कर करेंगे मतदान

झुंझुनूं, (निसं)। मतदाताओं को अधिक से अधिक मतदान के लिए प्रेरित करने और स्वास्थ्य के प्रति जागरुक करने के लिए भारतीय राजस्व सेवा के अधिकारी सुशील कुलहरी 19 अप्रेल को सुबह जिला कलेक्ट्रेट कार्यालय से अपने गांव तिलोका का बास के मतदान केंद्र तक 21 किमी की दौड़ हाफ मैराथन लगाकर मतदान करेंगे। उनके साथ उनके पुत्र यूबी साइकिल चलाकर जाएंगे।

कुलहरि संयुक्त आयकर आयुक्त स्तर के अधिकारी हैं और वर्तमान में प्रतिनियुक्ति पर राजस्थान सरकार में संयुक्त शासन सचिव, आयोजना विभाग के रूप में सेवाएं दे रहे हैं। वह देश में विभिन्न मैराथन इवेंट्स में भाग ले चुके हैं और अभी तक 9 फुल मैराथन 42.2 किमी और कुल 38 हाफ मैराथन 21.1 किमी की दौड़ें पूर्ण कर चुके हैं। उन्होंने मई 2019 के लोकसभा चुनाव और नवंबर 2023 के विधानसभा चुनाव में भी अपने परिवार एवं मित्रों के साथ मतदान केंद्र तक 21 किमी की दौड़ लगाकर मतदान किया था और मतदाताओं को जागरूक करने का कार्य किया था।

उदयपुर में कलेक्टर अरविन्द पोसवाल ने वोटर क्यू मैनेजमेंट सिस्टम लांच किया

उदयपुर, (कासं)। लोकसभा आम चुनाव-2024 में आमजन की सुविधा के लिए भारत निर्वाचन आयोग और राजस्थान निर्वाचन विभाग की ओर से लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में अब मतदाताओं को अपने मतदान केंद्र पर वोटिंग के दौरान कतार की स्थिति भी घर बैठे पता चल सकेगी और वे अपनी सुविधानुसार बूथ पर जाकर मतदान कर सकेंगे ताकि उन्हें वहां ज्यादा देर तक इंतजार नहीं करना पड़े। आईटी विभाग के सहयोग

- **उदयपुर लोकसभा क्षेत्र के 300 बूथ पर वोटिंग के समय कतार की मिल सकेगी जानकारी**

जिला निर्वाचन अधिकारी अरविन्द पोसवाल ने वेब एप्लीकेशन वोटर क्यू मैनेजमेंट सिस्टम लांच किया।

उदयपुर विधानसभा क्षेत्र के लिए तैयार विशेष वेब रेस्पोरेंस एप वोटर क्यू मैनेजमेंट सिस्टम को गुरूवार को जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलेक्टर अरविन्द पोसवाल ने प्रमुख सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर की उपस्थिति में लांच किया।

जिला निर्वाचन अधिकारी पोसवाल ने बताया कि यह एप मतदाताओं के लिए बहुत अधिक सहायक सिद्ध होगा। इसकी मदद से मतदाता अपने बूथ पर कतार की स्थिति की जानकारी ले सकेंगे। पोसवाल ने सभी सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर से उक्त एप की जानकारी अधिक से अधिक लोग तक पहुंचाने में सहयोग की अपील की। इस दौरान एनआईसी के वरिष्ठ तकनीकी निदेशक डॉ मजहर हुसैन, सोशल मीडिया प्रकोष्ठ प्रभारी डीओआईटी संयुक्त निदेशक सुश्री शीतल अग्रवाल, सह प्रभारी एपीआरओ विनय सोमपुरा सहित सभी सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर्स उपस्थित रहे। एनआईसी के वरिष्ठ तकनीकी निदेशक डॉ मजहर हुसैन ने बताया कि पायलट प्रोजेक्ट के तहत लांच वेब एप्लीकेशन वोटर क्यू मैनेजमेंट सिस्टम का लिंक डब्ल्यूडब्ल्यूडब्ल्यू डॉट ई-नगर डॉट कॉम स्लेश वीक्यूएमएस रहेगा। लिंक पर क्लिक करने पर एक वेब पेज खुलेगा। मतदाता को वेब पेज पर ''बूथ में कतार की स्थिति जांचें'' पर क्लिक करना होगा। मतदाता द्वारा संबंधित विधानसभा का चयन करने उपरांत मतदान केन्द्र का इन्द्राज कर कतार में खडे. मतदाताओं की संख्या की जानकारी मिल जाएगी। बी.एल.ओ. द्वारा संबंधित मतदान केन्द्र पर भीड़ की स्थिति एक निश्चित अन्तराल में वेब एप्लीकेशन पर अपडेट की जाएगी जिसे आमजन अपने मोबाइल पर देख पाएंगे। उदयपुर लोकसभा क्षेत्र में उदयपुर शहर एवं उदयपुर ग्रामीण विधानसभाओं के शहरी क्षेत्रों के करीब 300 मतदान केन्द्रों के मतदाताओं को यह सुविधा प्राप्त होगी। इसके उपयोग करने के लिए बूथ लेवल अधिकारी (बी.एल.ओ.) को प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

बूंदी में भूख प्यास से दम तोड़ रहे गोवंश

बूंदी, (निसं)। शहर के नैनवां रोड स्थित श्रीबड़ा रामद्वारा गौशाला की पंजीकृत टेग सुधा गोवंश के अकाल मौत का सिलसिला खत्म नहीं हो रहा। गुरुवार को भी बड़ा रामद्वारा गौशाला के दो गोवंश अकाल मौत का ग्रास बन गए। गुरुवार को बडा रामद्वारा गौशाला का एक गोवंश नैनवां रोड पर मृत अवस्था में मिला वहीं बुधवार को नैनवां रोड से ही घायल अवस्था में रेस्क्यू किए गए दो गोवंश में से एक गोवंश ने भी दम तोड़ दिया।

गोपाल गौ सेवा संस्थान से जुड़े गौ भक्तों का आरोप है कि गोशाला संचालकों की लापरवाही एवं पर्याप्त चारा पानी के अभाव में भूख प्यास से गोवंश की मौत हो रही है। गोपाल गौ सेवा संस्थान के अध्यक्ष प्रहलाद मीणा, सचिव गोपाल माहेश्वरी, कोषाध्यक्ष लोकतंत्र गुर्जर आदि गौ भक्तों ने कहा कि जिले के प्रशासनिक अधिकारी एवं पशुपालन विभाग के अधिकारी भी गोवंश के संरक्षण को लेकर लगातार उदासीनता बरत रहे हैं। सरकारी अनुदान राशि प्राप्त करने के लिए गौशालाओं में क्षमता से अधिक गोवंश को रखा जा रहा है। जिस गौशाला की नियमानुसार 200 से 300 गौवंश रखने की क्षमता है। उनमें 500 गोवंशों को जबरदस्ती ठूंसा जा रहा है। अनुदान राशि का गड़बड़झाला करने के लिए क्षमता से अधिक गोवंश को गौशाला में रखने के लिए तैयार रहने वाले गौशाला संचालकों की यदि सही से जांच की जाए तो कई चौंकाने वाले खुलासे सामने आ सकते हैं।

राशिफल शुक्रवार 19 अप्रेल, 2024

पंडित अनिल शर्मा

चैत्र मास, शुक्ल पक्ष, एकादशी तिथि, शुक्रवार, विक्रम संवत 2081, मघा नक्षत्र दिन 10:57 तक, वृद्धि योग रात्रि 1:44 तक, वणिज करण फ्रातः 6:48 तक, चन्द्रमा आज सिंह राशि में संचार करेगा।

ग्रह स्थिति: सूर्य-मेष, चन्द्रमा-सिंह, मंगल-कुम्भ, बुध-मीन, गुरू-मेष, शुक्र-मीन, शनि-कुम्भ, राहु-मीन, केतु-कन्या राशि में।

आज कुमार योग सूर्योदय से दिन 10:57 तक है। रवियोग दिन 10:57 तक बना रहेगा। सर्वार्थ सिद्धि योग दिन से सूर्योदय तक है। राजयोग रात्रि 8:05 से सूर्योदय तक है। महापात योग दिन दिन 10:57 से दिन 3:00 तक है। आज भद्रा 6:48 से रात्रि 8:05 तक रहेगी। बुध पूर्व में रात्रि 2:53 पर होगा। सायन वृष में सूर्य प्रवेश सांय 7:30 पर होगा। आज कामदा एकादशी व्रत, लक्ष्मीकांत दोलोत्सव है। आज से ग्रीष्म ऋतु आरम्भ होगी।

श्रेष्ठ चौघड़िया: चर सूर्योदय से 7:34 तक, लाभ-अमृत 7:34 से 10:50 तक, शुभ 12:26 से 2:02 तक, चर 5:13 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 10:30 से 12:00 तक। सूर्योदय 6:03, सूर्यास्त 6:49

मेष
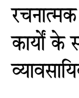
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। आज समय रचनात्मक कार्यों में व्यतीत होगा। महत्वपूर्ण कार्यों के संबंध में सोच-विचार हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृष
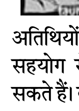
घर-परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। परिवार में अतिथियों का आगमन रहेगा। परिजनों के सहयोग से महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन
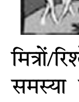
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। मित्रों/रिश्तेदारों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक आय में वृद्धि होगी।

कर्क
नौकरीपेशा व्यक्तियों को महत्वपूर्ण जिम्मेदारी मिल सकती है। व्यावसायिक कार्यों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। शुभ कार्य के लिए यात्रा संभव है।

सिंह
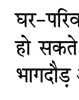
मानसिक तनाव से राहत मिलेगी। मनोबल-आत्मविश्वास बढ़ेगा। घर-परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक कार्यों के लिए भागदौड़ अभी बनी रहेगी।

कन्या
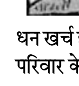
आर्थिक मामलों में परेशानी हो सकती है। अनावश्यक धन खर्च होगा। धन हानि हो सकती है। घर-परिवार के कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखना ठीक रहेगा।

तुला
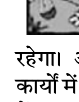
आर्थिक/वित्तिय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। चलते कार्यों में प्रगति होगी। महत्वपूर्ण कार्यों में उचित सफलता मिलेगी।

वृश्चिक
व्यावसायिक कार्यों को प्राथमिकता से करने का प्रयास करें। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु
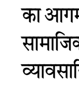
घर-परिवार में सुख-सुविधाएं बढ़ेगी। परिवार में अतिथियों का आगमन हो सकता है। परिवार में धार्मिक-सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मकर
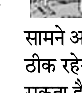
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान सामने आ सकते हैं। नवीन कार्यों को टालना ठीक रहेगा। आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। यात्रा टालना ठीक रहेगा।

कुंभ
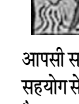
परिवार में शुभ-मांगलिक कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। परिवार में आपसी सहयोग-समन्वय बना रहेगा। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मीन
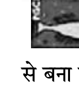
स्वास्थ्य संबंधित चिन्ता दूर होगी। अनहोनी की आशंका से बना हुआ मन का भय समाप्त होगा। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है। अस्त-व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा।

बीकानेर संसदीय क्षेत्र में 1929 मतदान केन्द्रों पर आज होगा मतदान

बीकानेर में डूंगर कॉलेज से मतदान सामग्री लेकर गंतव्य स्थलों के लिए रवाना हुए मतदान दल।

- संभागीय आयुक्त, पर्यवेक्षक, जिला निर्वाचन अधिकारी और पुलिस अधीक्षक की मौजूदगी में हुई मतदान दलों की रवानगी

बीकानेर,(कासं)। लोकसभा आम चुनाव 2024 के लिए मतदान दल गुरूवार को रवाना हुए।

संभागीय आयुक्त वंदना सिंघवी, सामान्य पर्यवेक्षक सौरभ भगत, जिला निर्वाचन अधिकारी नम्रता वृष्णि, एसपी तेजस्विनी गौतम ने दोनों मतदान दल रवानगी स्थलों पर पहुंचकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया तथा अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। इस अवसर पर संभागीय आयुक्त वंदना सिंघवी ने कहा कि मतदान संपादन में को-आर्डिनेशन का विशेष ध्यान रखा जाए। निष्पक्ष रहें और निष्पक्ष व्यवहार करें।

सामान्य पर्यवेक्षक सौरभ भगत ने व्यवस्थाओं का जायजा लिया और कहा कि निर्भीक वातावरण निर्माण के लिए निगरानी तंत्र के साथ पूरा समन्वय किया गया है। मतदाताओं को किसी भी प्रकार का प्रलोभन दिया जाना स्वीकार नहीं किया जायेगा। उन्होंने कार्मिकों से निष्पक्ष व्यवहार करने की अपील की। जिला निर्वाचन अधिकारी नम्रता वृष्णि ने बताया कि मतदान दलों को तृतीय और अंतिम प्रशिक्षण के बाद आवश्यक सामग्री के साथ गंतव्य स्थलों के लिए रवाना किया गया है।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने कहा कि सफलतापूर्वक चुनाव संपादित करने के लिए मतदान कार्मिक गंभीरता से अपने कर्तव्यों का निर्वहन करें। मतदान कर्मी के रूप में कार्मिकों को बहुत महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई हैं। निष्पक्ष और पारदर्शी व्यवहार करते हुए सभी कार्मिक निर्धारित नियमों की अनुपालना सुनिश्चित करें।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतदान कार्मिकों से संवाद किया और कहा कि किसी भी प्रकार की समस्या आने पर पोलिंग पार्टी संबंधित सेक्टर अधिकारी, माइक्रो आब्जर्वर और अन्य उच्च अधिकारियों को तुरंत सूचित करें। पोलिंग पार्टी की सुविधा के लिए प्रशासन द्वारा संपूर्ण व्यवस्थाएं की गई है। पुलिस अधीक्षक तेजस्विनी गौतम ने पोलिंग पार्टी के साथ रवाना हो रहे सुरक्षा कार्मिकों से बातचीत कर उनकी हौंसला अफजाई की। उन्होंने कहा कि प्रत्येक केन्द्र पर नॉर्म्स के अनुरूप पर्याप्त जाब्ता तैनात रहेगा।

श्रीडूंगरगढ़, बीकानेर पूर्व और बीकानेर पश्चिम विधानसभा के लिए मतदान दलों को रवाना किया गया। इसी प्रकार पॉलिटेक्निक कॉलेज से खाजूवाला, लूणकरनसर, नोखा और कोलायत विधानसभा क्षेत्र के लिए मतदान दल रवाना हुए। इस अवसर पर पुरुष मतदान कार्मिकों के साथ महिला मतदान कार्मिक, युवा और दिव्यांग कार्मिक भी साथ रहे। महिला पुलिस कर्मियों में भी मतदान के प्रति उत्साह दिखाई दिया।

मतदान दलों में पहली बार शामिल हुए कार्मिकों में भी उत्सुकता देखने को मिली। विभिन्न प्रकोष्ठ प्रभारियों की मौजूदगी में मतदान रवानगी स्थल पर कार्यों का संपादन किया गया। इस दौरान जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सोहन लाल, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दीपक कुमार, उप जिला निर्वाचन अधिकारी डॉ. दूलीचंद मीणा आदि मौजूद थे।

जिला निर्वाचन अधिकारी नम्रता वृष्णि ने बताया कि बीकानेर संसदीय क्षेत्र में खाजूवाला, बीकानेर पश्चिम, बीकानेर पूर्व, श्रीडूंगरगढ़, नोखा, लूणकरणसर, कोलायत तथा अनूपगढ़ विधानसभा क्षेत्र शामिल हैं। इन आठ विधानसभा क्षेत्रों के लिए 1 हजार 871 मूल मतदान केन्द्र तथा 58 सहायक मतदान केन्द्रों सहित कुल 1 हजार 929 मतदान केन्द्रों के लिए मतदान दलों को रवाना किया गया है।

बीकानेर जिले के सात विधानसभा क्षेत्रों के 1 हजार 627 मूल मतदान केन्द्र तथा 58 सहायक मतदान केन्द्र हैं। खाजूवाला के 226 मूल मतदान केन्द्र तथा 4 सहायक मतदान केन्द्र है। बीकानेर पश्चिम विधानसभा में 194 में मूल मतदान केन्द्र तथा 7 सहायक मतदान केन्द्र, बीकानेर पूर्व विधानसभा क्षेत्र में 197 मूल मतदान केन्द्र तथा 17 सहायक मतदान केन्द्र बनाये गए हैं।

कोलायत विधानसभा क्षेत्र के लिए 277 मूल मतदान केन्द्र तथा 4 सहायक मतदान केन्द्रों पर मतदान होगा। इसी प्रकार लूणकरणसर विधानसभा क्षेत्र के लिए 234 मूल मतदान केन्द्रों तथा 8 सहायक मतदान केन्द्रों पर मत डाले जायेंगे। श्रीडूंगरगढ़ विधानसभा क्षेत्र के 241 मूल मतदान केन्द्र तथा 9 सहायक मतदान केन्द्रों के लिए पोलिंग पार्टीज को रवाना किया गया है।

27 मेडिकल स्टोर के लाइसेंस निलम्बित

श्रीगंगानगर, (कासं)। जिले में नशा मुक्ति के लिये चलाये जा रहे अभियान के अंतर्गत औषधि नियंत्रण विभाग द्वारा विभिन्न मेडिकल स्टोर की जांच व निरीक्षण किया गया। इसमें विभिन्न प्रकार की कमियां व अनियमितता पाये जाने पर 27 मेडिकल स्टोर के अनुज्ञा पत्र निलम्बित किये गये हैं।

औषधि नियंत्रक अशोक कुमार मित्तल ने बताया कि राम इन्टरप्राईजेज श्रीगंगानगर का 1 व 2 मई तक अनुज्ञा पत्र निलम्बन के साथ-साथ 12 एनडीपीएस शैड्यूल एच-1 औषधियों की अनुमति वापिस ली गई है। इसी प्रकार सिहाग मेडिकोज गांव बुधरावाली सादुलशहर का 29 अप्रैल से 3 मई, शर्मा मैडिकल एण्ड जनरल स्टोर चक 2 एमएल नाथावाला का 1 से 3 मई 2024, न्यू लाईफ मेडिकल स्टोर 10 सरकारी का 29 अप्रैल से 5 मई, मोंगा मेडिकल स्टोर जैतसर का 1 से 3 मई, सुखमणी मैडिकोज चक 13 एलएनपी का 29 अप्रैल से 3 मई, भुल्लर मेडिकल स्टोर 11 पी पतरोड़ा 29 अप्रैल से 3 मई, सतगुरू मेडिकल स्टोर गांव 12 एच मोहलां श्रीकरणपुर का 1 मई से 10 मई, रिषभ मेडिकल स्टोर श्रीगंगानगर का 29 अप्रैल से 3 मई, आर.के. एण्ड कम्पनी श्रीगंगानगर का 26 अप्रैल, गिल मेडिकल स्टोर बिलोचिया श्रीविजयनगर का 29 अप्रैल से 5 मई, राज मेडिकल एण्ड जनरल स्टोर रत्तेवाला का 29 व 30 अप्रैल, सूड़िया मेडिकल स्टोर 6 जीबी जैतसर का 29 अप्रैल से 5 मई, डेलु मेडिकल एजेंसी सूरतगढ़ का 29 अप्रैल से 3 मई, सन्धू मेडिकल स्टोर 33 जीबी का 29 अप्रैल से 3 मई तक लाइसेंस निलंबित किया गया है।

सार-समाचार

सांस्कृतिक विरासत को जाना

श्री जैन पब्लिक स्कूल बीकानेर में विद्यार्थियों ने सांस्कृतिक विरासत की जानकारी ली।

बीकानेर, (कासं)। विश्व विरासत दिवस की पूर्व संध्या पर श्री जैन पब्लिक स्कूल बीकानेर में विशेष प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। साथ ही विद्यार्थियों के लिए पांच टीमों (लोथल, कालीबंगा, हड़प्पा, सांची व धोलावीरा) के साथ प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम रखा गया। जिसमें भारतीय एवं विश्व स्तर की सांस्कृतिक विरासत के बारे में महत्वपूर्ण एवं उपयोगी प्रश्न किए गए। प्रतिभागियों ने बड़े उत्साह से न सिर्फ प्रश्नों के उत्तर दिए अपितु उनके बारे में विस्तृत जानकारी को दर्शक दीर्घा में बैठे विद्यार्थीगण से साझा की। शाला की प्रधानाचार्या रूपश्री सिपानी ने सांस्कृतिक विरासत को मानव जाति के विकास का परिचय बताते हुए उसे सहेज कर रखने एवं आने वाली पीढ़ी को इसका महत्व बताने के लिए प्रेरित किया एवं शाला की ओर से विजेता टीमों लोथल (प्रथम) व कालीबंगा (द्वितीय) को हार्दिक बधाई देते हुए उत्साहवर्धन स्वरुप पुरस्कार, स्मृति चिन्ह एवं प्रशंसा पत्र भेंट किए। प्रश्नोत्तरी के लिए प्रश्नों का चयन व कार्यक्रम का संचालन अध्यापक अब्दुल अजीज तथा नीलू सोलंकी ने किया।

48 घंटे बंद रहेंगी शराब की दुकानें

श्रीगंगानगर, (कासं)। लोकसभा चुनाव को देखते हुए चुनाव आयोग ने जिले के सभी शराब ठेकों पर ताले लगवा दिए है। आबकारी विभाग ने दो दिन सूखा दिवस घोषित किया है। शुक्रवार शाम छह बजे तक लाइसेंसी दुकानें नहीं खुलेगी। इस दौरान शराब की बिक्री नहीं करने के आदेश जारी हो चुके है। 19 अप्रेल की शाम छह बजे जैसे ही मतदान की प्रक्रिया पूरी होगी उसके बाद शराब ठेके खुल जाएंगे। आबकारी सिटी सीआई गुरनाम सिंह ने बताया कि पूरे जिले में 409 लाइसेंसी दुकानें है। इसमें से सिर्फ जिला मुख्यालय पर 26 दुकानें है। शाम पांच बजे के बाद दुकानों को बंद कराने के लिए आबकारी विभाग की ओर से 22 टीमों को अधिकृत किया गया। इन टीमों ने दुकानों को बंद कराने के बाद सील भी लगाई। इधर ग्रामीण क्षेत्र के कार्यवाहक सीआई जे.डी. यादव ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्र में बुधवार शाम पांच बजे के बाद शराब बिक्री पर रोक लगा दी गई है। ऐसे में अवैध तरीके से शराब बेचने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जायेगी। शराब ठेको को बंद कर सील लगाने की प्रक्रिया अपनाई गई। इलाके में होटलों और रेस्टोरेंट में संचालित होने वाली 12 बार को भी ड्राई डे में शामिल किया गया है। सीआई ने इन बार के गेटों पर ताले जड़कर सील की प्रक्रिया अपनाई। सीआई का कहना था कि चुनाव आयोग के सख्त आदेश के बावजूद किसी ने बार में शराब पीने या पिलाने का दौर शुरू किया तो उसके खिलाफ एफआइआर दर्ज कर गिरफ्तारी की जायेगी। इधर शहर के कई शराब ठेकों के संचालकों ने शाम पांच बजे की बजाय शाम सात बजे तक ठेकों के खुले होने की सूचना पर आबकारी पुलिस ने कई जगह दबिश भी दी।

बैंक के एजेंट से लूट का प्रयास

बीकानेर, (कासं)। पुलिस थाने से कुछ ही दूर बैंक एजेंट से लूट के प्रयास का मामला सामने आया है। इस आशय की रिपोर्ट व्यास कॉलोनी क्षेत्र निवासी सुरेश कुमार शर्मा ने कोटगेट पुलिस थाने में दी है। रिपोर्ट में बताया कि वह कैनरा बैंक का एजेंट है। आम दिन की तरह वह शाम को शीतल ब्रेकरी से कलेक्शन की राशि लेकर निकला था। कोटगेट पुलिस थाने से महज कुछ ही दूर स्थित आनन्द होटल के नजदीक पहुंचा। इसी दरम्यान पीछे से एक नकाबपोश बदमाश ने उसकी कॉलर पकड़ कर उसकी आंखों में मिर्ची पाउडर डाल दिया तथा बदमाश ने उसको धक्का दिया तथा उसके हाथ में बैग को छीनने का प्रयास किया। किंतु उसने हिम्मत नहीं हारी तथा जैसे-तैसे करके अपने आप को संभाला तथा युवक को पकडने का प्रयास किया, किंतु आरोपी उससे अपना पीछा छुड़ा कर भाग छूटा। पुलिस ने रिपोर्ट के आधार पर आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

अवैध हथियार सहित गिरफ्तार

बीकानेर, (कासं)। पुलिस ने ओवरब्रिज के नीचे अवैध हथियार व कारतूस के साथ एक युवक को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार युवक गौरव पालीवाल पुत्र नन्दलाल पालीवाल है। आरोपी पुष्करणा स्कूल के नजदीक रहने वाला है। जिसके पास पुलिस को अवैध हथियार व जिंदा कारतूस मिले है। दरअसल यह कार्रवाई नयाशहर थाना पुलिस ने की है। पुलिस के मुताबिक सूचना मिली कि चौखूंटा फाटक ओवरब्रिज के नीचे युवक अवैध हथियार के साथ घूम रहा है। सूचना मिलने के साथ ही पुलिस ने मौके पर दबिश देकर आरोपी को धरदबोचा। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से अवैध देशी पिस्टल व एक जिंदा कारतूस मिला। पुलिस ने इन्हें जब्त कर लिया। आरोपी के खिलाफ पुलिस ने आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है।

संस्कृति-सत्संग का समापन

बीकानेर, (कासं)। गुरुदेव ब्रह्मलीन स्वामी संवित सोमगिरि महाराज के कृपापात्र शिष्य, श्री लालेश्वर महादेव मंदिर के महंत पूज्य स्वामी विमर्शानंद गिरि महाराज के सानिध्य में गोस्वामी तुलसीदास सत्संग कुटीर में सप्त दिवसीय संस्कृति-सत्संग कार्यक्रम का समापन हो गया। इस अवसर पर स्वामी महाराज ने बताया कि मनुष्य जीवन का यही उद्देश्य है कि इसी जन्म में उस परमानंद की प्राप्ति कर लेना, जिसके लिए भगवान ने मनुष्य मात्र पर अपार कृपा की है। प्रत्येक व्यक्ति के जीवन में अपनी रूचि, योग्यता एवं साधना के अनुरूप एक उच्च आदर्श होना चाहिए, जिस आदर्श पर चलकर वह अपने सभी कर्तव्यों एवं दायित्वों को निभाते हुए अपना सर्वांगीण विकास कर करें। स्वामी ने यह भी कहा कि आज आवश्यकता इस बात की है कि मनुष्य संवेदना से अपने अंत:कण भर लें।

जेलों में मोबाइल फोन व हथियार पहुंचना आम बात

- बीकानेर जेल में चार स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था होने के बावजूद आसानी से मोबाइल फोन व आपत्तिजनक सामग्री पहुंच रही है

बीकानेर, (कासं)। व्यवस्था दो स्तरीय हो, त्रिस्तरीय हो या चार स्तरों वाली। जेल की सुरक्षा को जैसे जंग लग चुकी है। छूटने का नाम ही नहीं लेती। जेलों में हथियार, यहां तक कि पिस्टल पहुंचना भी अब आम बात हो गई है।

मोबाइल तो जैसे जेल में बंद हर बड़े अपराधी को मुहैया हुई खास सहूलियत हो गई है, जो किसी न किसी राह से उस तक बैरकों और कोठरियों तक में पहुंच जाती है। नतीजे में जेलों में हत्याकांड से लेकर जेल से बाहर की दुनिया में फिरौती के लिए अपहरण और हत्याकांड जैसी घटनाएं हो रही हैं। जिनके तार जेलों में बंद अपराधियों से जुड़ना भी जैसे आम बात हो गई है।

हैरत की बात यह है कि सालों-साल से चल रहे इस खेल का तोड़ जेल प्रशासन या विभाग नहीं निकाल पा रहा है। ताजा घटना बीकानेर जेल से संबंधित है। यहां केन्द्रीय कारागार में बंदियों की बैरक के पास एक मोबाइल मिला है। कारागार की सेल नंबर पांच के बैरक नंबर 20 की तलाशी के दौरान जमीन में दबा यह मोबाइल मिला। इसमें सिमकार्ड भी डाला हुआ था।

सुरक्षा प्रहरी मातादीन पुत्र गोपाललाल मीणा की ओर से बीछवाल थाने में मामला दर्ज कराया गया है। वैसे इस साल अब तक 13 मोबाइल बरामद हो चुके हैं। जबकि साल 2018 में सर्वाधिक 52 मोबाइल मिल चुके हैं।

जेल में सिम लगा मोबाइल मिलने के बाद इस फोन को फॉरेंसिक जांच के लिए भी भेजने के बारे में भी जेल प्रशासन सोच रहा है। ताकि यह पता लगाया जा सके कि इस मोबाइल का उपयोग हुआ है या नहीं। हुआ है, तो कहां और कितनी बार बात की गई है। साइबर सेल की मदद से उस कैदी का भी पता लगाने की कोशिश की जाएगी, जिसके लिए यह मोबाइल जेल परिसर के भीतर पहुंचाया गया। बीकानेर जेल में चार स्तरीय सुरक्षा व्यवस्था होने के बावजूद जेल में बड़ी आसानी से मोबाइल व आपत्तिजनक सामग्री पहुंच रही है। हर दो-तीन माह में जेल की बैरकों की जांच में मोबाइल फोन, सिम, चार्जर, मादक पदार्थ, हथियार व अन्य सामान बरामद होता है। ऐसा तब है, जेल में प्रवेश द्वार पर जेल सुरक्षाकर्मी जांच करते हैं।

हनुमान जन्मोत्सव की तैयारी जोरों पर

बीकानेर, (कासं)। हनुमान जयंती (23 अप्रैल) को लेकर तैयारियों का दौर चल रहा है। जयंती के अवसर पर कई जगह विशेष पूजन, सुंदरकांड सहित विभिन्न आयोजन होंगे।

इसी क्रम में श्री बजरंग धोरा विकास समिति की बैठक श्री बजरंग धोरा धाम में आयोजित की गई जिसमें हनुमान जन्मोत्सव को आयोजित होने वाले मेले में कार्यकर्ताओं को अलग-अलग कार्यों की जिम्मेदारी सौंपी गई।

मंदिर के आशीष दाधीच ने बताया कि मंदिर में सफाई, पार्किंग, लाइट-पानी की उचित व्यवस्था के लिए जिम्मेदारी कार्यकर्ताओं को दी गई। साथ ही बीकानेर पुलिस अधीक्षक से ट्रैफिक व्यवस्था सुचारू करने के लिए अनुरोध किया जायेगा ताकि यातायात सुगम हो। यात्रियों के लिए पार्किंग व रैम्प की सुविधा की जा रही है। साथ ही सोशल मीडिया के माध्यम से सभी भक्तों को आमंत्रित किया जा रहा है।

विवाहिता को करंट से मारने का आरोप

- नयाशहर पुलिस थाना क्षेत्र में विवाहिता की मौत मामले में नया मोड़ आया

बीकानेर, (कासं)। नयाशहर पुलिस थाना क्षेत्र में विवाहिता की मौत में नया मोड़ आ गया है। मृतका के परिजनों ने ससुराल वालों पर करंट देकर मार देने का आरोप लगाया है।

इस आशय की रिपोर्ट मृतका के भाई जस्सूसर गेट बाहर क्षेत्र निवासी अशोक सोनी पुत्र गंगाराम सोनी ने थाने में दी है। रिपोर्ट के मुताबिक मनीषा की शादी 26 अप्रैल 2021 को बंगला नगर निवासी सोनू सोनी के साथ हुई थी। आरोप लगाया है कि शादी के बाद से ही ससुराल वाले उसको दहेज के लिए तंग व परेशान करने लगे थे। दहेज की मांग को लेकर ससुराल वालों ने कई बार मनीषा के साथ मारपीट की। समझाइश करने के बावजूद ससुराल वाले नहीं माने और उसको दहेज के लिए तंग व परेशान करते रहे।

आरोप है कि 17 अप्रैल को आरोपी ससुराल वालों ने उसकी बहन मनीषा को करंट देकर मार डाला। पुलिस ने रिपोर्ट के आधार पर आरोपी सोनू सोनी पुत्र दीपक सोनी, प्रकाश, दीपक सोनी, देवर विष्णु सोनी, विष्णु सोनी और मनीषा की सास के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

लाखों की ठगी : सरकारी नौकरी लगवाने के नाम पर लाखों रूपए की ठगी करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने परिवादी की रिपोर्ट पर एक महिला सहित पांच नामजद व अन्य जनों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। परिवादी आचार्यों की घाटी निवासी सचिन पणिया पुत्र फतेहचंद ने रिपोर्ट दर्ज कराई है।

पड़ौसी पर फसल जलाने का मुकदमा दर्ज

- आरोपी ने पिस्तौल निकालकर फायर कर दिया तथा धमकी देते हुए खेत में खड़ी गेहूं की फसल में आग लगा दी

बीकानेर, (कासं)। जिले के शेरूणा पुलिस थाना क्षेत्र में फायर करने तथा फसल को जला देने का मामला सामने आया है।

पीड़ित खेतूदेवी पत्नी चूनाराम है। जो कि बापेऊ की रहने वाली है। इसने पुलिस को रिपोर्ट देते हुए अपने ही खेत पड़ौसी दीपाराम पुत्र लालाराम पर आरोप लगाते हुए उसके खिलाफ मामला दर्ज करवाया है। रिपोर्ट में आरोप लगाया कि रात को करीबन आठ बजे आरोपी उसके खेत में घुस आया तथा गाली गलौच करने लगा। जब पीड़िता ने इसका विरोध किया तथा उसको रोकने का प्रयास किया तो आरोपी आग बबूला हो गया। आरोप है कि आरोपी ने पिस्तौल निकालकर फायर कर दिया तथा धमकी देते हुए खेत में खड़ी गेहूं की फसल में आग लगा दी। जिससे उसको खासा नुकसान हुआ है। बता दें कि दोनों ही पक्षों के बीच विवाद चल रहा है तथा एक-दूसरे के खिलाफ थाने में मामलें भी दर्ज है। फिलहाल पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मामला दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

मतदान के आमंत्रण पत्र बांटे

बीकानेर, (कासं)। बीकानेर जिला उद्योग संघ के अध्यक्ष द्वारकाप्रसाद पचीसिया के नेतृत्व में वीरेंद्र किराडू, सुशील बंसल और प्रेम खंडेलवाल ने केईएम रोड स्थित व्यापारिक प्रतिष्ठानों व खजांची मार्केट में मतदाताओं को मतदान के लिए जागरूक किया।

आमजन को 19 अप्रैल को अधिकाधिक मतदान करने हेतु जागरूक करने के लिए प्रेरित किया। पचीसिया ने आम मतदाताओं को जिला उद्योग संघ द्वारा जिला निर्वाचन अधिकारी की प्रेरणा से मतदान प्रतिशत बढाने हेतु 19 व 20 तारीख को अंगुली पर मतदान पश्चात लगाई गई स्याही का निशान दिखाने पर 71 व्यापारिक प्रतिष्ठानों द्वारा 3 से लेकर 50 प्रतिशत तक दी जा रही विशेष छूट का लाभ उठाने के लिए भी प्रेरित किया गया।

अभय कमांड में वॉर रूम बना, एसपी खुद करेंगी मॉनिटरिंग

- संवेदनशील एवं अतिरिक्त संवेदनशील मतदान केन्द्रों की वेब कास्टिंग को भी वॉर से मॉनिटर किया जा सकेगा

बीकानेर,(कासं)। लोकसभा चुनाव के लिए शुक्रवार सुबह मतदान शुरु हो जायेगा। पुलिस प्रशासन ने सुरक्षा संबंधी सभी बंदोबस्त पुख्ता कर लिए हैं। अभय कमांड एंड कंट्रोल सेंटर में वॉर रूम बनाया गया है।

यहां पुलिस के सभी सुपरवाइजरी अधिकारी जैसे सीओ, एसएचओ, मोबाइल पार्टी, क्यूआरटी एवं अन्य अधिकारी रूट चार्ट पर रहेंगे। पुलिस ने चुनाव आयोग की गाइडलाइन के अनुसार जीआईएस मैप पर सभी की प्लॉटिंग (चिन्हित) की गई है।

जिले के सभी पोलिंग बूथ मैप पर लिए गए हैं। ऐसे में कहीं पर भी कोई घटना या विवाद होता है। इसकी सूचना होने वॉर रूम को मिलेगी। यहां बैठे अधिकारी तुरंत नजदीकी पुलिस पार्टी को पोलिंग बूथ के लिए रवाना कर देंगे। घटनास्थल पर सुरक्षा व जाब्ता जल्द पहुंचकर राहत प्रदान करेगा।

पुलिस महकमे के आंकड़ों के मुताबिक, जिलेभर में 966 बूथ लाइव रहेंगे। वॉर रूम की मॉनिटरिंग पुलिस अधीक्षक खुद करेंगी। संवेदनशील एवं अतिरिक्त संवेदनशील मतदान केन्द्रों की वेब कास्टिंग को भी वॉर से मॉनिटर किया जा सकेगा। इसके अलावा 27 फ्लाइंग स्क्वायड, 27 स्टेटिक सर्विलांस की लोकेशन भी निगरानी में रहेगी। पुलिस मोबाइल पार्टी 189, क्यूआरटी 32, सुपरवाइजरी ऑफिसर 23, एसएचओ 29 वॉर रूम की निगाह में रहेंगे। चुनाव के लिए 32 क्यूआरटी टीमें बनाई गई हैं। टीम में एक हवलदार और पांच हथियार बंद जवान होंगे। क्यूआरटी टीमें प्रत्येक थाने और कंट्रोल रूम में तैनात होगी। किसी भी मतदान स्थल व आसपास विवाद होने पर संबंधित थाने में तैनात क्यूआरटी तुरंत पहुंचेगी।

इंडोनेशिया के हिन्दू और मुस्लिम कलाकारों ने किया मंच पर राम राज्य को चरितार्थ

इंडोनेशिया से आये कलाकारों ने बीकानेर में बाली की रामलीला का शानदार अंदाज़ में मंचन किया।

- मंच पर किन्नर योग शिक्षकों द्वारा योगाभ्यास करवाया

बीकानेर, (कासं)। भगवान राम का प्रभाव भारतीय जन मानस के साथ-साथ विदेशों में भी कितना गहरा है इसकी एक झलक बीकानेर में हुए अंतर्राष्ट्रीय रामलीला कार्यक्रम में देखने को मिली।

मौका था समत्वम ट्रस्ट और एनएमपी रिसर्च द्वारा आयोजित रेलवे ग्राउंड में हुए इस अद्भुत कार्यक्रम में इंडोनेशिया से आये हुए कलाकारों ने बाली की रामलीला का शानदार अंदाज़ में मंचन का। नवीन मेघवाल द्वारा निर्देशित और संचालित ध्यान से मतदान के इस पूरे कार्यक्रम में इंडोनेशिया के हिन्दू और मुस्लिम कलाकारों ने मिलकर मंच पर राम राज्य को चरितार्थ किया।

बाली इंडोनेशिया से आये हुए कलाकारों में पद्मश्री इंद्रा उडियाना ने गुरू वशिष्ठ, हरेन्द्रा ने प्रभु राम, दीया ने माता सीता, मंगकास ने लक्ष्मण, आदि सपूत ने हनुमान, चिंता ने त्रिजटा और पाक चोक ने रावण का किरदार निभाया। बीकानेर में पहली बार हुई इस अन्तर्राष्ट्रीय रामलीला द्वारा इंडिनेशियन कलाकारों ने आम जनता को राम जैसा जीवन जीने का संदेश दिया।

ट्रस्ट के ट्रस्टी पुनीत शर्मा ने बताया कि रामलीला के साथ इस मंच पर किन्नरों के माध्यम से समानता का संदेश भी दिया गया और उसे चरितार्थ करते हुए देश के अलग-अलग कोने से आये हुए किन्नर योग शिक्षकों ने आम जनता को योगाभ्यास भी करवाया। संभवत: विश्व में पहली बार किसी एक मंच पर किन्नर योग शिक्षकों द्वारा इतनी बड़ी संख्या में एक साथ लोगों को योगाभ्यास करवाया गया। देश के दूसरे राज्यों से आये किन्नर योग शिक्षकों में पूजा, रोशनी, माही, शशि, अंकिता, प्रांजल और काव्य ने बारी बारी से मंच पर अलग-अलग आसन सिखाये। इस पूरे कार्यक्रम को नवीन मेघवाल ने निर्देशित और संचालित किया।

अंगुली पर अमिट स्याही दिखा दो दिन छूट ले सकेंगे मतदाता

- मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए विभिन्न प्रतिष्ठानों द्वारा ऑफर दिए

बीकानेर,(कासं)। लोकसभा चुनाव 2024 में मतदान के बाद अंगुली पर लगी अमिट स्याही दिखाने पर बीकानेर के 71 प्रमुख प्रतिष्ठानों द्वारा 19 और 20 अप्रैल को 3 से लेकर 50 प्रतिशत तक की छूट प्रदान की जायेगी।

जिला निर्वाचन अधिकारी नम्रता वृष्णि ने कहा कि जिले के अधिक से अधिक मतदाता अपने मत का उपयोग करें। लोकतंत्र को मजबूत बनाने में प्रत्येक मतदाता का अहम योगदान है। इस नवाचार के माध्यम से मतदाता प्रेरित होंगे और मत प्रतिशत में वृद्धि होगी। उन्होंने कहा कि महिलाएं अधिक संख्या में मतदान कर पूरे देश में एक मिसाल कायम करें।

जिला उद्योग संघ के अध्यक्ष द्वारका प्रसाद पचीसिया ने बताया कि जिले के मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए विभिन्न प्रतिष्ठानों द्वारा ऑफर दिए गए हैं। इनमें मार्ट, ज्वेलरी हाउस, ऑटो मोबाइल, मेडिकल, ब्यूटी पार्लर, होटल एंड रेस्टोरेंट, मिष्ठान भंडार, साड़ी, बैट्री, एयर कूलर, बड़ी, पापड़, आइस क्रीम, कैफे आदि सम्मिलित हैं।

विशेष ऑफर के तहत कम कीमत मार्ट, द गोल्डफोर्ड (तनिष्क), राजाराम धारणिया ऑटोमोबाइल, मोहता चिकित्सालय ट्रस्ट, मीनाक्षी दत्त मेकओवर, क्लाथिंग क्रू, श्री ब्यूटी पार्लर एंड स्पा, होटल द्वारिका, द्वारिका जयपुर रोड, होटल अंबरवाला, यामाहा टू व्हीलर, बीकाजी आउटलेट, पोपली टाइल्स एंड सेनेट्री, बाथ एंड टाइल्स, कटारिया एसोसिएट्स, स्काई किंग, प्रेम मिष्ठान भंडार, स्वरूप साड़ीज, कमल बैटरी, महात्मा जी की दुकान पर विशेष छूट दी जायेगी।

मालवीय राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान, जयपुर
जवाहर लाल नेहरू मार्ग, जयपुर 302017
पीएच.डी. में प्रवेश और मास्टर डिग्री प्रोग्राम 2024-25

क्रमांक. एमएनआईटी/शैक्षणिक/प्रवेश/24/01
पीएचडी में प्रवेश के लिए, सभी विभागों/केंद्रों हेतु 2024-25 वास्ते (विषम सेमेस्टर) एवं एम.टेक./एम.प्लान. (प्रायोजित) में के लिए आवेदन आमंत्रित किए गये हैं। अधिक जानकारी के लिए www.Mnit.ac.in पर जाएं। आवेदन जमा कराने की अंतिम तिथि 29 अप्रेल 2024 है।
CBC 21312/12/0003/2425 रजिस्ट्रार

राजस्थान के 2.54 करोड़ मतदाता आज करेंगे 114 सांसद प्रत्याशियों के भाग्य का फैसला

12 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में आज 24370 बूथों पर मतदान होगा, सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक डाले जाएंगे वोट

जयपुर, (कासं)। राजस्थान में लोकसभा आम चुनाव-2024 के तहत प्रथम चरण में 12 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में 19 अप्रैल को मतदान होगा। इन निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान के लिए सभी तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। प्रदेश के 24 हजार 370 मतदान केंद्रों पर मतदान होगा। इसमें 5729 शहरी, 17922 ग्रामीण सहित 719 सहायक मतदान केंद्र शामिल हैं। साथ ही, मतदान प्रोत्साहन के लिए महिलाओं और युवाओं द्वारा 768-768 तथा 96 मतदान केंद्र दिव्यांग कार्मिकों द्वारा संचालित किए जाएंगे।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी प्रवीण गुप्ता ने बताया कि प्रथम चरण में मतदान वाले गंगानगर, बीकानेर, चूरू, झुंझुनूं, सीकर, जयपुर ग्रामीण, जयपुर, अलवर, भरतपुर, करौली-धौलपुर, दौसा और नागौर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में चुनाव से संबंधित सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। स्वतंत्र, निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव के लिए कानून व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। चयनित 12680 मतदान केंद्रों पर मतदान प्रक्रिया की लाइव वेबकास्टिंग की जाएगी। कंट्रोल रूम के माध्यम से इन बूथों पर निगरानी रखी जाएगी। मतदान कार्य में कुल 29270 बैलट यूनिट, 29270 कंट्रोल यूनिट और 31550 वीवीपैट मशीनें (रिजर्व सहित) उपयोग में ली जाएंगी।

गुप्ता ने बताया कि इन लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में 1 लाख 14 हजार 69 सर्विस वोटर और 2 करोड़ 53 लाख 15 हजार 541 लाख सामान्य मतदाताओं सहित कुल 2.54 करोड़ मतदाता हैं। गुप्ता ने बताया कि प्रथम चरण में मतदान वाले 12 निर्वाचन क्षेत्रों के लिए 114 प्रत्याशी चुनाव मैदान में है। इनमें 102 पुरूष और 12 महिलाएं हैं। सर्वाधिक 15 प्रत्याशी जयपुर ग्रामीण और सबसे कम 4 प्रत्याशी करौली-धौलपुर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में है। मुख्य

- **प्रदेश में करीब 1.10 लाख से अधिक अधिकारी-कर्मचारी सम्पन्न कराएंगे मतदान प्रक्रिया**

निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि 12 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में मतदान प्रक्रिया की निगरानी के लिए 2367 सेक्टर ऑफिसर तैनात किए गए हैं। यह अधिकारी मतदान दलों के साथ सतत समन्वय बनाकर किसी भी प्रकार की परेशानी का तत्काल निराकरण करेंगे। ईवीएम में तकनीकी खराबी के त्वरित निराकरण के लिए बेल के इंजीनियर भी मौजूद रहेंगे, जो सूचना प्राप्त होने पर शीघ्र केंद्रों पर पहुंचेंगे। गुप्ता ने बताया कि 1.10 लाख से अधिक मतदान कर्मी मतदान सम्पन्न कराएंगे। सभी बूथों पर मतदान के लिए व्हीलचेयर सहित पेयजल और छाया सहित अन्य आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध हैं। गुप्ता ने बताया कि मतदान के दिन सूचनाओं के त्वरित आदान प्रदान के लिए राज्य और जिला स्तर पर कम्यूनिकेशन टीम बनाई गई है। इस टीम में नियुक्त अधिकारी-कर्मचारी मतदान केंद्रों तक मतदान दलों के पहुंचने की जानकारी, मॉक पोल होने की जानकारी, उसके बाद मतदान शुरू होने, मतदान का प्रतिशत जैसी जानकारियां मतदान केंद्रों पर नियुक्त कर्मचारियों से चर्चा कर संकलित करेंगे।

प्रथम चरण में मतदान वाले लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों से संबंधित जिलों में लगभग 19 हजार छोटे-बड़े वाहनों का अधिग्रहण किया गया है। मतदान दल, सुरक्षाकर्मी, ईवीएम मशीन तथा सेक्टर ऑफिसर के आने-जाने में सुगमता के लिए इन वाहनों का प्रयोग किया जा रहा है।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि शांतिपूर्ण मतदान सम्पन्न कराने के लिए कुल 76,962 सुरक्षाकर्मियों की ड्यूटी लगाई गई है। इनमें राजस्थान पुलिस के कार्मिकों के साथ-साथ, होमगार्ड, फोरेस्ट गार्ड एवं आरएसी जवान तैनात किए गए हैं। केंद्रीय पुलिस बलों की 175 कंपनियां भी मतदान के दौरान कानून व्यवस्था एवं सुरक्षा में सहयोग करेंगी। इन कंपनियों को संवेदनशील क्षेत्रों में तैनात किया गया है। मतदान दिवस पर सघन जांच एवं निगरानी के लिए प्रत्येक लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में फ्लाइंग स्क्वॉड, एसएसटी दल तैनात रहेंगे। चुनाव खर्च के लिहाज से संवेदनशील मतदान केंद्रों में अतिरिक्त निगरानी टीमें तैनात की जाएंगी। गुजरात, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, हरियाणा और पंजाब राज्यों से लगती 4,850 किलोमीटर लम्बी अंतरराज्यीय सीमा पर बने चेकपोस्ट पर बाहरी अवांछित व्यक्तियों के प्रवेश को रोकने के उद्देश्य से सीलिंग और चेकिंग की कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस के 75 हजार जवान और अधिकारी संभालेंगे सुरक्षा व्यवस्था : डी.जी.पी.

उत्कल रंजन साहू

- **26 अप्रैल को दूसरे चरण के मतदान में करीब 85 हजार अधिकारी व जवान तैनात होंगे**
- **175 कंपनियां, 18,400 राजस्थान शहरी-ग्रामीण होमगार्ड्स तथा 16 हजार बोर्डर होमगार्ड की भी तैनाती**

जयपुर। पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) उत्कल रंजन साहू ने प्रदेश में शुक्रवार को लोकसभा चुनावों के प्रथम चरण में 12 निर्वाचन क्षेत्रों के सभी मतदाताओं से शांतिपूर्ण तरीके से अपने मताधिकार का प्रयोग करने की अपील की है। डी.जी.पी. साहू ने बताया कि राजस्थान पुलिस द्वारा प्रथम चरण के लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों जयपुर शहर, जयपुर ग्रामीण, बीकानेर, श्रीगंगानगर, चूरू, नागौर, अलवर, झुंझुनूं, सीकर, दौसा, भरतपुर और करौली-धौलपुर में भय-मुक्त वातावरण में स्वतंत्र, निष्पक्ष और शांतिपूर्ण मतदान के लिए सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। इन सभी निर्वाचन क्षेत्रों में शांति और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए राजस्थान पुलिस के जाप्ते साथ ही केन्द्रीय सशस्त्र सशस्त्र बलों की कम्पनियां और होमगार्ड्स के जवानों को तैनात किया गया है।

उन्होंने बताया कि प्रदेश में लोकसभा चुनावों के प्रथम एवं द्वितीय चरण के लिए राजस्थान पुलिस के अधिकारी और जवानों (प्रथम चरण करीब 75 हजार एवं द्वितीय चरण में करीब 85 हजार) के साथ ही केन्द्रीय सशस्त्र बल और विशेष सशस्त्र बल की 175 कम्पनियों, राजस्थान शहरी-ग्रामीण होमगार्ड के 18 हजार 400 तथा बोर्डर होमगार्ड के 1600 जवानों को तैनात किया गया है। साहू ने कहा कि इन 12 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में सभी मतदाता बिना किसी दबाव या प्रलोभन के निर्भय होकर जिम्मेदार नागरिक के रूप में लोकतंत्र के पर्व में अपनी भूमिका सजगता से निभाएं। उन्होंने बताया कि प्रथम चरण के 12 लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में 14 पुलिस जिलों के तहत 23 हजार 651 मतदान केन्द्र और 719 सहायक मतदान केन्द्र बनाए गए हैं। इन मतदान केन्द्रों में से क्रिटीकल और कानून एवं व्यवस्था की दृष्टि से संवेदनशील मतदान केन्द्रों पर पर्याप्त संख्या में पुलिस कर्मियों, होमगार्ड्स, आरएसी तथा केन्द्रीय सशस्त्र बलों के जवानों को निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित नॉर्म के अनुसार तैनात किया गया है।

डीजीपी ने बताया कि इन लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों के प्रत्येक मतदान केन्द्र पर एक पुलिसकर्मी को नियोजित किया गया है, जो मतदाताओं की कतार बनवाने, अनुमत पहचान पत्र की प्राथमिक जांच के बाद मतदाता को मतदान केन्द्र में प्रवेश देने, मतदान केन्द्र पर कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने और चुनाव प्रक्रिया के दौरान ईवीएम को सुरक्षा प्रदान करेंगे। मतदाताओं की भीड़ नियंत्रण के लिए 2 या 3 मतदान केन्द्रों वाले पोलिंग स्टेशन लोकेशन (पीएसएल) पर एक अतिरिक्त होमगार्ड तथा 4 या अधिक मतदान केन्द्रों वाले पीएसएल पर दो अतिरिक्त होमगार्ड्स लगाए गए है। वहीं सहायक मतदान केन्द्रों पर एक-एक होमगार्ड लगाया गया है। डीजीपी ने बताया कि प्रदेश में लोकसभा चुनावों के मद्देनजर सीमावर्ती राज्यों पंजाब, हरियाणा, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश एवं गुजरात राज्य से लगने वाली राजस्थान की सीमाओं पर सीलिंग कर 225 चौक पोस्ट स्थापित की गई है।

गैंगरेप मामले में तीन और युवक गिरफ्तार

पूर्व में दो आरोपियों को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है

क्रिश्चियनगंज थाना पुलिस ने आरोपियों को बापर्दा गिरफ्तार किया।

अजमेर, (कासं)। अपने जीजा के साथ पुष्कर घाटी घुमने आई युवती का अपहरण कर गैंगरेप के मामले में क्रिश्चियनगंज थाना पुलिस ने गुरुवार को 3 और युवकों को गिरफ्तार किया है। तीनों आरोपी मुकदमा दर्ज होने के बाद से ही फरार चल रहे थे। आरोपियों ने कोटा, नागौर, एमपी सहित कई स्थानों पर फरारी काटी, आरोपियों के अजमेर पहुंचने पर पुलिस ने तीनों को धरदबोचा। तीनों को अभी बपर्दा रखा गया है। मामलमे में पूर्व में दो आरोपियों को पुलिस पहले ही गिरफ्तार कर चुकी है। एक नाबालिग को निरुद्ध किया था। अभी भी एक आरोपी फरार चल रहा है, पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

क्रिश्चियन गंज थाना प्रभारी अरविंद चारण ने बताया कि थाने में परिवादिया ने 22 मार्च को रिपोर्ट दर्ज कराई थी, जिसमें बताया कि 18 मार्च को रात्रि में जीजा के साथ पुष्कर घूमने गई थी। महाराणा प्रताप स्मारक, पुष्कर घाटी पर चार लडके आए जिन्होने

- **अभी भी एक आरोपी फरार चल रहा है**

जीजा व उसके साथी के साथ मारपीट कर मुझे जबरदस्ती गाड़ी में डालकर सुनसान खंडरनुमा मकान में ले गए। वहां पर तीन अन्य लड़कों को बुलाकर शराब पीकर बारी-बारी से जबरन दुष्कर्म किया तथा उक्त घटना के बारे में बताने पर जान से मारने की धमकी दी, जिस पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू पूर्व में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया था, मामले में बाकी आरोपी फरार चल रहे थे।

क्रिश्चियन गंज थाना प्रभारी चारण ने बताया कि प्रकरण में आरोपी की तलाश के लिए गठित विशेष टीम ने मुखबिर की सूचना और आसूचना/तकनिकी सहायता प्राप्त कर कार्यवाही करते हुए गैंगरेप के आरोपी राहुल कच्छावा, मोहित चौधरी तथा देवराज गुर्जर को गिरफ्तार किया है। मामले के बाद से ही आरोपी फरार चल रहे थे। आरोपियों ने कोटा, नागौर, एमपी सहित कई स्थानों पर फरार काटी है।

पुलिस मामले में अभी फरार चल रहे एक और आरोपी की तलाश में जुटी है। पुलिस ने पूर्व में दो आरोपी महेश गुर्जर व रामराज गुर्जर को गिरफ्तार कियाथा, न्यायालय पेश किया, जो वर्तमान में न्यायिक अभिरक्षा में जेल में बंद है तथा एक विधि से संघर्षरत किशोर को निरुद्ध कर किशोर न्याय बोर्ड के आदेश से बाल संप्रदेषण गृह भेजा गया है।

गहलोत कल उदयपुर आएंगे

उदयपुर, (कासं)। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत 20 अप्रैल को चार्टर्ड प्लेन द्वारा दोपहर एक बजे उदयपुर के महाराणा प्रताप डबोक हवाई अड्डा पहुंचेंगे। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रवक्ता पंकज कुमार शर्मा ने बताया कि गहलोत 1.15 बजे डबोक एयरपोर्ट से सडक मार्ग द्वारा वल्लभनगर विधानसभा क्षेत्र के सवना बावजी पहुचेंगे। जहां चित्तौडगढ़ से कांग्रेस प्रत्याशी उदयलाल आंजना के समर्थन में जनसभा को संबोधित करेंगे। शर्मा ने बताया कि 3 बजे गहलोत सवना बावजी से रवाना होकर चार बजे उदयपुर में जिला कांग्रेस कमेटी कार्यालय के पास शोभागपुरा सर्कल पहुंचेंगे। जहां उदयपुर से कांग्रेस प्रत्याशी ताराचन्द मीणा के समर्थन में जनसभा एवं कांग्रेस कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित करेंगे। 5.30 बजे डबोक एयरपोर्ट पहुंच कर विमान से जोधपुर के लिए प्रस्थान कर जाएंगे।

बूंदी में प्रोविजन स्टोर पर शॉर्ट सर्किट से लगी भीषण आग, 30 लाख का नुकसान

बूंदी, (निसं) । शहर के नैनवां रोड रजत गृह गेट नंबर 2 पर स्थित एक बेकर्स एवं प्रोविजन स्टोर पर रात्रि को अचानक शार्ट सर्किट से आग लगने से लाखों का माल जलकर खाक हो गया। सूचना पर पहुंची नगर परिषद की फायर ब्रिगेड ने 5 घंटे की मशक्कत से आग पर काबू पाया। घटना रात्रि करीब 1:30 बजे की बताई जा रही है। जिस पर सुबह 6 बजे तक काबू पाया गया। आग लगने से करीब 30 लाख रुपए का नुकसान हुआ है। आग लगने का कारण प्रथम दृष्टया शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। सदर थाना पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बूंदी में प्रोविजन स्टोर पर आग लगने से सामान जलकर राख हो गया।

रात्रि को शहर के रजत गृह गेट नंबर 2 पर स्थित जैन ब्रेकर्स एवं पिंकी प्रोविजन स्टोर पर आग लगने से लाखों का माल जलकर राख हो गया। जैन ब्रेकर्स एवं पिंकी प्रोविजन स्टोर के प्रोपराइटर रोहित जैन ने बताया कि रात्रि 1:30 बजे करीब अज्ञात व्यक्ति से दूरभाष पर दुकान पर आग लगने की सूचना मिली। मौके पर जाकर देखा तो शटर से धुआं निकल रहा था। शूटर को ऊंचा करके देखा तो दुकान में आग लगी हुई थी।आग को पानी डालकर बुझाने का प्रयास किया तो वह और भड़क गई।

किसी राहगीर ने ही दुकान पर लिखे मोबाईल नंबर को देखकर दुकान मालिक, पुलिस और फायर ब्रिगेड को घटना की सूचना दी थी। सूचना पर सदर थाना पुलिस एवं फायर ब्रिगेड की टीम भी मौके पर पहुंच गई। दुकानदार के पहुंचने के 5 मिनट बाद ही फायर ब्रिगेड भी मौके पर पहुंच गई और आग पर काबू पाने का प्रयास शुरू कर दिया।लेकिन फायर ब्रिगेड जैसे आग बुझाती फिर वापस भपक कर आग और फैल रही थी। आग इतनी भयानक थी दो फायर ब्रिगेड ने 5 घंटे की मशक्कत के बाद से सुबह 6 तक आग पर काबू पाया गया। आग लगने का कारण प्रथम दृष्टया शॉर्ट सर्किट माना जा रहा है।

बॉर्डर पर बीएसएफ ने मार गिराया पाकिस्तानी ड्रोन

अनूपगढ़, (निसं)। भारत-पाक सीमा स्थित नेमीचंद बीओपी के एरिया में देर रात बीएसएफ जवानों ने पाकिस्तान से आए ड्रोन को गोलीबारी कर गिरा दिया। ड्रोन में 2 किलो 600 ग्राम हेरोइन थी। बीएसएफ ने ड्रोन के साथ हेरोइन जब्त कर ली है। सूचना मिलने पर विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों के अधिकारी मौके पर पहुंच गए। बीएसएफ ने जब्त हेरोइन को नारकोटिक्स ब्यूरो जोधपुर ब्रांच को सौंपा है। वहीं रावलामंडी थानाधिकारी बलवंत राम ने भी घटनास्थल का जायजा लिया। कमाण्डेंट प्रभाकर सिंह ने नेमीचंद बीओपी पर पहुंचकर वहां तैनात जवानों की पीठ थपथपाई और पुरस्कार देने की घोषणा की।

बीएसएफ को तीन चार दिन पहले सीमा पार से मादक पदार्थों की तस्करी होने के इनपुट मिले थे। इनपुट के बाद सीमा चौकी नेमीचंद के इलाके में गांव 23 केडी की रोही में रात को निगरानी की गई। पाकिस्तान की तरफ से आए ड्रोन की आवाज सुनाई दी तो वहां पहले से तैनात बीएसएफ के प्रहरियों ने फायर किया। फायर के बाद ड्रोन नीचे गिर गया। रात्रि को ही सर्च अभियान चलाया गया और नाकाबंदी की गई। लेकिन कोई तस्कर पकड़ में नहीं आया। सर्च के दौरान ड्रोन के साथ हेरोइन का पैकेट बरामद हुआ। जब्त हेरोइन का वजन 2.600 किलो है। इसकी अंतरराष्ट्रीय कीमत लगभग 13 करोड़ है।

सांभर में तेज हवाओं के साथ बारिश हुई

सांभरझील, (निसं)। सांभर में गुरुवार की सांय करीब 7 बजे अचानक मौसम बदला और देखते ही देखते तेज हवाओं के साथ आंधी भी चलने लगी। धूल भरी आंधी के कारण लाइटें भी गुल हो गई, जिसकी वजह से पूरे सांभर में अंधेरा छा गया।

दुकानदारों के प्रतिष्ठानों के आगे रखे हुए अनेक के साइन बोर्ड धराशाई होकर दूर जा गिरे। धूल भरी आंधी से अपने आप को बचाते हुए प्रतिष्ठान बंद करने पडे। इसे आम जनजीवन भी प्रभावित हुआ। आकाश में देर तक काली घटाएं छाई रही और फिर बारिश का दौर भी शुरू हुआ। समाचार लिखे जाने तक विद्युत सप्लाई बाधित रही।

उदयपुर से पटना व कटिहार के लिए समर स्पेशल ट्रेन 23 से

उदयपुर, (कासं)। रेलवे द्वारा आगामी गर्मियों की छुट्टियों में अतिरिक्त यात्री यातायात को देखते हुए यात्रियों की सुविधा हेतु उदयपुर से दो ट्रेनों का संचालन शुरू किया है। इनमें उदयपुर-पटना-उदयपुर व उदयपुर-कटिहार-उदयपुर ट्रेने समर स्पेशल ट्रेन के रूप में चलेगी जो 23 अप्रेल से 10 ट्रिप के लिए संचालित होगी।

गाडी संख्या 09651, उदयपुर-पटना साप्ताहिक स्पेशल रेलसेवा 23 से 26 जून तक (10 ट्रिप) उदयपुर से प्रत्येक मंगलवार को 23.00 बजे रवाना होकर गुरूवार को 02.00 बजे पटना पहुंचेगी। वहीं गाडी संख्या 09652, पटना-उदयपुर साप्ताहिक स्पेशल रेलसेवा 25 अप्रेल से 27 जून तक (10 ट्रिप) पटना से प्रत्येक गुरूवार को 6.00 बजे रवाना होकर शुक्रवार को 12.20 बजे उदयपुर पहुँचेगी। इसी प्रकार गाडी संख्या 09623, उदयपुर-कटिहार साप्ताहिक स्पेशल रेल 23 अप्रेल से 25 जून तक (10 ट्रिप) उदयपुर से मंगलवार को 16.05 बजे रवाना होकर गुरूवार को 02.45 बजे कटिहार पहुंचेगी। वहीं गाडी संख्या 09624, कटिहार-उदयपुर साप्ताहिक स्पेशल रेलसेवा 25 अप्रेल से से 27 जून तक (10 ट्रिप) कटिहार से प्रत्येक गुरूवार को 15.00 बजे रवाना होकर शनिवार को 04.15 बजे उदयपुर पहुंचेगी।

बिट्स पिलानी में कन्वेंशन सेंटर की आधारशिला रखी

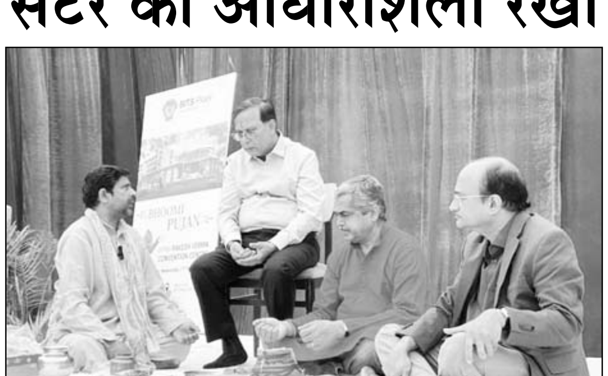

पिलानी में राकेश वर्मा कन्वेंशन सेंटर की आधारशिला रखी।

पिलानी, (निसं)। अपनी शैक्षिणक उत्कृष्टता और इनोवेशन के लिए मशहूर, बिट्स पिलानी में राकेश वर्मा कन्वेंशन सेंटर की आधारशिला रखी है। राकेश वर्मा बिट्स पिलानी के भूतपूर्व छात्र और भारत के ओरिज़नल मैप निर्माता, मैपमाईइंडिया के संस्थापक व चेयरमैन हैं। यह कन्वेंशन सेंटर वर्मा द्वारा पिछले साल पिलानी कैंपस में आधुनिक इन्फ्रास्ट्रक्चर के विकास के लिए 15 करोड़ रु. का अनुदान देने के संकल्प का हिस्सा है, जो बिट्स के किसी भी भूतपूर्व छात्र द्वारा दी गई अब तक की सबसे बड़ी राशि है।

इस कन्वेंशन सेंटर में 200 लोगों के बैठने की व्यवस्था के साथ एक कॉन्फ्रेंस रूम होगा, जिसमें राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन, उच्च एग्ज़िक्यूटिव डेवलपमेंट प्रोग्राम, वर्कशॉप्स और एल्युमिनाई मीट्स का आयोजन किया जा सकेगा। इसके अलावा यहाँ आधुनिक सुविधायुक्त 94 कमरों के साथ आरामदायक आवासीय सुविधाएँ उपलब्ध होंगी। बिट्स पिलानी परिसर में यह केंद्र महत्वपूर्ण स्थान पर स्थित है, जो विचारों के आदान-प्रदान और सहयोग के केंद्र के रूप में काम करेगा। यह अत्याधुनिक प्रोजेक्ट अगले 18 महीनों में पूरा कर लिया जाएगा। यह पूरा हो जाने के बाद संस्थान में अंतर्राष्ट्रीय स्तर की कॉन्फ्रेंस, कार्यक्रमों, और वर्कशॉप्स का आयोजन करने की क्षमता बढ़ जाएगी। पिछले पाँच सालों में बिट्स पिलानी के पूर्व विद्यार्थियों ने विभिन्न प्रोजेक्ट्स के लिए 115 करोड़ रुपए से ज्यादा का योगदान दिया है।

ग्रामीणों के खिलाफ मामला दर्ज

उदयपुर, (कासं)। टीडी थाना पुलिस ने रेस्क्यू करने के दौरान पेंथर की हत्या करने वाले ग्रामीणों के खिलाफ पुलिस ने प्रकरण दर्ज किया। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित सचिन पुत्र ललित शर्मा निवासी सरदार पटेल मार्ग कुशलगढ हॉल क्षैत्रिय वन अधिकारी परसाद रेंज ने आरोपी प्रकाश मीणा, दिनेश मीणा, हामजी मीणा, शिवा मिणा, देवा पुत्र हामजी निवासी अमरपुर फला

- **उदयपुर में रेस्क्यू के दौरान पैंथर की हत्या का लगा था आरोप**

वली टीडी के खिलाफ प्रकरण दर्ज करवाया। जिसमें पीडित ने बताया कि 15 अप्रेल सेवेरे अमरपुरा निवासी देवा (25) पुत्र रतना मीणा बकरिया लेकर चराने के लिए पहाड़ी की तरफ गया था। जहां अचानक आए पेंथर ने बकरियों पर हमला कर गुफा में जा छिपा।

इसको देख बचाव करने आए ग्रामीणों ने उसे गुफा से बाहर निकालने का प्रयास किया तो पेंथर ने हामजी पुत्र कालू मीणा निवासी अमरपुरा पर हमला कर दिया। इधर इसकी सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम मौके पर रेक्स्यूट करने पहुंची तो ग्रामीणों ने पत्थरबाजी कर पेंथर की हत्या कर दी। इस मामले में पुलिस ने प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

आदिवासी भाई-बहनों ने ठान लिया, तीसरी बार मोदी सरकार, भाजपा-एनडीए 400 पार : सतीश पूनिया

वागड़ में पूर्व भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया की जनसभाओं में उमड़ा जनसैलाब

बांसवाड़ा/जयपुर। लोकसभा चुनाव में भाजपा के विजय संकल्प अभियान को लेकर भाजपा के हरियाणा प्रदेश लोकसभा चुनाव प्रभारी एवं राजस्थान के पूर्व भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने आज राजस्थान के मेवाड़-वागड़ क्षेत्र में बाँसवाड़ा-डूंगरपुर लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी महेन्द्रजीत सिंह मालवीय के समर्थन में तूफानी दौरे कर चौरासी, चिखली, टिमेड़ा एवं छोटी सरवन इत्यादि क्षेत्रों में जनसभाओं को संबोधित कर लोगों से भाजपा को भारी मतों से जिताने की अपील की।

बांसवाड़ा में पूर्व भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सतीश पूनिया ने भाजपा प्रत्याशी महेन्द्रजीत सिंह मालवीय के समर्थन में जनसभाओं को सम्बोधित किया।

सतीश पूनिया ने कहा कि, बांसवाड़ा-डूंगरपुर लोकसभा क्षेत्र में उमड़ा जनसैलाब बता रहा कि यहां भाजपा की बड़ी जीत होगी, क्योंकि, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कल्याणकारी योजनाओं से आदिवासी भाई-बहनों का जीवन बदलने का काम किया है।

डॉ. पूनिया ने कहा कि, भारत की मोदी सरकार आदिवासियों के कल्याण के लिये जनजाति उपयोजना के तहत 90 हजार करोड़ रुपये भेजती है, पहले कांग्रेस सरकारें 24 हजार करोड़ रुपये भेजती थीं।

डॉ. पूनिया ने कहा, सांसद कनकमल कटारा ने जो विकास के काम यहां किये, उनको आगे बढ़ाने का काम महेन्द्रजीत सिंह मालवीय करेंगे, ऐसा हमें पूरा भरोसा है। उन्होंने कहा, कांग्रेस ने यहां उम्मीदवार को टिकट दे दिया, लेकिन जब नाम वापस लेने के लिये ढूंढ़ा तो उम्मीदवार मिला ही नहीं, यह पता नहीं लग रहा है कि, कांग्रेस यहां समर्थन बाहर से कर रही है या भीतर से। कांग्रेस की हालत ऐसी हो गई है कि, जब भंडारे में गये तो प्रसाद खत्म हो गया और बाहर आये तो जूते-चप्पल गायब हो गये। ना तो कांग्रेस का राज आना है, ना उनके समर्थन से कुछ होने वाला है।

डॉ. पूनिया के साथ भाजपा प्रत्याशी महेन्द्रजीत सिंह मालवीय, सांसद कनकमल कटारा, भाजपा प्रदेश मंत्री अनिता कटारा, पूर्व राज्यमंत्री सुशील कटारा, जिला अध्यक्ष लाभचंद पटेल, जिला प्रभारी ओम पालीवाल सहित सभी पार्टी पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि उपस्थित थे।

डॉ. सतीश पूनिया 19 अप्रैल को जयपुर में रानी सती नगर स्थित ब्राइट फ्यूचर स्कूल में मतदान कर दोपहर 1.30 बजे हेलिकॉप्टर द्वारा भीनमाल (जालोर-सिरोही लोकसभा क्षेत्र) के लिये प्रस्थान करेंगे, जहां 21 अप्रैल को भीनमाल में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की आमसभा की तैयारियों को लेकर वे 19,20 अप्रैल को पार्टी पदाधिकारी, जनप्रतिनिधियों व सभी 36 कौम के गणमान्य लोगों के साथ संवाद करेंगे।

- **'भारत के जन-जन के रोम-रोम में राम हैं, राम सत्य हैं, सनातन में राम और सबरी का महत्व सदैव रहेगा'**
- **राजस्थान से लेकर हरियाणा तक सतीश पूनिया ने 45 से अधिक जनसभाएं की, किसान, ओबीसी और युवा सम्मेलनों को किया संबोधित**

डमी कैंडिडेट बनकर एस.आई. की परीक्षा देने वाला सरकारी टीचर गिरफ्तार

- मामले में एक और डमी कैंडिडेट फरार
- दो पूर्व सैनिकों के स्थान पर दी थी परीक्षा
- आरोपियों ने परीक्षा देने के एवज में दस-दस लाख रुपए लिए थे

जयपुर। एसआई भर्ती परीक्षा-2021 में तीन पूर्व सैनिकों ने अपने स्थान पर परीक्षा में डमी अभ्यर्थी बैठाकर एसआई की परीक्षा पास कर ली। एसओजी ने गुरूवार को डमी अभ्यर्थी के रूप में परीक्षा देने वाले टीचर को गिरफ्तार कर लिया। जबकि दूसरे फरार डमी अभ्यर्थी की तलाश की जा रही है। मूल अभ्यर्थी व डमी अभ्यर्थी की फोटो को फोटोशॉप से मिलाकर नई फोटो को परीक्षा प्रवेश पत्र पर लगाया गया था। दोनों डमी अभ्यर्थी हिंदी व सामान्य ज्ञान के दोनों पेपर की परीक्षा देने में सफल हो गए।

एसओजी एडीजी वीके सिंह ने बताया कि गिरधारी राम (35) निवासी बाप-फलौदी हाल अध्यापक लेवल-2 राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय नेहडाई मोहनगढ़-जैसलमेर को डमी अभ्यर्थी के रूप में परीक्षा में बैठने पर गिरफ्तार किया गया है। गिरधारी ने विक्रम जीत के स्थान पर डमी अभ्यर्थी के रूप में 10 लाख रुपए लेकर परीक्षा दी थी। विक्रम जीत 2003 में सेना में भर्ती हुआ और 2020 में रिटायर हो गया था। एसआई भर्ती में विक्रम की 1263 वीं रैंक आई थी। विक्रम का 13 सितंबर 2021 को जवाहर जैन शिक्षण संस्थान हिरण मगरी उदयपुर में परीक्षा सेंटर आया था। विक्रम परीक्षा दिलवाने के लिए गिरधारी को उदयपुर कार में लेकर गया था।

उन्होंने बताया कि परीक्षा देते ही 2 लाख रुपए दे दिए। बाद में 3 लाख रुपए और 45 हजार रुपए बैंक में ट्रांसफर कर दिए। ट्रेनी एसआई विक्रम जीत निवासी बीकानेर हाल जोधपुर को एसओजी ने 14 अप्रेल को आरपीए ट्रेनिंग सेंटर से गिरफ्तार किया था। उससे हुई पूछताछ में उसने अपने स्थान पर परीक्षा देने वाले गिरधारी के बारे में जानकारी दी थी। फरार अशोक गोदारा निवासी मटोल चक खारा-फलौदी ने गिरफ्तार ट्रेनी एसआई श्याम प्रताप सिंह और श्रवण कुमार गोदारा के स्थान पर डमी अभ्यर्थी के रूप में बैठकर परीक्षा दी थी। दोनों ट्रेनी एसआई पूर्व सैनिक हैं। अशोक ने डमी अभ्यर्थी के रूप में बैठने के लिए दोनों पूर्व सैनिकों से 10-10 लाख रुपए लिए थे। श्याम प्रताप व श्रवण को एसओजी ने 14 अप्रेल को आरपीए से गिरफ्तार किया था।

विश्व जागृति मिशन के स्थापना दिवस पर शोभायात्रा निकाली

विश्व जागृति मिशन के 33वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में जयपुर मंडल के श्रद्धालुओं ने गुलाबी नगरी में रामनवमी की शाम को शोभायात्रा निकाली।

जयपुर, (का.सं.)। विश्व जागृति मिशन के 33वां स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में जयपुर मंडल के श्रद्धालुओं ने गुलाबी नगरी में रामनवमी की शाम को शोभायात्रा का निकाली। इस शोभायात्रा में श्रद्धालुओं ने गुरुसत्ता का है आव्हान, मानव में जगे दैवीय विधान, विश्व जागृति मिशन की रीति, सेवा सिमरन से रखे प्रीति तथा आनंद धाम की यहीं पुकार, विश्व जागरण की बहे बयार जैसे नारे लगाते हुए विश्व जागृति मिशन के संस्थापक गुरुवर आचार्य सुधांशु महाराज के संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के लिए बड़े उत्साह के साथ भागीदारी निभाई। यह शोभायात्रा सोमेश्वर महादेव मंदिर से रवाना होकर बीस दुकान और आदर्श नगर क्षेत्र से गुजरते हुए वापस सोमेश्वर महादेव मंदिर पहुंची।

जयपुर मंडल के प्रधान मदनलाल अग्रवाल ने बताया कि मिशन के स्थापना दिवस पर शोभायात्रा से पूर्व आदर्श नगर स्थित सोमेश्वर महादेव मंदिर परिसर में आचार्य मोहन शास्त्री एवं पंडित विष्णु शर्मा के सानिध्य में हवन का आयोजन किया गया। इसमें उप प्रधान नारायण दास गंगवानी, महासचिव दिनेश चंद्र गुप्ता और सचिव द्वारका प्रसाद मुटरेजा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने सामूहिक आहुतियां देते हुए विश्व जागृति मिशन के कार्यों और गतिविधियों के माध्यम से मानव कलयाण के अभियान को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। इस मौके पर मिशन से जुड़ी महिला श्रद्धालुओं ने समूह में मंगल गीत और भजन गाते हुए कन्या पूजन भी किया।

मुख्य सचिव ने किया विद्युत भवन का औचक निरीक्षण

जयपुर। मुख्य सचिव सुधांश पंत गुरुवार सुबह विद्युत भवन में औचक निरीक्षण के लिए पहुंचे। करीब सवा नौ बजे अचानक सीएस के विद्युत भवन पहुंचने की जानकारी कार्मिकों को लगी, तो सभी अधिकारी कर्मचारी भागते दौड़ते ऑफिस पहुंचे। सीएस ने निरीक्षण के दौरान कम्प्यूटर खुलवाकर फाइलों की पेंडेंसी देखी, साथ ही कई अधिकारियों के चैंबर में पहुंचकर वहां टेबल पर मौजूद फाइलों की फोटो भी खींचे। अधिकांश अधिकारी अपनी सीट पर नहीं मिले। फाइलों का डिस्पोजल टाइम 106 घंटे देखकर नाराज हुए। सीएस विद्युत भवन में प्रवेश करते ही सीधे पहली मंजिल पर गए, जहां सभी बिजली कंपनियों के अधिकारी बैठते हैं। ज्यादातर अधिकारी नहीं मिले। हालांकि, कुछ देर बार ही विद्युत प्रसारण निगम के एमडी नथमल डिडेल पहुंचे। सीएस ने उनसे पूछ लिया कि कब आए। डिडेल ने 7 मिनट देरी से आने की जानकारी दी तो सीएस ने कहा कि जब अधिकारी ही लेट आएंगे, तो कैसे काम चलेगा। संयुक्त सचिव के वहां दिखने पर सीएस ने कहा कि आप यहां क्यों आए हो? आपका चैंबर सचिवालय में नहीं है क्या? सहायक अभियंता को लताड़ लगाई। दरअसल, मुख्य सचिव जैसे ही जाने लगे तो सहायक अभियंता हंसने लगी। इस पर सीएस ने कहा कि 'ये मजाक के लिए नहीं, सीरियस जॉब है'। काम में लापरवाही के बावजूद हंसना बेशर्मी है।

विवेक तिवारी एवं अरिस्ठ सिंघवीं ने भाजपा की सदस्यता ली

जयपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 10 वर्ष के कार्यकाल और उनकी जनकल्याणकारी नीतियों से प्रभावित होकर बिना किसी शर्त के आज भाजपा प्रदेश कार्यालय पर नगर निगम वार्ड नं 42 के प्रत्याशी विवेक तिवारी एवं आईपीएल क्रिकेट खिलाड़ी अरिस्ठ सिंघवीं ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की।

इस अवसर पर ज्वाइनिंग कमेटी के संयोजक अरूण चतुर्वेदी ने भाजपा का दुपट्टा पहनाकर भाजपा की सदस्यता ग्रहण कराई। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए ज्वाइनिंग कमेटी के संयोजक अरूण चतुर्वेदी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सुशासन और अंत्योदय की नीतियों से आज समाज का हर वर्ग खुश है। इसलिए आज भाजपा में आने के लिए लोग उत्साहित हैं। पार्टी में सदस्यता ग्रहण कराने का दौरा 2013 में हमने शुरू किया था। सुरक्षा को लेकर पीएम मोदी ने कहा था कि पहले किसी को छेड़ेंगे नहीं, कोई हमें छेड़ेगा तो उसे छोड़ेंगे नहीं की धारणा पर काम कर रहे हैं।

मारपीट करने वाले पुलिसकर्मी को सौंप दी थी घटना की जांच

- भांकरोटा इलाके में बेटे के सामने पिता से मारपीट का मामला

जयपुर (कासं)। पुत्र के सामने पिता से मारपीट के मामले में भांकरोटा पुलिस एक दूसरा चेहरा भी देखने को मिला। चिरंजीलाल से मारपीट करने वाले पुलिसकर्मी को ही थानाधिकारी ने इस पूरे घटनाक्रम की जांच सौंप दी गई थी। हालांकि इस मामले में डीसीपी ने हेड कांस्टेबल और कांस्टेबल को सस्पेंड कर दिया है। वहीं मौके पर मौजूद अन्य पुलिसकर्मियों के खिलाफ जांच के आदेश एडिशनल डीसीपी गुरुशरण राव को दिए हैं।

इस मामले में पीड़ित का कहना है कि पुलिसकर्मी जबरन उसके घर का ताला तोड़ने की कोशिश कर रहे थे। मैंने उनको बैठकर बात करने के लिए कहा, लेकिन उन्होंने कोई बात नहीं सुनी और मारपीट करने लगे। धमकी दी कि तुम सब लोगों को जेल में बैठा दूंगा और तुम सब लोगों पर केस कर दूंगा।

इस मामले में अभी तक बुजुर्ग महिला से हाथापाई करने वाली महिला कांस्टेबल और पीसीआर के ड्राइवर पर कोई कार्रवाई नहीं की गई है। डीसीपी ने इनके खिलाफ जांच के आदेश दिए हैं। वीडियो में सीए चिरंजी लाल शर्मा के साथ मारपीट करते हुए तीन पुलिसकर्मी दिखाई दे रहे हैं, जिसमें हेड कॉन्स्टेबल सुनील, कांस्टेबल राजपाल और पीसीआर का ड्राइवर शामिल है, जबकि एक दूसरे वीडियो में महिला कॉन्स्टेबल पार्वती बुजुर्ग महिलाओं के साथ हाथापाई करते नजर आ रही है।

डीसीपी वेस्ट ने हेड कांस्टेबल और कांस्टेबल को सस्पेंड कर दिया, लेकिन महिला कांस्टेबल पार्वती और पीसीआर ड्राइवर के खिलाफ कोई एक्शन नहीं लिया। हालांकि डीसीपी वेस्ट ने सभी की भूमिका के बारे में जांच करने के लिए अधिकारियों को कहा है।

पीड़ित ने बताया कि मैंने उनसे कहा कि आप बात तो कीजिए क्या मामला है, लेकिन उन्होंने सुनवाई नहीं की, बल्कि मेरे साथ मारपीट शुरू कर दी। इस दौरान शोर करने पर आस-पडौस के लोग वहां पहुंचे और बीच-बचाव करने लगे तो पुलिसवालों ने उनके साथ भी मारपीट की। हेड कॉन्स्टेबल सुनील कुमार ने धमकियां देना शुरू कर दिया कि तुम सब लोगों को जेल में बैठा दूंगा और तुम सब लोगों पर केस कर दूंगा। सब लोगों को डराया-धमकाया और मारपीट की। इस मामले में एडिशनल डीसीपी गुरुशरण राव का कहना है कि फिलहाल उनकी चुनाव में ड्यूटी है। चुनाव के बाद इस मामले की जांच की जाएगी।

पूनिया 21 को भीनमाल व 22 को बाड़मेर में

जयपुर। भाजपा विधि प्रकोष्ठ के प्रदेश संयोजक सौरभ सारस्वत ने बताया कि 19 अप्रैल को 12 लोकसभा संसदीय क्षेत्र में होने वाले मतदान के दौरान क़ानून व्यवस्था एवं चुनाव आयोग से सम्बंधित समस्याओं के समाधान के लिए भाजपा प्रदेश कार्यालय में एक नियंत्रण कक्ष स्थापित किया गया है। कंट्रोल रूम में प्रदेश पदाधिकारियों के साथ अधिवक्ता रहेंगे। योगेन्द्र सिंह तंवर, नाहर सिंह माहेश्वरी, सुदेश सैनी, अशोक सिंह शेखावत, खेमचन्द शर्मा, अनिल वैष्णव, ओंकार सिंह राजपुरोहित, ऋषिराज सिंह राठौड़, जुगल किशोर शर्मा, संदीप वाजपेयी, मुकेश जोशी सभी अधिवक्ता 19 अप्रैल को सुबह 6 बजे से मतदान समाप्ति तक मौजूद रहेंगे।

कुंडे से बनाएंगे परिंडा, कलश बनेंगे पक्षीघर

जयपुर। चैत्र के वासंतिक नवरात्र का गुरुवार को उत्थापन हुआ। घर-घर उगाए गए ज्वारे मिट्टी के कुंडे सहित निकटवर्ती मंदिर में विसर्जन किया। पीपल और बड के पेड़ के नीचे भी कुंडे, कलश और पूजन सामग्री का विसर्जन किया गया। मुरलीपुरा क्षेत्र में गायत्री चेतना केन्द्र के कार्यकर्ताओं ने कुंडों से ज्वारे अलग कर उसे साफ कर रख लिया। इन कुंडों का पक्षियों के लिए परिंडा और चुग्गा पात्र बनाकर सदुपयोग किया जाएगा। लोगों ने ज्वारे के साथ हवन की राख, दीपक, पत्तल-दौने में भी प्लास्टिक की थैली में डालकर पेड़ या मंदिर में रख दिए थे। अनजाने में गाय इन्हें खाद्य सामग्री समझकर पॉलिथिन नहीं खाए इसलिए प्लास्टिक की थैली में जो सामग्री थी उसे अलग किया। कार्यकर्ताओं ने पूजा में उपयोग में ली हुई मालाओं को जमीन में गाडक़र पीपल और बड़ के पेड़ के आसपास की सफाई की। कुंडों के साथ कलशों का भी सदुपयोग किया जाएगा। इन कलशों में तुलसी रोपण कर लोगों को निशुल्क वितरण किया जाएगा। कुछ कलशों को पक्षीघर का रूप दिया जाएगा। कलश से बने पक्षी घर भी लोगों को निशुल्क वितरित किए जाएंगे।

गायत्री परिवार जयपुर उप जोन संयोजक सुशील कुमार शर्मा ने बताया कि जन सहयोग से जयपुर की तीनों शक्तिपीठों और सभी चेतना केन्द्रों के माध्यम से मिट्टी के कुंडों को मंदिरों से एकत्र कर उनका सदुपयोग किया जाएगा।

लोकसभा चुनाव के चलते लोक अदालत स्थगित

जयपुर, (का.सं.)। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से आयोजित साल की दूसरी राष्ट्रीय लोक अदालत को स्थगित कर दिया गया है। यह लोक अदालत अब 11 मई के स्थान पर 13 जुलाई को आयोजित की जाएगी। विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से मिली जानकारी के अनुसार पूर्व में राष्ट्रीय लोक अदालत 11 मई को निर्धारित थी। प्रदेश में 19 अप्रैल और 26 अप्रैल को होने वाले लोकसभा चुनाव को देखते हुए इसे स्थगित किया गया है। चुनाव में राज्य सरकार और बीमा कंपनियों के अधिकारियों व कर्मचारियों के व्यस्त होने के चलते इसे स्थगित करने का निर्णय लिया गया है।

जयपुर के 18 विधानसभा क्षेत्रों में 49 लाख 41 हजार मतदाता आज चुनेंगे अपना सांसद

सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक होगा मतदान, बुजुर्ग व दिव्यांगों के लिए मतदान बूथों पर विशेष इंतजाम

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। लोकसभा चुनाव के तहत जयपुर व जयपुर ग्रामीण लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र के लिए आज मतदान होगा। कुल 18 विधानसभा क्षेत्रों में 49.41 लाख मतदाता मताधिकार का प्रयोग करके अपना सांसद चुनेंगे। जयपुर, जयपुर ग्रामीण के साथ-साथ दौसा लोकसभा क्षेत्र में समाहित चाकसू एवं बस्सी, सीकर लोकसभा क्षेत्र में समाहित चौमूं विधानसभा क्षेत्र में भी मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी नीलिमा तक्षक ने बताया कि जयपुर शहर में 22 लाख और जयपुर ग्रामीण में करीब 21 लाख मतदाता हैं। जिला निर्वाचन अधिकारी प्रकाश राजपुरोहित ने जिले के सभी मतदाताओं से शत-प्रतिशत मतदान की अपील की है। उन्होंने कहा कि एक स्वस्थ एवं मजबूत लोकतंत्र के लिए प्रत्येक मतदाता की सक्रिय भागीदारी महत्वपूर्ण है, इसलिए सभी मतदाता 19 अप्रैल को सुबह 7 बजे से सायं 6 बजे तक अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करें।

गुरुवार को भारत निर्वाचन आयोग द्वारा नियुक्त चुनाव पर्यवेक्षकों, जिला निर्वाचन अधिकारी प्रकाश राजपुरोहित और विभिन्न समन्वयक अधिकारियों की उपस्थिति में मतदान कर्मियों की रवानगी का कार्यक्रम सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। प्रकाश राजपुरोहित ने स्वयं मतदान रवानगी स्थलों पर जाकर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। अतिरिक्त जिला कलेक्टर (प्रथम) सुरेश कुमार नवल, उप जिला निर्वाचन अधिकारी नीलिमा तक्षक, अतिरिक्त जिला कलक्टर (दक्षिण) शैफाली कुशवाह ने भी मतदानकर्मियों से संबंधित व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया।

जानकारी के अनुसार जयपुर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में समाहित 8 विधानसभा क्षेत्रों में 2085 व जयपुर ग्रामीण क्षेत्र में समाहित 8 विधानसभा क्षेत्रों में 2128 मतदान दल चुनाव प्रक्रिया संपन्न करवाएंगे। गुरूवार को सीकर रोड स्थित भवानी निकेतन छात्र कॉलेज, जमवारामगढ़ रोड स्थित जामिया-तुल-हिदाया विश्वविद्यालय एवं जेएलएन मार्ग स्थित राजस्थान कॉलेज से गुरुवार को दो पारियों में 4213 मतदान दलों की रवानगी हुई।

जिला निर्वाचन अधिकारी प्रकाश राजपुरोहित ने बताया कि 19 अप्रैल को सबसे पहले मतदान करने वाले 1 लाख से अधिक मतदाताओं को आकर्षक पुरस्कार मिलेगा।

जयपुर लोकसभा चुनाव में शांतिपूर्ण और निष्पक्ष मतदान संपन्न करवाने के लिए गुरूवार को भवानी निकेतन कॉलेज से मतदान दल गंतव्य के लिए रवाना हुए।

जयपुर नगर निगम हैरिटेज व ग्रेटर के सभी विधानसभा क्षेत्रों के 2166 बूथों पर मतदान दिवस पर पहले मतदान करने वाले 50 मतदाताओं को स्क्रेच कार्ड दिया जाएगा। कार्ड को स्क्रेच करने पर कार्ड पर अंकित पुरस्कार प्रदान कर मतदाताओं को सम्मानित किया जाएगा। इस तरह निगम क्षेत्र के मतदान केन्द्रों पर पहले मतदान करने वाले 1 लाख 8 हजार 300 मतदाताओं को स्क्रेच करने पर कार्ड पर अंकित पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया जाएगा।

12 वैकल्पिक दस्तावेजों से डाल सकेंगे वोट

जो मतदाता निर्वाचन फोटो पहचान पत्र प्रस्तुत करने में सक्षम नहीं हैं, उन्हें 12 वैकल्पिक फोटोयुक्त पहचान दस्तावेज जैसे आधार कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, भारतीय पासपोर्ट, फोटो सहित पेंशन दस्तावेज, केंद्र-राज्य सरकार, पीएसयू, सार्वजनिक लिमिटेड कंपनियों द्वारा कर्मचारियों को जारी किए गए फोटोयुक्त सेवा पहचान पत्र, बैंक-डाकघर द्वारा जारी फोटोयुक्त पासबुक, राष्ट्रीय जनसंख्या रजिस्टर के तहत आरजीआई द्वारा जारी स्मार्ट कार्ड, श्रम मंत्रालय की योजना के तहत जारी स्वास्थ्य बीमा स्मार्ट कार्ड, सांसदों-विधायकों-एमएलसी को जारी किए गए आधिकारिक पहचान पत्र और भारत सरकार के सामाजिक न्याय मंत्रालय द्वारा दिव्यांगजनों को जारी यूनिक डिसेबिलिटी आईडी शामिल है।

'वोटक्यू ट्रैकर' एप पर देख सकेंगे भीड़ के हाल

वोटक्यू ट्रैकर एप के माध्यम से मतदाता स्वयं के विधानसभा क्षेत्र एवं भाग संख्या को सेलेक्ट कर अपने बूथ पर वोटर्स की संख्या की जानकारी प्राप्त कर सकते हैं, जो कि संबंधित बीएलओ द्वारा प्रत्येक आधे घंटे में अपडेट की जा रही होगी। आईओएस और एंड्रायड आधारित मोबाइल फोनधारक वोटक्यू ट्रैकर एप डाउनलोड कर सकते हैं। इस एप पर मतदान बूथों पर मौजूदा भीड़ के हालात जान सकेंगे।

260 बूथों की कमान महिलाओं के हाथ होगी

लोकसभा चुनाव में शत-प्रतिशत मतदान सुनिश्चित करने के लिए एवं सभी वर्गों के मतदाताओं को मतदान के लिए प्रेरित करने के लिए लोकसभा चुनाव में महिला बूथ, युवा बूथ, दिव्यांग बूथ के साथ साथ आदर्श बूथ की स्थापना की गई है।

जयपुर जिले के 19 विधानसभा क्षेत्रों में 260 ऐसे मतदान केन्द्रों की स्थापना की जाएगी जिनकी कमान महिला कार्मिकों के हाथों में होगी।

वहीं, जिले में 38 आदर्श बूथ, 152 युवा मतदाता बूथ एवं 19 दिव्यांग मतदान कन्द्रों की स्थापना की गई है।

38 आदर्श बूथ में दिखेगी लोकतंत्र महापर्व की छटा

प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र 2-2 आदर्श मतदान केन्द्रों सहित जिले में कुल 38 आदर्श मतदान केन्द्रों की भी स्थापना होगी। आदर्श बूथ पर मतदाताओं को लोकतंत्र के महोत्सव की छटा देखने को मिलेगी। इन बूथों में ना केवल आकर्षक सजावट करवाई जाएगी बल्कि मतदाताओं के स्वागत, पेयजल सहित बैठने के लिए इंतजाम करवाएं जाएंगे। वहीं, युवा मतदाताओं को आकर्षित करने के लिए सभी मतदान बूथों पर सेल्फी पॉइंट लगाए जाएंगे। साथ ही, नव मतदाताओं को प्रथम मतदान का प्रमाण पत्र भी जारी किया जाएगा।

निजी व सार्वजनिक क्षेत्र में सवैतनिक अवकाश

आगामी लोकसभा चुनाव में शत प्रतिशत मतदान सुनिश्चित करने के लिए जिला निर्वाचन अधिकारी ने मतदान दिवस को सार्वजनिक अवकाश घोषित किया है। सामान्य प्रशासन विभाग द्वारा दिनांक 22 मार्च 2024 को जारी आदेश की अनुपालना में मतदान दिवस पर निजी एवं सार्वजनिक संस्थानों में सार्वजनिक अवकाश रहेगा। ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज विभाग द्वारा 22 मार्च को जारी आदेशों की अनुपालना में दोनों मतदान तिथियों 19 अप्रैल एवं 26 अप्रैल पर मनरेगा श्रमिकों को भी सवैतनिक अवकाश देय होगा।

सवैतनिक अवकाश सुनिश्चित करेगा दल

निजी एवं सार्वजनिक संस्थाओं में सवैतनिक अवकाश सुनिश्चित करने के लिए दल का गठन भी किया गया है। मतदान दिवस पर कामगारों को सवैतनिक अवकाश सुनिश्चित करने के लिए दल का गठन किया है। दल में श्रम निरीक्षक सपना चुग (मोबाइल-8239815237), श्रम निरीक्षक भारती भिण्डा (मोबाइल-7790836942) एवं श्रम निरीक्षक अंकिता महर्षि (मोबाइल-7976614153) शामिल है।

2300 मतदान बूथों पर होगी लाइव वेब कास्टिंग

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशों की अनुपालना में जयपुर जिले में संवेदनशील एवं अतिसंवेदनशील मतदान केन्द्रों सहित 2 हजार 363 चिन्हित मतदान केन्द्रों से लाइव वेब कास्टिंग की जाएगी। लाइव वेबकास्टिंग के जरिये बूथों की प्रभावी मॉनिटरिंग के लिए जयपुर कलेक्ट्रेट में केंद्रीयकृत नियंत्रण कक्ष की स्थापना भी की गई है। जहां प्रशिक्षित कार्मिक हर बूथ की हर एक गतिविधि पर नजर रखी जाएगी।

राजस्थान और कॉमर्स कॉलेज में ईवीएम संग्रहण

19 अप्रैल को मतदान के पश्चात जेएलएन मार्ग स्थित राजस्थान कॉलेज एवं कॉमर्स कॉलेज में ईवीएम एवं वीवीपैट का संग्रहण किया जाएगा। कॉमर्स कॉलेज में जयपुर ग्रामीण लोकसभा क्षेत्र में सामहित फुलेरा, शाहपुरा, झोटवाड़ा, आमेर, कोटपूतली, विराटनगर, जमवारागढ़, बानसूर विधानसभा क्षेत्रों की ईवीएम सामग्री का संग्रहण किया जाएगा।

वहीं, राजस्थान कॉलेज में जयपुर लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में समाहित बगरू, सांगानेर, विद्याधर नगर, किशनपोल, आदर्श नगर, सिविल लाइन्स, मालवीय नगर, हवामहल विधानसभा क्षेत्रों की ईवीएम का संग्रहण किया जाएगा।

दौसा निर्वाचन क्षेत्र में समाहित बस्सी विधानसभा की ईवीएम का संग्रहण राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय बस्सी, चाकसू विधानसभा क्षेत्र की ईवीएम का संग्रहण राजकीय महाविद्यालय, टोंक रोड, चाकसू में किया जाएगा।

वहीं, सीकर लोकसभा क्षेत्र में समाहित चौमूं विधानसभा क्षेत्र की ईवीएम का संग्रहण राजकीय कन्या महाविद्यालय, चौमूं में किया जाएगा।

मतदान दलों की वापसी पर चुनाव वाहन मतदान दल को नियत प्रवेश द्वार पर ही उतारेंगे। संबंधित रिटर्निंग अधिकारियों के लिए संग्रहण स्थल पर ईवीएम जमा करवाने के लिए टोकन व्यवस्था लागू की गई है।

राममय हुई रामगंज चौपड़

जयपुर (कासं)। रामगंज चौपड़ पर रामनवमी के पावन पर्व पर निकलने वाली शोभा यात्रा का महामंडलेश्वर बालमुकुंद आचार्य जयपुर शहर लोकसभा भाजपा प्रत्याशी मंजू शर्मा, किशनपोल विधानसभा प्रत्याशी चंद्रमनोहर बटवाड़ा, पार्षद कुसुम यादव, सर्व समाज हिंदू महासभा संस्थापक चंद्रप्रकाश भाडेवाले, पूर्व पार्षद एवं चेयरमैन अजय यादव, कनक बिहारी मंदिर सियाराम दास महाराज ने राम भक्तों का पुष्प वर्षा माला एवं साफा पहनाकर और भगवान श्रीराम की आरती उतारकर भव्य स्वागत किया।

भगवान श्रीराम के जन्मोत्सव भव्य तरीके से मनाया जा रहा है। पूर्व पार्षद एवं चेयरमैन अजय यादव ने बताया कि भगवान राम का उनके जन्मस्थान पर करीब 500 सालों के बाद पहली बार भव्य जन्मोत्सव मनाया जा रहा है।रामनवमी के मौके पर दोपहर 12 बजे रामलला का सूर्याभिषेक किया गया। वैज्ञानिकों की टीम ने रामलला के ललाट को सूर्य की किरण से तिलक किया गया। इससे भक्तों में गजब का उल्लास है। रैली में भगवान राम लक्ष्मण जानकी और हनुमान सहित कई तरह की झांकियां सजाई गई। बैंड बाजे ढोल मंजीरा की धुनों पर भगवा वस्त्र एवं साफा धारण किए हाथों में भगवा झंडा लेकर युवा झूमते नाचते साथ चल रहे थे। जय श्री राम के नारों से पूरी रामगंज चौपड़ गुंजायमान थी।

महिला शक्ति ने शोभायात्रा में बढ़-चढ़कर भाग लिया। श्रद्धालुओं को आइसक्रीम का वितरण किया गया। इस दौरान पार्षद विमल अग्रवाल, पूनम शर्मा, सर्राफा कमेटी के अध्यक्ष कैलाश मित्तल, विक्रम सिंह, प्रभात शर्मा, एडवोकेट पियूष अग्रवाल, नरेश विजयवर्गीय, उमेश शर्मा, पिंकू शर्मा, योगेश सोनी, अक्षय यादव, राजकुमार कुमावत, विष्णु मीणा, मोनिका अग्रवाल, संपत बिसला, अशोक सैनी, राजकुमारी सैन, आशीष मेहता, मीनाक्षी शर्मा, भावना मीनाक्षी यादव, मधु यादव, दीपमाला यादव, बाबूलाल रैगर, गुलाबचंद श्रीमाल, मनीष बिवाल, ईश्वर गोडवानी, पवन टिक्कीवाल, संजय सैनी, सियासरण शर्मा, अभय यादव, युवराज सिंधड विक्रम कोठारी लक्षित उपस्थित रहे।

कारोबारी को 50 लाख रु. की रंगदारी के लिए धमकी

जयपुर (कासं)। राजधानी के मानसरोवर इलाके में एक कारोबारी से 50 लाख रुपए मांगने का मामला सामने आया है। बदमाश ने वॉट्सएप कॉल कर जान से मारने की धमकी दी। बदमाश बोला कि तेरी सिक्योरिटी की तैयारी कर ले, मेरे पास काफी शूटर हैं। धमकी मिलने के बाद पीड़ित बिजनेसमैन ने मानसरोवर थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

पुलिस ने बताया कि महेश नगर निवासी बिजनेसमैन ने रिपोर्ट दर्ज करवाई है। 14 मार्च की शाम वह मानसरोवर स्थित अपने ऑफिस पर बैठा था। शाम करीब 5:15 बजे उनके मोबाइल पर इंटरनेशनल नंबर से वॉट्सएप कॉल आया। पहली बार तो कॉल उठाकर बात करने से मना कर दिया। कुछ ही देर बाद उसी मोबाइल नंबर से मैसेज भेजकर बिजनेसमैन और उसके परिवार के बारे में बताया।

वॉट्सएप कॉल कर बदमाश ने खुद को विदेश में बैठा होना बताया। उसे और परिवार को मारने की धमकी देकर 50 लाख रुपए की रंगदारी मांगी। आरोपी ने पीड़ित को धमकाया कि 50 लाख रुपए देगा या अपनी जान देगा। तू अब तेरी सिक्योरिटी की तैयारी कर ले। मेरे पास काफी शूटर हैं।

धमकी भरे वॉट्सऐप कॉल-मैसेज मिलने के बाद बिजनेसमैन ने मानसरोवर थाने में दर्ज करवाई।

झुंझुनूं एकेडमी का सचिन राहड़ बना आई.ए.एस. अधिकारी

- **एकेडमी सीबीएसई के एल्युमिनाई विद्यार्थी आज भारत ही नहीं अपितु पूरे विश्व में उच्च प्रतिष्ठित पदों पर आसीन हैं**

झुंझुनूं, (निसं)। झुंझुनूं एकेडमी सीबीएसई के एल्युमिनाई विद्यार्थी आज भारत ही नहीं अपितु पूरे विश्व में उच्च प्रतिष्ठित पदों पर आसीन हैं तथा अपने परिवार, स्कूल एवं जिले का नाम रोशन कर रहे है। सफलता की इस कड़ी में आज एक और नाम जुड़ गया।

जानकारी देते हुए स्कूल प्राचार्य डॉ. रविशंकर शर्मा ने बताया कि झुंझुनूं एकेडमी का एल्युमिनाई छात्र सचिन राहड़ पुत्र सावित्री देवी एवं शुभकरण राहड़ का आईएएस अधिकारी के लिए चयन हुआ है। सचिन की स्कूली शिक्षा झुंझुनूं एकेडमी सीबीएसई में संपन्न हुई। ग्रेजुएशन दिल्ली यूनिवर्सिटी के हिंदू कॉलेज से ऑनर्स फिजिक्स से की तथा मास्टर डिग्री चुरू के लोहिया कॉलेज से जियोग्राफी में एमएससी किया व नेट अथवा जेआरएफ भी क्लियर किया। सचिन एक होनहार विद्यार्थी होने के साथ-साथ ताइक्वांडो व बॉस्केटबॉल के नेशनल खिलाड़ी भी रहे हैं। झुंझुनूं एकेडमी सीबीएसई में ही इन्होंने ताइक्वांडो में राष्ट्रीय स्तर पर गोल्ड मेडल भी जीते हैं। इसके पश्चात अपने चौथे प्रयास में ऑल इंडिया 291वीं रैंक के साथ क्लियर किया तथा आईएएस अधिकारी बने। शर्मा ने बताया कि 2014 में उनका एनडीए में 281वीं रैंक के साथ चयन हो गया था। परंतु उनको सिविल सर्विसेज में जाना था। इसलिए उन्होंने एनडीए जॉइन नहीं किया। सचिन के बड़े भाई सुनित राहड़ भी झुंझुनूं एकेडमी के ही एल्युमिनाई रहे है। जो वर्तमान में दिल्ली में इनकम टैक्स ऑफिसर हैं तथा इनकी बहन डॉ. मोनिका भी झुंझुनूं एकेडमी की एल्युमिनाई रही है। इनके पिता शुभकरण राहड़ झुंझुनूं जिला परिषद में एक्सईएन पद पर कार्यरत है तथा माता सावित्री देवी सरकारी स्कूल में अध्यापिका हैं। इस अवसर पर स्कूल प्रांगण में सचिन का शानदार स्वागत किया गया। सभी स्कूल पदाधिकारियों ने अंगवस्त्र भेंट कर व तिलकार्चन तथा माल्यार्पण कर सत्कार अभिनंदन किया। सचिन ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, भाई-बहन एवं परिवारजनों के साथ-साथ झुंझुनूं एकेडमी चेयरमैन डॉ. दिलीप मोदी के मोटिवेशनल सेमीनार उन्मेष को दिया। इस शानदार उपलब्धि के लिए झुंझुनूं एकेडमी चेयरमैन डॉ. दिलीप मोदी, मैनेजिंग डायरेक्टर नीरजा मोदी, स्कूल निदेशक आकाश मोदी,छात्रावास निदेशक कुरड़ाराम धींवा, उप-प्राचार्या सरोज सिंह, हैडमिस्ट्रेस उमा शर्मा, श्यामसुंदर शर्मा तथा प्रशासक कमलेश कुलहरि ने छात्र सचिन राहड़ को बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की।

झुंझुनूं एकेडमी का एल्युमिनाई छात्र सचिन राहड़ पुत्र सावित्री देवी एवं शुभकरण राहड़ का आईएएस अधिकारी के लिए चयन हुआ है।

टैस्सीटोरी प्रज्ञा-सम्मान 20 को

बीकानेर, (कासं)। राजस्थानी के वरिष्ठ साहित्यकार एवं राजस्थानी भाषा मान्यता आंदोलन के प्रवर्तक कमल रंगा ने बताया कि इसी क्रम में प्रवासी राजस्थानी विभूतियों को आगामी 20 अप्रेल को दोपहर 3 बजे कोलकाता के सूचना-केन्द्र सभागार में सम्मानित किया जायेगा।

साहित्यिक एवं सृजनात्मक आयोजनों को नवाचार के साथ समर्पित भाव से करने वाली प्रज्ञालय संस्थान जो कि वर्ष 1980 से लगातार महान इटालियन विद्वान, राजस्थानी भाषा के पुरोधा डॉ. लुईज पिओ टैस्सीटोरी के कार्य को जन-जन तक ले जाने का सकारात्मक उपक्रम करती आई है। जिसके माध्यम से प्रमुख रूप से राजस्थानी भाषा मान्यता, साहित्य संस्कृति एवं कला के क्षेत्र में खासतौर से प्रदेश और देश में काम करने वाली विभूतियों को डॉ. टैस्सीटोरी प्रज्ञा-सम्मान अर्पित करने का उपक्रम वर्ष 2022 से प्रारंभ कर दिया था।

कार्यक्रम के संयोजक एवं राजस्थानी संस्कृतिकर्मी हिंगलाज दान रतनू ने बताया कि उक्त दिवस को प्रवासी राजस्थानी विभूतियों में डॉ. टैस्सीटोरी साहित्य प्रज्ञा-सम्मान राजस्थानी के वरिष्ठ साहित्यकार बंशीधर शर्मा को, डॉ टैस्सीटोरी भाषा प्रज्ञा-सम्मान राजस्थानी भाषा के महत्वपूर्ण समर्थक रतन शाह को एवं डॉ टैस्सीटोरी संस्कृति प्रज्ञा-सम्मान राजस्थानी संस्कृति के समर्पित विद्वान महावीर प्रसाद बजाज को अर्पित किया जायेगा।

सार-समाचार

कमियां सुधारने के लिए किया पाबंद

हनुमानगढ़ सीएमएचओ डॉ. नवनीत शर्मा ने टिब्बी के निश्चय साइक्रेट्रिक क्लीनिक का निरीक्षण किया।

हनुमानगढ़, (कासं)। सरकारी एवं प्राइवेट चिकित्सा संस्थानों के निरीक्षण अभियान के तहत मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नवनीत शर्मा ने आज खण्ड टिब्बी के निश्चय साइक्रेट्रिक क्लीनिक का औचक निरीक्षण किया। उनके साथ स्वास्थ्य निरीक्षक संत कुमार बिश्नोई भी उपस्थित रहे। सीएमएचओ डॉ. नवनीत शर्मा ने बताया कि निरीक्षण अभियान के तहत आज उन्होंने टिब्बी के साइक्रेट्रिक क्लीनिक का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने वहां उपस्थित मरीजों से मिल रहे उपचार के बारे में जानकारी ली। स्वास्थ्य निरीक्षक संत कुमार बिश्नोई ने क्लीनिक के रिकॉर्ड की जांच की। मरीजों की दी जा रही दवाओं की भी जांच की गई एवं उनका स्टॉक रजिस्टर से मिलान भी किया गया। वहां स्थापित जांच लैब की भी जांच की एवं दस्तावेजों का भी निरीक्षण किया गया। डॉ. शर्मा ने बताया कि इस दौरान वहां मिली कमियों को दुरस्त करने के लिए क्लीनिक संचालकों को पाबंद किया गया। इसके लिए उन्हें कारण बताओ नोटिस जारी किया जायेगा और अगर कमियों की पुनरावृति रही तो कठोर कार्यवाही की जायेगी। डॉ. शर्मा ने बताया कि जिले में समस्त अस्पतालों की औचक जांच नियमित अंतराल में की जायेगी।

शिव प्रतिमा की स्थापना

रतनगढ़,(निसं)। शहर के चौधरी मुक्तिधाम में स्व. पन्नालाल सिपाणी परिवार द्वारा भगवान शिव का नवमंदिर निर्माण कर आज गुरुवार को विधि विधान से भगवान शिव की प्रतिमा स्थापित कर इसका अनावरण किया गया। प्रतिमा का अनावरण पूर्व मंत्री राजकुमार रिणवा ने किया । रिणवा ने कहा कि जीव की मृत्यु के पश्चात उनकी आत्मा भगवान शिव में समा जाती है। यहां आकर संसार के सभी मोह बंधनों से जीव को छुटकारा मिलता है । शिव की प्रतिमा स्थापित होने से यहां अनेक आत्माओं को चिर शांति प्राप्त होगी और इस नेक कार्य के लिए सिपाणी परिवार का आभार प्रकट किया।इस अवसर पर पूर्व पालिकाध्यक्ष लिट्टू कल्पना कांत ,सिपाणी परिवार के तेजकरण सिपाणी,रणजीतसिंह सिपाणी,डालचंद सिपाणी,दर्शन सिपाणी, मनोज बेगवानी ,सुभाषचंद्र बैंद,प्रताप बोथरा ,नीरज बैद, अशोक वर्मा, सुदामा सिंधी , लक्ष्मीनारायण चंगोईवाला, विकाश रिणवा,अशोक वर्मा, रमेश सुदामा सिंधी, एडवो.आशुतोष पुरोहित,हीरालाल नौहाल, ओम सारस्वत, गोविंदराम मिटावा सहित अनेक व्यक्ति उपस्थित थे।

मतदान करने की अपील कि

झुंझुनूं,(निसं)। मतदान की पूर्व संध्या पर जिला निर्वाचन अधिकारी चिन्मयी गोपाल ने जिलेवासियों से अपील की है कि वे 19 अप्रेल को होने वाले लोकसभा आम चुनाव में आवश्यक रूप से अपने मताधिकार का प्रयोग करें। उन्होंने बताया कि जिले में शांतिपूर्ण, निर्भिक मतदान के लिए जिला प्रशासन पूरी तरह मुस्तैद है। मतदाताओं को किसी तरह की असुविधा का सामना नहीं करना पड़े, इसके लिए माकूल व्यवस्थाएं की गई हैं। उन्होंने महिलाओं, फर्स्ट टाईम वोटर्स एवं यूथ वोटर से अपील की है कि वे भी शत-प्रतिशत मतदान में अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि मतदान अपने बूथ की भीड़ की स्थिति को भी वेबसाइट के माध्यम से देख सकता है, ताकि उन्हें वहां जाकर लाईन में इंतजार नहीं करना पड़े। गौरतलब है कि दिव्यांग मतदाताओं को मतदान केंद्रों पर ले जाने के लिए 63 गाड़ियों की व्यवस्था की गई है। वहीं 520 व्हील चेयर भी विभिन्न मतदान केंद्रों पर उपलब्ध रहेगी। सुगम मतदान में 3500 स्काउट गाइड देंगे सहयोग

मतदाताओं की निस्वार्थ सेवा

झुंझुनूं,(निसं)। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं जिला कलेक्टर झुंझुनूं के निर्देशानुसार दिव्यांग व वृद्धजन को सुगम मतदान के लिए झुंझुनूं लोकसभा क्षेत्र के प्रत्येक मतदाता बूथ पर राजस्थान राज्य भारत स्काउट गाइड के दो-दो स्काउट गाइड साइनेज के रूप में कार्य करेंगे। सीओ स्काउट महेश कालावत ने बताया कि विधानसभा क्षेत्र मंडावा में 512, झुंझुनूं में 516, खेतड़ी में 420, उदयपुरवाटी में 464, सूरजगढ़ में 588, नवलगढ़ में 522, पिलाने में 478 इस प्रकार 3500 स्काउट गाइड सुगम मतदान में सहयोग देते हुए बीएलओ एवं पीठासीन अधिकारी के निर्देशन में कार्य करेंगे। जिसके अंतर्गत वृद्धजनों, दिव्यांगों को मतदान केंद्र तक ले जाना, मतदाताओं को छायादार स्थान पर बैठाना, पीने के पानी की व्यवस्था करना जैसे कार्यों में सहयोग करेंगे। मतदान केंद्र पर नन्हें मुन्ने स्काउट्स गाइड्स पूरी मुस्तैदी के साथ कार्य करते हुए अपनी सेवा भावना का परिचय देंगे।

नेपाल में स्वर्ण पदक जीता

पाटन,(निसं)। नेपाल के पोखरा में 11 अप्रैल से 17 अप्रैल तक आयोजित हुए खेलो में भारत युथ इंटरनेशनल चैंपियनशिप में भारतीय खिलाड़ी रवि सामोता पुत्र शंकर सामोता (सिरोही) जिला नीमकाथाना ने एथलेटिक्स (अंडर-19) 200 मी. स्प्रिंट में स्वर्ण पदक हासिल किया है। इसमें भारत की तरफ से 68 बच्चों ने अलग-अलग खेलों में भागीदारी ली है।नेपाल में आयोजित हुए इस चैंपियनशिप में सभी मित्रवत देशों ने भागीदारी दिखाई है। रवि सामोता के कोच सेंसेई अंकित सोनी ने रवि सामोता को आने वाले एशियार्ड चैंपियनशिप (क्वालाल्मपुर मलेशिया) के लिए तैयारी करवा रहें थें।

बीकानेर क्षेत्र में 20 लाख 47 हजार 880 मतदाता पंजीकृत

- **जिला निर्वाचन अधिकारी ने की निर्भीक होकर मतदान करने की अपील**

बीकानेर, (कासं)। लोकसभा आम चुनाव 2024 के तहत शुक्रवार को होने वाले मतदान के लिए बीकानेर संसदीय क्षेत्र में 20 लाख 47 हजार 880 मतदाता पंजीकृत हैं।

जिला निर्वाचन अधिकारी नम्रता वृष्णि ने बताया कि संसदीय क्षेत्र में शामिल आठ विधानसभा क्षेत्रों में 10 लाख 77 हजार 785 पुरुष मतदाता तथा 9 लाख 70 हजार 63 महिला मतदाता तथा 32 थर्ड जेंडर मतदाता शामिल हैं। शुक्रवार को प्रात: 7 बजे से सायं 6 बजे तक मतदान होगा।

उन्होंने बताया कि खाजूवाला विधानसभा क्षेत्र में कुल 2 लाख 39 हजार 692, बीकानेर पश्चिम विधानसभा क्षेत्र में 2 लाख 39 हजार 217, बीकानेर पूर्व विधानसभा क्षेत्र में 2 लाख 48 हजार 952 मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। कोलायत विधानसभा क्षेत्र में 2 लाख 57 हजार 544 मतदाता पंजीकृत है। इसी प्रकार लूणकरनसर विधानसभा क्षेत्र में 2 लाख 63 हजार 955, श्रीडूंगरगढ़ विधानसभा क्षेत्र में 2 लाख 68 हजार 142 तथा नोखा विधानसभा क्षेत्र में 2 लाख 83 हजार 985 मतदाता वोट डालेंगे। अनूपगढ़ विधानसभा क्षेत्र में कुल 2 लाख 46 हजार 393 मतदाता पंजीकृत हैं।

जिला निर्वाचन अधिकारी वृष्णि ने बताया कि बीकानेर संसदीय क्षेत्र के कुल 1 हजार 929 मतदान केंद्रों पर मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। मतदान की सभी तैयारियां पूरी कर ली गई है। बीकानेर संसदीय क्षेत्र से कुल 9 उम्मीदवार चुनाव मैदान में हैं। अधिक से अधिक मतदाताओं को लोकतंत्र के महापर्व में भागीदारी की अपील करते हुए जिला निर्वाचन अधिकारी नम्रता वृष्णि ने कहा कि सुरक्षित भविष्य के लिए निर्भीक होकर मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग अवश्य करें और अन्य लोगों को भी इसके लिए प्रेरित करें। उन्होंने बताया कि चुनाव से जुड़ी किसी भी शिकायत के लिए सी विजिल एप या 1950 पर संपर्क किया जा सकता है।

मतदान केंद्रों पर मतदाताओं के लिए पेयजल, छाया, बिजली, बैठने आदि की व्यवस्थाएं की गई है। साथ ही लाइन में इंतजार ना करना पड़े इसके लिए बीकानेर एज नाम से एप विकसित किया गया है। इस एप पर मतदान केंद्र पर कतार में लगे लोगों की संख्या के संबंध में जानकारी मिल सकेगी।

निर्वाचन फोटो पहचान पत्र के अतिरिक्त 12 वैकल्पिक पहचान दस्तावेज दिखाकर वोट डालने की सुविधा दी गई है। जो मतदाता निर्वाचन फोटो पहचान पत्र प्रस्तुत करने में सक्षम नहीं हैं, उन्हें अपनी पहचान स्थापित करने के लिए आधार कार्ड, मनरेगा जॉब कार्ड, ड्राइविंग लाइसेंस, पैन कार्ड, भारतीय पासपोर्ट, कंपनियों द्वारा कर्मचारियों को जारी किए गए पहचान पत्र, पासबुक, दिव्यांगजनों को जारी यूनिक डिसेबिलिटी आईडी में कोई एक दस्तावेज प्रस्तुत कर वोट दिया जा सकता है।

लाखों की एम.डी के साथ दो युवकों को पकड़ा

बीकानेर, (कासं)। लाखों की एमडी के साथ दो जनों को गिरफ्तार किया गया है। आरोपी कार में एमडी ले जा रहे थे। पुलिस ने कार को भी जब्त कर लिया है।

दरअसल यह कार्रवाई सदर थाना पुलिस ने की है। पुलिस के मुताबिक लोकसभा चुनाव के मध्यनजर कल देर शाम को पुलिस लाइन के पास वाहनों की चैकिंग की जा रही थी। इसी दौरान एक कार को रोककर उसमें सवार युवकों से पूछताछ की।

मामला संदिग्ध लगने पर पुलिस ने गाड़ी की तलाशी ली। तलाशी के दौरान कार में पुलिस को 103 ग्राम अवैध एमडी मिली। पुलिस को आरोपियों के पास से एक इलेक्ट्रोनिक कांटा भी मिला है।

पुलिस के मुताबिक कार में सवार मुक्ताप्रसाद नगर क्षेत्र निवासी सलीम भाटी पुत्र मेहबूब अली, अब्बास अली पुत्र शौकत अली को गिरफ्तार किया गया है। फिलहाल पुलिस आरोपियों से पूछताछ करने में जुटी है। जब्त की गई एमडी की कीमत बाजार में तकरीबन 20-25 लाख रुपये बताई जा रही है।

पहले मतदान करने वाले को मिलेगा प्रमाण पत्र

- **सेल्फी प्वाइंट सहित विशेष सजावट रहेगा आकर्षण का केंद्र**

बीकानेर, (कासं)। गत चुनाव में 60 प्रतिशत से कम वोटिंग वाले मतदान केन्द्रों पर प्रात: 7 बजे से 9 बजे तक सबसे पहले मतदान करने वाले 25 नव मतदाताओं को प्रमाण पत्र दिए जायेंगे। इसके अतिरिक्त प्रत्येक बूथ पर आने वाले बीस-बीस नव मतदाताओं को भी प्रमाण पत्र दिए जायेंगे।

जिला निर्वाचन अधिकारी नम्रता वृष्णि ने बताया कि युवाओं को मतदान के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से प्रत्येक विधानसभा में गत चुनाव में न्यून मतदान वाले केन्द्रों पर बीएलओ द्वारा यह प्रमाण पत्र दिए जायेंगे। जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि जिले की सातों विधानसभा के लो वोटर टर्नआउट वाले दस-दस मतदान केंद्रों पर सेल्फी पाइंट लगाए जायेंगे। मतदान करने के पश्चात मतदाता अपने फोटो सोशल मीडिया के विभिन्न प्लेटफॉर्म पर शेयर कर सकेंगे।

जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि मतदान के लिए प्रत्येक विधानसभा में 8-8 महिला कार्मिक तथा युवा मतदान कार्मिक केन्द्र, 1-1 मॉडल, यूनिक, ग्रीन तथा दिव्यांग मतदान केन्द्र बनाए गए हैं। इस प्रकार जिले में कुल 56 महिला कार्मिक तथा युवा कार्मिक मतदान केन्द्र एवं 7-7 मॉडल, यूनिक, ग्रीन तथा दिव्यांग मतदान केन्द्र बनाए गए हैं।

जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा जिले में स्थापित प्रत्येक विशेष मतदान केन्द्र पर आकर्षक प्रवेश द्वार बनाए गए हैं। इन मतदान केन्द्रों पर ओलम्पिक गोल्ड मेडलिस्ट नीरज चौपड़ा, पैरा ओलम्पिक गोल्ड मेडलिस्ट अवनि लेखरा सहित विभिन्न स्टेट आइकन्स के फोटो लगाये गए हैं। इन बूथों पर मतदान करने वाली प्रथम 10 महिला मतदाताओं को साफा पहनाकर स्वागत किया जाएगा। इसके अतिरिक्त मॉडल, यूनिक, ग्रीन तथा दिव्यांग मतदान केन्द्रों को भी विशेष रूप से सजाया गया है। इन मतदान केन्द्रों को भी विशेष थीम आधारित तैयार किया गया है।

रोड पर रात के समय होने लगी है बदमाशी

पाटन,(निसं)।सावधान, अगर रात के समय आपको दुपहिया वाहन से नीमकाथाना से पाटन या पाटन से नीमकाथाना जाना है तो बहुत सावधान होकर निकलिए, क्योंकि रात के समय भराला मोड़ से नीमकाथाना बाइपास तक दुपहिया वाहन चालकों के साथ बदमाशी होने लगी है। नीमकाथाना निवासी अमित शर्मा ने बताया की 17 अप्रैल की रात लगभग 9:30 बजे मैं पाटन से नीमकाथाना अपनी बाइक से जा रहा था, तो भराला से आगे निकलते ही मेरी मोटरसाइकिल को तीन-चार लड़कों ने रोकने की कोशिश की, परंतु मैंने अपनी मोटरसाइकिल नहीं रोकी, उसके बाद उन लड़कों ने मेरा पीछा भी किया, अगर मैं उन लड़कों के हाथ लग जाता तो शायद वे लोग मेरे साथ मारपीट कर मेरे साथ कुछ भी घटना को अंजाम दे सकते थे। शर्मा ने यह भी बताया कि 10 अप्रैल की रात को भी एक नाहरेडा के युवक के साथ तीन-चार लड़कों ने मोटरसाइकिल रोकर मारपीट की और उनका मोबाइल और पर्स ले गए। यह सभी लड़के अपने मुंह पर तोलिया बांधे हुए रखते हैं जिससे इन लड़कों की पहचान नहीं हो सके। पुलिस प्रशासन को चाहिए की रात के समय इस तरह की घटना को अंजाम देने वाले लोगों के खिलाफ शीघ्र ही सख्त कार्रवाई की जाए, जिससे इस मार्ग पर चलने वाले

चूरू लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में जनता एकदम साइलेंट है, लगता है कोई नया गुल खिलाएगी

- **चूरू विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में भाजपा विधायक हरलाल सहारण शायद ही अपनी पार्टी की बढ़त को कायम रख पाएंगे**

चूरू, (कासं.)। चूरू लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में समीकरण बदले हुए से नजर आ रहे हैं। यहां पिछले दो दिन से जनता एकदम साइलेंट हो चुकी है। लगता है जनता यहां कोई नया ही गुल खिलाएगी। कहा जा रहा है कि यहां हवा बदल रही है। यह बदली हुई हवा भाजपा के लिए हानिकारक साबित हो सकती है। मिली जानकारी के अनुसार चूरू लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र में भाजपा के देवेन्द्र झाझड़िया की स्थिति कांग्रेस के राहुल कस्वां की तुलना में काफी मजबूत थी। पार्टी नेताओं द्वारा चुनाव प्रचार भी खूब जमकर किया गया है। जबकि राहुल कस्वां अपने दम पर ही चुनाव प्रचार में लगे रहे। कस्वां के पक्ष में किसी भी बड़े नेता ने नामांकन रैली के बाद कोई सभा नहीं की। यहां देवेन्द्र झाझड़िया की हवा तब बदली, जब मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने नोहर-भादरा विधानसभा क्षेत्र में चुनावी सभा की। सभा के दौरान भाजपा के समर्पित कार्यकर्त्ताओं को मंच के पास ही नहीं आने दिया, मुख्यमंत्री को माला पहनाना तो बहुत दूर की बात है। ऐसे में उन समर्पित कार्यकर्त्ताओं का भाजपा से विश्वास ही टूट गया है।

तन, मन और धन से लगे वे भाजपा कार्यकर्त्ता अचानक मौन हो गए हैं। उनके मौन होने का अर्थ यही है कि नोहर-भादरा में भाजपा के पक्ष में चल रही हवा का रुख दूसरी ओर हो गया है। ऐसे में यहां देवेन्द्र झाझड़िया को नुकसान हो सकता है। कुल मिलाकर नोहर-भादरा में कांग्रेस के राहुल कस्वां की स्थिति मजबूत हो गई है। इसी प्रकार चूरू विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में भी भाजपा विधायक हरलाल सहारण शायद ही अपनी पार्टी की बढ़त को कायम रख पाएंगे। सरदारशहर विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में भाजपा और कांग्रेस के बीच कड़ा मुकाबला होने वाला है। यहां यह भी कहा जा रहा है कि भाजपा और कांग्रेस दोनों ही उम्मीदवारों के साथ भीतरघात होगी। कांग्रेस के नेता नहीं चाहते कि राहुल कस्वां चुनाव जीतकर उनकी राजनीति खत्म कर दें। भाजपा में भी कई नेता नहीं चाहते कि झाझड़िया चुनाव जीतें।

हनुमानगढ़ जिले के 1303 मतदान केन्द्रों पर मतदान आज

- **मतदान समय सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक होगा**

हनुमानगढ़, (कासं)। जिला निर्वाचन कार्यालय द्वारा कई माह की तैयारी के बाद गुरूवार को मतदान दल जिले के मतदान केन्द्रों पर कड़ी सुरक्षा के बीच पहुंचे गए हैं। उन्होंने अपने कक्षों में मतदान सामग्री को सुव्यवस्थित कर लिया है। अब जिले के सभी 14 लाख से अधिक मतदाताओं के मताधिकार का उपयोग करने की बारी है।

हनुमानगढ़ जंक्शन के राजकीय पॉलिटेक्निक कॉलेज व डीएवी स्कूल से संगरिया, हनुमानगढ़ और पीलीबंगा विधानसभा क्षेत्रों के लिए चुनाव सामग्री लेकर दल रवाना हुए। नोहर के गौरीशंकर बिहाणी राजकीय कन्या महाविद्यालय से भादरा और नोहर विधानसभा क्षेत्र के लिए दलों की रवानगी हुई। इस बार व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करते हुए दलों को उनकी सीटों पर ही चुनाव सामग्री वितरित की गई। इससे पूर्व उन्हें तृतीय प्रशिक्षण भी दिया गया।

जिले में कुल मतदाता 14 लाख 10 हजार 923 है। इनमें से 85 अनिवार्य सेवा मतदाता, 1963 होम वोटिंग मतदाता, 5563 सर्विस मतदाताओं ने अपना मतदान कर दिया है। (लगभग) कुल मतदान केंद्र-1303 इनमें से 100 विशेष मतदान केंद्र 652 मतदान केंद्रों से वेबकास्टिंग होगी। 40 मतदान केंद्रों पर मतदान करायेगी महिला कार्मिक अंडर 40 आयु वर्ग के युवा कार्मिक भी 40 केंद्रों पर कराएंगे। मतदान मतदान केंद्रों पर सुविधाएं सभी मतदान केंद्रों पर मतदाताओं के लिए पानी और छाया की व्यवस्थाएं रहेगी।

दिव्यांगजनों के लिए व्हीलचेयर और वॉलिंटियर्स उपलब्ध रहेंगे। लम्बी कतार होने की स्थिति में केंद्रों पर बैठने के लिए कमरे खोले जाएंगे। केंद्र पर कतार की वास्तविक स्थिति के लिए बीएलओ व्हाट्सएप के जरिए मतदाताओं को सूचना देंगे। विशेष केंद्रों पर हैप्पी ऑवर्स में 10 बजे तक मतदाताओं को नींबू पानी पिलाया जायेगा।

साथ ही, विशेष केंद्रों पर प्रथम 5 से 10 मतदाताओं से पौधे लगवाए जाएंगे। महिला और मॉडल बूथ में फीडिंग रूम की सुविधा होगी। पहली बार मतदान करने वाले मतदाताओं को बैज/प्रतीक चिन्ह से सम्मानित किया जायेगा। महिला शक्ति बूथ पर महिलाओं को किचन गार्डन के लिए बीज और खाद के पैकेट दिए जाएंगे।

प्रत्येक विधानसभा में एक-एक दिव्यांग मित्र बूथ पर प्रथम 5 दिव्यांगजन मतदाताओं से पौधारोपण कराया जायेगा। सुबह 7 से 10 बजे तक आने वाले दिव्यांग मतदाताओं का माला पहना और नींबू पानी पिलाकर स्वागत किया जायेगा।

प्रथम बार के दिव्यांग मतदाताओं का बैज/प्रतीक चिन्ह से सम्मानित किया जायेगा। हरित बूथों पर सुबह 7 से 10 बजे तक आने वाले प्रथम 20 मतदाताओं का संदेशयुक्त जूट बैग देकर स्वागत किया जायेगा।

कानाराम, जिला निर्वाचन अधिकारी, हनुमानगढ़ का कहना है कि मतदान हमारा अधिकार है, यह राष्ट्र के प्रति हमारा कर्तव्य भी है। आइए, मतदान दिवस के राष्ट्र पर्व को हम सभी मतदान कर मनाएं। सुबह 7 बजे से शाम 6 बजे तक मतदान होगा।

लोकसभा चुनाव 2024 के मद्देनजर 17 अप्रैल शाम 6 बजे से 19 अप्रैल सायं 6 बजे तक बीकानेर लोकसभा संसदीय क्षेत्र में सूखा घोषित किया गया है।

जिला निर्वाचन अधिकारी नम्रता वृष्णि द्वारा जारी आदेशानुसार जिन क्षेत्रों में मतदान होंगे,उन क्षेत्रों के बाहर के सीमावर्ती 3 किलोमीटर परिधि क्षेत्रों में 19 अप्रैल को मतदान समाप्ति सायं 6 बजे तक सूखा घोषित किया गया है। मतगणना दिवस 4 जून को भी सूखा दिवस घोषित किया गया है।

मतदान आज

रतनगढ़,(निसं)। लोकसभा चुनाव 2024 हेतु मतदान दलों का अंतिम प्रशिक्षण मोहनलाल जालान राजकीय महाविद्यालय में संपन्न हुआ। जिला निर्वाचन अधिकारी पुष्पा सत्यानी एवं एडीएम मंगलाराम की मौजूदगी में दक्ष प्रशिक्षको द्वारा पोलिंग पार्टी को मतदान संबंधी आवश्यक सावधानियों से अवगत करवाया गया। रतनगढ़ विधानसभा क्षेत्र में 249 बूथ एवं 4 अतिरिक्त बूथ बनाये गए है। निर्वाचन विभाग के निर्देशानुसार यूनीक बूथ भी बनाये गए हैं। महिला प्रबंधित, युवा प्रबंधित, दिव्यांग एवं आदर्श बूथ का निर्माण किया गया है। मतदान समय प्रात: 7 से शाम 6 बजे तक है जिसमें सुबह 7 से 10 के मध्य मतदान करने वाले मतदाताओं द्वारा वृक्षारोपण भी करवाया जायेगा। मतदान प्रक्रिया की सुचारु संचालन हेतु निर्वाचन विभाग द्वारा 23 सेक्टर ऑफिसर्स एवं 15 माईक्रो ओब्जर्वर नियुक्त किये गये है तथा 117 बूथ पर वेबकास्टिंग की जायेगी 03 बूथ पर वीडियोग्राफी की जायेगी। सहायक रिटर्निंग अधिकारी अमित कुमार वर्मा ने मतदान कार्मिको को संबोधित करते हुवे भयमुक्त व निष्पक्ष मतदान करवाने तथा सजगता से कार्य करने का संदेश दिया। दक्ष प्रशिक्षक विक्रम सिंह, शिव शंकर कम्मा, आनंद

विभिन्न थीम पर सजेंगे जिले के मतदान केंद्र

झुंझुनूं,(निसं)। जिले में शुक्रवार को लोकसभा आम चुनाव के लिए सुबह 7 बजे से मतदान प्रारंभ होगा। इसके लिए मतदान केंद्रों को आकर्षक तरीकों से सजाया गया है। जिला निर्वाचन अधिकारी चिन्मयी गोपाल ने इस बार जिले के प्रत्येक विधानसभा वार अलग-अलग थीम पर मतदान केंद्रों को सजाने के निर्देश दिए है। जिसके तहत प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र के 10 मतदान केंद्रों को आर्मी, ग्रीन, शेखावाटी कल्चर एवं स्पोर्टस थीम पर सजाया जाएगा।

पिलानी विधानसभाग्रीन थीम के तहत श्रीमती जानकी देवी मंड्रेलिया गृह विज्ञान स्कूल पिलानी (47), बिरला हॉस्टल (जूनियर सेक्शन) विद्या विहार पिलानी (61), एमके साबू कॉमर्स कॉलेज के उत्तरी हिस्से का दायां भाग पिलानी (64), शेखावाटी कल्चर के तहत राउमावि दायां भाग खुडानियां (26), क्वार्टर नंबर 245 बीआईटीएस कैम्पस पिलानी (62) एवं एमके साबू कॉमर्स कॉलेज के उत्तरी हिस्से का बायां भाग (63), आर्मी थीम के तहत राकेश महाविद्यालय बायां भाग पिलानी (44), राउमावि वार्ड नंबर दो बायां भाग पिलानी (54) एवं शहीद जयसिंह राउमावि दायां भाग नारनोद मालीगांव (153), स्पोर्टस थीम पर राउमावि बायां भाग खुडानिया (25) मतदान केंद्र को सजाया जाएगा।

सूरजगढ़ विधानसभाग्रीन थीम के तहत शहीद धर्मपाल सिंह राउमावि दायां भाग बलौदा (16), श्री लक्ष्मी निवास भवन डालमियों का मंदिर हाई स्कूल रोड बायां भाग सूरजढ़ (41) तथा राउप्रा संस्कृत विद्यालय दायां भाग हीरवा (89), शेखावाटी कल्चर थीम के तहत राप्रावि मैनाना (97), महात्मा गांधी रावि बायां भाग बडबर (103) को सजाया।

झुन्झुनू के सरकारी स्कूल में मतदान केन्द्र को सजाया।

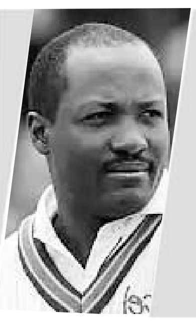

अगर आप रोहित शर्मा को देखेंगे तो आपको लगेगा कि पब्लिक से बहुत अच्छे से कनेक्ट करता है। उसका बचपन आसान नहीं रहा है। वह मुश्किलों से लड़कर आया और लगातार भारत के लिए खेला है। - ब्रायन लारा

दिग्गज क्रिकेटर, भारतीय खिलाड़ी रोहित शर्मा की तारीफ करते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

चामरी अट्टापट्टू

श्रीलंका महिला टीम की कप्तान चामरी अट्टापट्टू ने तीन एकदिवसीय मैचों की सीरीज के तीसरे मुकाबले में नाबाद (195) रनों की तूफानी पारी खेलते हुए दक्षिण अफ्रीका को छह विकेट से हरा दिया है। इस जीत के साथ ही श्रीलंका ने सीरीज एक-एक से बराबरी कर ली है। चामरी की रिकॉर्ड पारी की बदौलत श्रीलंका महिला एकदिवसीय इतिहास में 300 के लक्ष्य का पीछा करते हुए जीत हासिल करने वाली पहली टीम बन गयी है। श्रीलंका ने ऑस्ट्रेलिया के 12 साल पुराना रिकॉर्ड तोड़ा है। वर्ष 2012 में ऑस्ट्रेलिया ने न्यूजीलैंड के खिलाफ 289 रनों का लक्ष्य का पीछा करते हुए जीत दर्ज की थी।

क्या आप जानते हैं ?... प्रथम श्रेणी क्रिकेट में सर्वाधिक व्यक्तिगत स्कोर का विश्व रिकॉर्ड ब्रायन लारा के नाम है। लारा ने 1994 में वारविकशायर की तरफ से डरबन के खिलाफ 501 रन की नाबाद पारी खेली।

आईपीएल में मुंबई की तीसरी जीत, पंजाब को 9 रन से हराया

मुल्लांपुर (चंडीगढ़), 18 अप्रैल। गुरुवार को पंजाब ने टॉस जीतकर गेंदबाजी चुनी। मुंबई ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 7 विकेट पर 192 रन बनाए। जवाब पंजाब किंग्स की टीम 19.1 ओवर में 183 रन पर ऑलआउट हो गई।

सूर्यकुमार यादव ने 53 बॉल पर 78 रन की अर्धशतकीय पारी खेली। रोहित शर्मा ने 36 रन और तिलक वर्मा ने नाबाद 34 रन बनाए। हर्षल पटेल ने 3 विकेट चटकाए, जबकि कप्तान सैम करन ने 2 विकेट लिए। कगिसो रबाडा को एक विकेट मिला। से आशुतोष शर्मा ने 28 बॉल पर 61 रन बनाए, जबकि शशांक सिंह ने 25 बॉल पर 41 रन का योगदान दिया। जसप्रीत बुमराह और जेराल्ड कूट्ज़ी ने 3-3 विकेट हासिल किए। एक-एक विकेट हार्दिक पंड्या, आकाश मधवाल और श्रेयस गोपाल को मिला।

19वें ओवर की पहली बॉल पर पंजाब ने आखिरी विकेट गंवा दिया है। कगिसो रबाडा दूसरा रन लेने के प्रयास में रनआउट हो गए। इसी के साथ मुंबई इंडियंस ने 9 रन से जीत हासिल कर ली है। मुंबई की यह सीजन में तीसरी जीत है।

19वें ओवर में पंजाब को नौवां झटका लगा। हार्दिक पंड्या के ओवर की चौथी बॉल पर हरप्रीत बरार आउट हुए। उन्हें मोहम्मद नबी ने कैच किया। हरप्रीत 21 रन बनाकर आउट हुए। ओवर की 5वीं बॉल पर कगिसो रबाडा ने छक्का जमाया। इस ओवर के बाद पंजाब का स्कोर 181/9 रहा। यहां से पंजाब को जीत के लिए 6 बॉल पर 12 रन चाहिए।

18वें ओवर की पहली बॉल पर पंजाब का 8वां विकेट गिरा। जेराल्ड कूट्ज़ी ने ओवर की पहली बॉल पर आशुतोष को मोहम्मद नबी के हाथों कैच कराया। उन्होंने लियम लिविंगस्टन (एक रन) और प्रभसिमरन सिंह (शून्य) को भी आउट किया।

कैंडिडेट्स शतरंज : गुकेश ड्रॉ के बाद संयुक्त दूसरे स्थान पर

नई दिल्ली, 18 अप्रैल। ग्रेंडमास्टर डी गुकेश कैंडिडेट्स शतरंज टूर्नामेंट के 11वें दौर में शीर्ष वरीयता प्राप्त फेबियानो कारूआना से ड्रॉ के बाद संयुक्त दूसरे स्थान पर खिसक गए जबकि भारत के ही आर प्रज्ञानानंदा और विदित गुजराती को पराजय

का सामना करना पड़ा। प्रज्ञानानंदा को अमेरिका के हिकारू नकामूरा और गुजराती को रूस के इयान नेपोम्नियाश्ची ने हराया। अन्य मुकाबलों में फ्रांस के फिरोजा अलीरजा ने अजरबैजान के निजात अबासोव को हराया। टूर्नामेंट में अब तीन दौर ही बचे हैं और नेपोम्नियाश्ची लगातार तीसरी बार खिताब के प्रबल दावेदार लग रहे हैं। रूस पर प्रतिबंध लगा होने से वह फिडे के ध्वज तले खेल रहे हैं। उन्होंने 11 में से सात अंक लेकर एकल बढ़त बना ली। कारूआना, नकामूरा और गुकेश उनसे आधा अंक पीछे हैं। प्रज्ञानानंदा के 5.5 और गुजराती के पांच अंक हैं। महिला वर्ग में चीन की झोंग्यी तान को एकल बढ़त मिल गई है जबकि उनकी हमवतन टी लेइ दूसरे स्थान पर हैं। भारत की आर वैशाली ने शीर्ष वरीयता प्राप्त रूस की अलेक्जेंड्रा गोरियाश्किना को हराया जबकि कोनेरू हम्पी ने बुल्गारिया की नूरगुल सलीमोवा को मात दी।

डेवोन कॉन्वे चोट के चलते टूर्नामेंट से हुए बाहर

नई दिल्ली, 18 अप्रैल। आईपीएल की सबसे सफल टीम चेन्नई सुपर किंग्स को बड़ा झटका लगा है। दरअसल, टीम के सलामी बल्लेबाज डेवोन कॉन्वे आईपीएल 2024 से बाहर हो गए हैं। चोट के चलते कॉन्वे सीजन का एक भी मैच सीएसके

के लिए नहीं खेल पाए। सीएसके ने कॉन्वे के रिप्लेसमेंट के रूप में इंग्लैंड के रिचर्ड ग्लीसन को स्क्वॉड में शामिल किया है। आईपीएल द्वारा प्रेस रिलीज जारी की गई, जिसके अनुसार डेवोन कॉन्वे चोट के कारण टाटा आईपीएल 2024 से बाहर हो गए हैं। पिछले दो आईपीएल सीजन के दौरान सीएसके का प्रतिनिधित्व करने वाले कॉन्वे ने 23 मैच खेले हैं जिसमें उन्होंने 924 रन बनाए हैं। इसमें 9 फिफ्टी और 92 नाबाद उच्चतम स्कोर शामिल है। प्रेस रिलीज में आगे लिखा है कि, सीएसके ने टाटा आईपीएल 2024 के शेष मैच के लिए रिचर्ड ग्लीसन को टीम में शामिल किया है। ग्लीसन ने 6 टी20 में इंग्लैंड का प्रतिनिधित्व किया है और उनके नाम 9 विकेट हैं। इसके अलावा ग्लीसन ने 90 टी20 खेले हैं और 101 टी20 विकेट चटकाए हैं। उन्हें 50 लाख रुपये की बेस प्राइस के साथ टीम में शामिल किया गया है।

वनडे वर्ल्ड कप को लेकर केएल राहुल को है इस चीज का पछतावा : अश्विन

नई दिल्ली, 18 अप्रैल। भारतीय टीम के स्टार बल्लेबाज केएल राहुल आज (गुरुवार) अपना 32वां जन्मदिन मना रहे हैं। भारत के लिए तीनों फॉर्मेट खेलने वाले केएल राहुल ने अश्विन के साथ बातचीत में खुलासा किया है कि उन्हें पिछले साल वनडे विश्व कप के दौरान फाइनल में खेली गई अपनी पारी को लेकर पछतावा है, उनके मुताबिक अगर उन्हें एक गलती सुधारने का मौका दिया जाए, तो वह जल्दबाजी करने की बजाए फाइनल में अंत तक खेलने की कोशिश करते। अश्विन ने अपने यूट्यूबर्स चैनल पर केएल राहुल से पूछा, अगर मुझे मौका मिले और मैं आपको एक टाइम मशीन दूं और एक फैसले को सही करने के लिए कहूं तो वह क्या होगा? इस पर केएल राहुल ने जवाब दिया, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ विश्व कप फाइनल, मैं उस समय फंस गया था, कि मुझे स्टार्क को मारना चाहिए या सिर्फ उसे खेलना चाहिए, क्योंकि गेंद रिवर्स हो रही थी, मुश्किल एंगल से गेंदबाजी हो रही थी, इस दुविधा में मेरे बल्ले का किनारा लेकर गेंद गई। अगर मैं अंत तक खेलता तो, 30 से ज्यादा रन और बन सकते थे और शायद विश्व कप हमारे हाथ में होता, इसका मुझे पछतावा है।

कूकाबुरा से कितनी अलग होती है ड्यूक बॉल

नई दिल्ली, 18 अप्रैल। इंडियन प्रीमियर लीग में लगातार हो रहे हाई स्कोरिंग मैच को लेकर अब एक नई बहस छिड़ गई है। आईपीएल का 17 वां सीजन गेंदबाजों के लिए बहुत ही मुश्किल साबित हो रहा है। इस सीजन में बल्लेबाज खूब गरज रहे हैं। अब तक 9 टीमों ने 200 से ज्यादा रन बना डाले हैं और रनों की रफ्तार कम होने का कोई नाम नहीं ले रही है। हर्षा भोगले के इस आइडिया को अब कोलकाता नाइट राइडर्स सपोर्टिंग स्टाफ के सदस्य गौतम गंभीर ने भी समर्थन किया है। उनका कहना है कि अगर मौजूदा समय में उपयोग की जा रही कूकाबुरा गेंद जो 50 ओवर तक टिक नहीं सकती तो गेंद बनाने वाली कंपनी को बदल देना चाहिए।

पहलवान साक्षी मलिक 100 सबसे प्रभावशाली लोगों में शामिल

नयी दिल्ली, 18 अप्रैल। ओलंपिक पदक विजेता भारतीय पहलवान साक्षी मलिक को 'टाइम' पत्रिका ने 2024 के 100 सबसे प्रभावशाली लोगों में शामिल किया है। कुश्ती में भारत की एकमात्र महिला ओलंपिक पदक विजेता साक्षी को भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह द्वारा महिला पहलवानों के कथित यौन उत्पीड़न के खिलाफ उनकी लड़ाई के लिए इस सूची में जगह दी गयी है। सूची में अन्य भारतीयों में अभिनेत्री आलिया भट्ट, इंडो-ब्रिटिश अभिनेता देव पटेल और माइक्रोसॉफ्ट के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सत्या नडेला शामिल हैं। साक्षी ने दो बार की विश्व चैम्पियनशिप की कांस्य पदक विजेता विनेश फोगाट और तोक्यो ओलंपिक के कांस्य विजेता बजरंग पूनिया के साथ यहां जंतर-मंतर पर बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व किया था। इन्होंने देश की महिला पहलवानों को डराने धमकाने और कथित तौर पर यौन उत्पीड़न करने के लिए उनकी गिरफ्तारी की मांग की थी। विरोध प्रदर्शन पिछले साल जनवरी में शुरू हुआ। इसके बाद सिंह के खिलाफ यह लड़ाई एक साल तक चली। सिंह के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया गया था लेकिन वह आरोपों से इनकार करते रहे हैं।

साक्षी ने उस आंदोलन के बारे में कहा, "यह लड़ाई अब सिर्फ भारत की महिला पहलवानों के लिए नहीं है। यह भारत की बेटियों के लिए है जिनकी आवाज बार बार दबा दी गई।" सिंह के पद छोड़ने के कुछ ही समय बाद उनके करीबी सहयोगी और व्यवसायिक साझीदार संजय सिंह को डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष चुना गया। संजय सिंह ने जिस दिन डब्ल्यूएफआई की कमान संभाली, उसी दिन साक्षी ने कुश्ती से संन्यास लेने का फैसला कर लिया।

मेग लैनिंग ने संन्यास लेने का बताया कारण

कम खाने से वजन घटने की वजह से लिया रिटायरमेंट

नई दिल्ली, 18 अप्रैल। ऑस्ट्रेलिया की छह बार की विश्व कप विजेता पूर्व क्रिकेट कप्तान मेग लानिंग ने खुलासा किया है कि अवसाद के दौरे और अत्यधिक व्यायाम तथा कम खाने से वजन घटने के कारण उन्होंने 31 वर्ष की उम्र में ही खेल को अलविदा कह दिया। लानिंग ने बर्मिंघम में 2022 राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण जीतने के बाद मानसिक स्वास्थ्य के लिये छह महीने का ब्रेक लिया था।

उन्होंने एशेज 2023 के बाद खेल को अलविदा कह दिया लेकिन कोई कारण नहीं बताया था। उन्होंने ' द हाउस गेम्स ' पॉडकास्ट में कहा ," सभी मुझसे कहते थे कि कुछ सही नहीं हो रहा है लेकिन मैंने स्वीकार नहीं किया। मैं क्रिकेट खेलने की स्थिति में नहीं थी। एशेज जैसी श्रृंखला के लिये मानसिक और शारीरिक तौर पर काफी प्रतिबद्ध रहने की जरूरत होती है।" उन्होंने कहा कि एक ऐसा समय आया जब उनकी भूख ही खत्म हो गई और सप्ताह में 90 किलोमीटर दौड़ने के बाद वह सिर्फ दो बार खाना खाती थी जिससे काफी वजन कम हो गया। उन्होंने कहा, "मैं कम खाती थी और ज्यादा वर्जिश करती थी। मेरा वजन 64 किलो से 57 किलो हो गया। इससे मेरी एकाग्रता पर असर पड़ा। मैं दूसरे लोगों को देखना नहीं चाहती थी। अपने परिवार और दोस्तों से भी कट गई। फिर मुझे लगा कि अब इस पर रोक लगनी चाहिये।"

लखनऊ सुपर जाइंट्स के सामने चेन्नई के गेंदबाजी की कठिन चुनौती

नई दिल्ली, 18 अप्रैल। रुतुराज गायकवाड़ की कप्तानी और महेंद्र सिंह धोनी की प्रेरणा वाली चेन्नई टीम ने पिछले दो मैच जीते हैं जबकि केएल राहुल की लखनऊ टीम को लगातार दो पराजय झेलनी पड़ी है। लखनऊ के बल्लेबाज अपेक्षा के अनुरूप प्रदर्शन नहीं कर सके हैं और देखना होगा कि बेहतरीन फॉर्म में चल रहे चेन्नई के गेंदबाजों का सामना वे कैसे करते हैं। यॉर्कर डालने में उस्ताद मथीशा पथिराना को डैथ ओवरों में खेल पाना बहुत मुश्किल है। वहीं मुस्ताफिजुर रहमान के पास कम से कम तीन वैरिएशन हैं।

इकाना जैसे स्टेडियम पर जहां गेंद पर पकड़ अच्छी रहती है , रविंद्र जडेजा काफी असरदार साबित हो सकते हैं। लखनऊ में महीश तीक्षणा के रूप में एक अतिरिक्त

स्पिनर को उतारा जा सकता है। लखनऊ में इस सत्र में पहली पारी का औसत स्कोर 175 रन रहा है जो दूसरे मैदानों से कम से कम 15 रन कम है। लखनऊ के युवा तेज गेंदबाज मयंक यादव पिछले दोनों मैचों में पेट की मांसपेशी में खिंचाव के कारण नहीं खेल सके। उन्होंने अभ्यास शुरू किया और उनकी रफ्तार चेन्नई के बल्लेबाजों के लिये चुनौतीपूर्ण हो सकती है लेकिन देखना यह है कि वह कब खेल पाते हैं या नहीं।

स्पिन में रवि बिश्नोई ने किफायती स्पैल फेंके हैं लेकिन वैरिएशन के अभाव के कारण अभी तक छह मैचों में चार ही विकेट ले सके। बिश्नोई और चेन्नई के आक्रामक बल्लेबाज शिवम दुबे की टक्कर देखने लायक होगी।

लखनऊ के प्रमुख बल्लेबाज क्विंटोन डिकॉक लगातार दो अर्धशतकों के बाद पिछले तीन मैचों में कुछ खास नहीं कर सके। 'इंपैक्ट प्लेयर' के नियम के कारण कुणाल पंड्या सातवें नंबर पर उतर रहे हैं और छह मैचों में 41 गेंद ही खेल सके। उनका पूरा इस्तेमाल नहीं करने का खामियाजा भी टीम को भुगतना पड़ा है। कप्तान राहुल भी 204 रन ही बना सके और अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म में नहीं हैं। निकोलस पूरन ने छह मैचों में 19 छक्के लगाये हैं और उनसे इस लय को कायम रखने की उम्मीद होगी।

पूर्व हॉकी कप्तान प्रीतम रानी सिवाच का बयान, कहा-

पेरिस ओलंपिक में जीत सकती है भारतीय पुरुष हॉकी टीम

नई दिल्ली, 18 अप्रैल। भारतीय महिला हॉकी टीम की पूर्व कप्तान प्रीतम रानी सिवाच को यकीन है कि पुरुष टीम पेरिस ओलंपिक में अपने पदक का रंग बदलकर स्वर्ण जीत सकती है। आठ बार की चैम्पियन भारतीय टीम ने 41 साल के इंतजार को खत्म करके तोक्यो ओलंपिक में कांस्य पदक जीता था।

सिवाच ने हॉकी इंडिया द्वारा जारी विज्ञप्ति में कहा ," भारत के पास कुछ बेहद प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं जो मैच जिताने में सक्षम हैं।" उन्होंने कहा, "भारत का पूल कठिन है लेकिन मुझे यकीन है कि टीम पदक का रंग बदलकर पीला तमगा जीत सकती है।" भारत को ओलंपिक में पहला मैच 27 जुलाई को न्यूजीलैंड से खेलना है। सिवाच ने यह भी कहा कि आगामी राष्ट्रीय महिला हॉकी लीग से युवाओं को अपना कौशल दिखाने का मौका मिलेगा जिससे राष्ट्रीय टीम में जगह बनाने का रास्ता बनेगा। उन्होंने कहा, इसके जरिये खिलाड़ियों को पता चलेगा कि उन्हें किन पहलुओं पर काम करना है और अपने खेल में सुधार कैसे कर सकते हैं।" लीग दो चरण में होगी और रांची चरण 30 अप्रैल से नौ मई के बीच होगा।

स्टुअर्ट लॉ होंगे अमेरिका की पुरुष टीम के मुख्य कोच

वॉशिंगटन, 18 अप्रैल। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व बल्लेबाज स्टुअर्ट लॉ को अमेरिका की पुरुष टीम का मुख्य कोच नियुक्त किया गया है। टी-20 विश्वकप से पहले लॉ की शार्गिदी में अमेरिका में ही बंगलादेश के साथ तीन टी-20 मैचों की श्रृंखला खेली जायेगी। अमेरिका जून में होने वाले टी-20 विश्वकप का सह-मेजबान है। नियुक्ति को लेकर लॉ ने कहा, अमेरिका इस समय एसोसिएट देशों में एक मजबूत टीम है और उनके साथ जुड़ने को लेकर मैं बेहद उत्साहित हूं। पहली चुनौती तो बंगलादेश के साथ होने श्रृंखला के लिए एक टीम तैयार करने की है और उसके बाद हमारी नजरें विश्व कप की ओर होंगी। वह श्रीलंका और बंगलादेश के मुख्य कोच के साथ ही अफगानिस्तान और श्रीलंका को भी अंतरिम तौर पर कोचिंग दे चुके हैं। वह बंगलादेश की अंडर 19 टीम के कोच रह चुके हैं और उनकी ही कोचिंग में बंगलादेश की टीम 2012 में पहली बार एशिया कप के फाइनल में पहुंची थी। वह ऑस्ट्रेलिया के भी बल्लेबाजी कोच रहे हैं और उनकी अंडर 19 टीम को भी कोचिंग दे चुके हैं।

जापान के बैडमिंटन खिलाड़ी केंटो मोमोता ने संन्यास लेने की घोषणा की

टोक्यो, 18 अप्रैल। जापान के बैडमिंटन खिलाड़ी और दो बार के विश्व चैंपियन केंटो मोमोता ने गुरुवार को संन्यास लेने की घोषणा की। जापान की समाचार एजेंसी समाचार एजेंसी के हवाले से मोमोता ने टोक्यो में एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, मुझे लग रहा कि मैं अब उस बिंदु पर वापस नहीं पहुंच सकता जहां मैं फिर से दुनिया में नंबर एक बनने का लक्ष्य पा सकूं। उन्होंने कहा, राष्ट्रीय टीम के लिए खेलते हुए मेरा करियर बहुत ही संतुष्टिदायक रहा। अब मैं सभी प्रकार के लोगों को खेल का आनंद लेने में मदद करने में शामिल होना चाहता हूं। उन्होंने कहा, मैं झूठ नहीं बोलूंगा, दुर्घटना के बाद मैंने स्वयं ही सवाल किया, मैं ही क्यों। ईमानदारी से कहूं तो, यह एक के बाद एक कठिन समय था। लेकिन मैं इसका दोष दुर्घटना को नहीं देना चाहता। मैं प्रयास करना चाहता था। जनवरी 2020 में दुर्घटना के बाद से बहुत कठिनाई हुई। मैंने बहुत सी चीजें करने का प्रयास किया लेकिन मैं जो था और जो मैं हूं उसके बीच भावनात्मक, शारीरिक अंतर को कम नहीं कर सका। मुझे लगा कि मैं ऐसा नहीं कर सकता कि फिर से विश्व नंबर एक बनूं। मोमोता को इस घोषणा के साथ ही चीन के चेंगदू में थॉमस और उबेर कप फाइनल अंतरराष्ट्रीय सर्किट पर उनका अंतिम टूर्नामेंट होगा। मोमोता ने वर्ष 2018 और 2019 में विश्व चैंपियनशिप का खिताब जीता था।

भारतीय पहलवानों के सामने ओलंपिक कोटा हासिल करने की चुनौती, विनेश फोगाट पर नजरें

नई दिल्ली, 18 अप्रैल। शुक्रवार से शुरू हो रहे एशिया ओलंपिक क्वालीफायर के जरिये पेरिस खेलों का कोटा हासिल करने के लिए जब भारत के 17 पहलवान चुनौती पेश करेंगे तो सबसे ज्यादा नजरें दो बार की ओलंपियन विनेश फोगाट पर होगी। इस प्रतियोगिता में फ्रीस्टाइल, महिला और ग्रीको-रोमन में कुल 36 कोटा स्थान दांव पर होंगे। भारत के 17 पहलवान शुक्रवार से शुरू हो रहे एशिया ओलंपिक क्वालीफायर के जरिये पेरिस खेलों का कोटा हासिल करने के लिए जब चुनौती पेश करेंगे तो सबसे ज्यादा नजरें दो बार की ओलंपियन विनेश फोगाट पर होगी। इस प्रतियोगिता में फ्रीस्टाइल, महिला और ग्रीको-रोमन में कुल 36 कोटा स्थान दांव पर होंगे। भारतीय पहलवान सिर्फ एक स्पर्धा को छोड़कर सभी भार वर्ग में कोटा हासिल करने की कोशिश करेंगे। उन्नीस साल की अंतिम पंघाल ने सर्बिया के बेलग्रेड में 2023 विश्व कुश्ती चैंपियनशिप में कांस्य पदक जीत कर भारत के लिए महिलाओं के 53 किग्रा में पहले ही कोटा स्थान पक्का कर लिया है। महिला वर्ग में अब विनेश (50 किग्रा), रीतिका हुड्डा (76 किग्रा), मौजूदा अंडर-23 विश्व चैंपियन अंशु (57 किग्रा), मानसी (62 किग्रा) और निशा (68 किग्रा) के लिए अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने का समय आ गया है। भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व अध्यक्ष बृज भूषण शरण सिंह के खिलाफ भारतीय पहलवानों के विरोध का प्रमुख चेहरा रही विनेश के प्रदर्शन पर सबसे

ज्यादा नजरें रहेंगी। पिछले कुछ समय से गलत कारणों से चर्चा में रहने वाली 29 वर्षीय खिलाड़ी ने मार्च में 50 किग्रा में राष्ट्रीय चयन ट्रायल जीता था। उन्होंने पटियाला में हुए इस चयन ट्रायल में अधिकारियों से अनुमति मिलने के बाद 53 किग्रा वर्ग में भी प्रतिस्पर्धा की थी, लेकिन वह सेमीफाइनल में हार गईं थी। विनेश ने यह भी आरोप लगाया था कि उनके निजी कोच और फिजियो को एशियाई ओलंपिक क्वालीफाइंग टूर्नामेंट के लिए एक्रिडेशन (मान्यता) नहीं मिला। वह इन विवादों को पीछे छोड़कर अच्छा प्रदर्शन करने के लिए बेताब होगी। पुरुषों के फ्रीस्टाइल वर्ग में, अमन सहरावत (57 किग्रा) राष्ट्रीय ट्रायल में तोक्यो ओलंपिक पदक विजेता रवि दहिया को पछाड़कर अपनी जगह बनाने के बाद सुर्खियों बटोरी थी। वह अच्छी लय में भी हैं। उन्होंने इस साल जनवरी में जगरेब ओपन में स्वर्ण पदक जीता था। उनके अलावा सुजीत पर भी नजर रहेगी क्योंकि वह तोक्यो ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता बजरंग पूनिया की विफलता के बाद 65 किग्रा वर्ग में चुनौती का नेतृत्व कर रहे हैं। तोक्यो में पदक जीतने से चूके दीपक पूनिया (86 किग्रा) से यहां कोटा तय करने के मजबूत दावेदार है तो नहीं जयदीप (74 किग्रा), दीपक (97 किग्रा) और सुमित (125 किग्रा) भी अपना सर्वश्रेष्ठ खेल दिखा कर भारत के लिए कोटा हासिल करने में कोई कसर नहीं छोड़ा चाहेंगे। महाद्वीपीय क्वालीफायर में स्वर्ण पदक, रेपेचेज या कांस्य पदक के लिए मुकाबला नहीं होगा। प्रत्येक ओलंपिक भार वर्ग में दोनों सेमीफाइनल के विजेता पेरिस खेलों के लिए अपने देशों के लिए कोटा अर्जित करेंगे। ग्रीको-रोमन में सुमित (60 किग्रा), आशु (67 किग्रा), विकास (77 किग्रा), सुनील (87 किग्रा), नितेश (97 किग्रा) और नवीन (130 किग्रा) पर देश के लिए कोटा हासिल करने का दारोमदार होगा।

बृजभूषण शरण सिंह को टिकट मिलेगा या कटेगा?

संभावना है कि, भाजपा कैसरगंज से मौजूदा सांसद बृजभूषण शरण सिंह को टिकट नहीं देना चाहती है, जबकि क्षेत्र में उनका भारी दबदबा है

- हाल ही में टाइम मैगज़ीन, जिसमें महिला पहलवान साक्षी मलिक को वर्ष 2024 के 100 सर्वाधिक प्रभावशाली लोगों में शामिल किया गया है, में साक्षी मलिक के प्रकरण में बृजभूषण शरण सिंह का जिक्र किया गया है।
- ज्ञातव्य है कि, साक्षी मलिक, विनेश फोगाट व बजरंग पूनिया ने भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह पर महिला पहलवानों के यौन शोषण का आरोप लगाया था।
- बृजभूषण पर पॉक्सो के तहत भी केस दर्ज है, उन पर अवयस्क महिला पहलवानों का यौन उत्पीड़न करने का आरोप है।

-श्रीनंद झा-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 18 अप्रेल। क्या भाजपा नेतृत्व, कैसरगंज से वर्तमान सांसद, बृज भूषण शरण सिंह को पुनः टिकट देगी, इस मुद्दे पर भारी "सस्पैंस" है, क्योंकि भारतीय कुश्ती संघ के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के लिए लगातार नकारात्मक प्रचार बढ़ रहा है। टाईम पत्रिका के नवीनतम अंक में प्रकाशित एक लेख ने, सिंह के उम्मीदवार बनने की संभावनाओं पर नकारात्मक प्रभाव डाला है, जिसमें ओलिंपिक ब्रॉन्ज मैडलिस्ट पहलवान, साक्षी मलिक को वर्ष 2024 की सौ सबसे प्रभावशाली व्यक्तियों की सूची में रखा है।

साक्षी मलिक, भारत की पहली महिला पहलवान हैं जिन्हें वर्ष 2016 में ओलिंपिक मैडल मिला था। वह, वर्ल्ड चैंपियनशिप की दो बार की ब्रॉन्ज मैडलिस्ट, विनेश फोगाट और टोक्यो ऑलिंपिक के ब्रॉन्ज मैडलिस्ट, बजरंग पूनिया के साथ, सिंह द्वारा महिला पहलवानों के तथाकथित यौन उत्पीड़न के विरुद्ध लड़ाई में सबसे आगे थीं।

अभी जबकि, भाजपा नेतृत्व ने सिंह के पुनर्नामांकन पर चुप्पी साध रखी है वहीं, कैसरगंज के सांसद, प्रत्यक्ष रुप से कानूनी और प्रशासनिक समस्याएं झेल रहे हैं। गुरुवार को राउज़ एवेन्यू कोर्ट के समक्ष उपस्थित होते हुए सिंह ने अपने विरुद्ध लगे हुए आरोपों पर जवाब देने के लिए अतिरिक्त समय की मांग करते हुए एक प्रार्थना पत्र दाखिल किया। उन्होंने दावा किया कि, एक शिकायतकर्ता ने उन पर रैसलिंग फैडरेशन ऑफ इंडिया (डब्ल्यु.एफ.आई.) के कार्यालय में जिस दिन कथित रुप से यौन उत्पीड़न का आरोप लगाया था, उस दिन वह भारत में नहीं थे। कोर्ट ने मामले को स्थगित कर दिया और 26 अप्रेल को कोर्ट अपना निर्णय घोषित करेगी कि सिंह के विरूद्ध आरोप तय किए जाने चाहिए या नहीं। इस महीने की शुरुआत में सिंह के विरूद्ध आदर्श आचार संहिता और निषेधाज्ञा का उल्लंघन करने के लिए भी एक केस दर्ज हुआ था, जब सांसद ने बिना आज्ञा खड़गपुर पुलिस स्टेशन इलाके के तहत आने वाले कटरा चुनाव क्षेत्र में 25-30 वाहनों के काफिले के साथ कई गाँवों का दौरा किया था। जिला मजिस्ट्रेट नेहा शर्मा को यह कहते हुए उल्लेखित किया गया कि लोकसभा चुनावों के कारण जिले में धारा-144 लगी हुयी थी इसलिए प्रशासन आदर्श आचार संहिता का पालन करने के लिए बाध्य था।

बृजभूषण का यद्यपि क्षेत्र में काफी प्रभाव है, लेकिन पार्टी नेतृत्व विवादों के कारण इस बार उन्हें उम्मीदवार बनाने के पक्ष में नहीं बताया जाता है। हालांकि, भाजपा के लिए यह जोखिम भरा होगा क्योंकि सिंह क्षेत्र में कई स्कूलों और कॉलेजों के तंत्र का संचालन करते हैं और बहुत प्रभावशाली हैं। सिंह समाजवादी पार्टी से भी सांसद रहे हैं। अगर उसको भाजपा का टिकट नहीं मिलता है तो उनके निर्दलीय उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने की संभावना को नकारा नहीं जा सकता है।

'झुंझुनूं की जनता ने 5 बार मौका दिया, पर कांग्रेस यमुना का पानी क्यों नहीं ला पाई'

कांग्रेस अपने प्रचार में जनता के इस सवाल का जवाब नहीं दे पाई

- क्षेत्रीय राजनैतिक जानकारों का कहना है कि, कांग्रेस झुंझुनूं के लिए कोई विज़न नहीं दे पाई, उसका एक ही विज़न रहा, भाजपा को हराना है।
- कांग्रेस यमुना के पानी को लेकर किए जा रहे भाजपा के दावों का विरोध भी नहीं कर पाई।
- हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी का क्षेत्र के सैनी मतदाताओं पर भारी प्रभाव देखा गया और राजपूत मतों को साधने का काम राजेन्द्र राठौड़ ने किया। इन्हीं दोनों जातियों की नाराज़गी के नाम पर भाजपा प्रत्याशी शुभकरण चौधरी को घेरा जा रहा था।

झुंझुनूं, 18 अप्रेल (निस)। लोकसभा चुनावों के लिए प्रचार खत्म हो गया है और शुक्रवार को मतदान है। पूरे चुनाव प्रचार की बात करें तो भाजपा ने यह चुनाव यमुना जल के नाम पर लड़ा और काफी हद तक कामयाब भी हुई। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी ने यमुना का पानी दिलाने का जो वादा उदयपुरवाटी में किया और सैनी बाहुल्य इलाके में बार-बार आपका भाई और बेटा बोलकर जो भाषण दिया, उसका खासा असर वोटरों पर पड़ा है।

दूसरी तरफ कांग्रेस ना तो यमुना के पानी को लेकर भाजपा के दावों का विरोध कर पाई और ना ही अपने मुद्दे बता पाई कि वह किन मुद्दों पर चुनाव लड़ रही है। कांग्रेस प्रत्याशी बृजेंद्र ओला ने अपने दौरों में संविधान बचाने, अग्निवीर, किसान आंदोलन जैसी बातें तो कीं, लेकिन, यह कांग्रेस के वो ही घिसे पिटे आरोप थे, जो उन्होंने विधानसभा चुनावों में भी लगाए, लेकिन प्रदेश में सरकार नहीं बना पाई। अब राज्य में भाजपा की सरकार है। झुंझुनूं जिले में ना केवल सरकारी नौकरियों से हजारों परिवार जुड़े हुए हैं, बल्कि सत्ता में भागीदारी के लिए भी झुंझुनूं के लोग आगे रहते हैं। इस लिहाज से भी भाजपा मजबूत स्थिति में नजर आ रही है।

भाजपा प्रत्याशी शुभकरण चौधरी को राजपूत और माली मतदाताओं की नाराज़गी के नाम पर घेरने की कोशिश की गई, लेकिन, देश राष्ट्रहित के लिए मोदी की तरफ देख रहा है। इसलिए ऐसी नाराजगी भी धरी की धरी रह गई। रही सही कसर हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सैनी और पूर्व प्रतिपक्ष नेता राजेंद्र राठौड़ के दौरों ने पूरी कर दी।

कुल मिलाकर पूरा चुनाव प्रचार भाजपा के पक्ष में रहा। अब यह प्रचार वोटरों में कितना बदलता है, यह तो आने वाला वक्त ही बताएगा। दूसरी तरफ कांग्रेस यह मान रही है कि भाजपा में बिखराव है। झुंझुनूं विधानसभा क्षेत्र के भाजपा नेता यह भी चाहते हैं कि, बृजेंद्र ओला चुनाव जीत जाएंगे तो उप चुनाव के जरिए एक बार फिर विधानसभा में जाने का मौका पांच साल से पहले ही मिल सकता है। भाजपा यह मान रही है कि, कांग्रेस में अंर्तकलह ज्यादा है। जो साथ दिखते हैं। वो हैं नहीं, साथ ही कांग्रेस अपने प्रचार में यह भी नहीं बता पाई कि, जब उन्हें पांच बार झुंझुनूं की जनता ने मौका दिया तो वे यमुना का पानी क्यों नहीं ला पाए और ना ही यह बता पाई कि, झुंझुनूं के विकास के लिए उनका विजन क्या है। सिर्फ मोदी को हराना है, सिर्फ भाजपा को हराना है, इस विजन के साथ चुनाव लड़ा गया।

स्वदेशी निर्भय क्रूज मिसाईल का सफल परीक्षण

नयी दिल्ली, 18 अप्रेल। रक्षा अनुसंधान और विकास संगठन (डी.आर.डी.ओ.) ने ओडिशा तट पर एकीकृत परीक्षण रेंज, दीपुर से गुरूवार को स्वदेशी निर्भय क्रूज़ मिसाइल (आई.टी.सी.एम.) का सफल उड़ान परीक्षण किया। रक्षा मंत्रालय के अनुसार परीक्षण के दौरान मिसाइल की सभी उप-प्रणालियों ने उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन किया । परीक्षण रेंज पर विभिन्न स्थानों पर तैनात रडार, इलेक्ट्रो ऑप्टिकल ट्रैकिंग सिस्टम और टैलीमीट्री जैसे कई सेंसर द्वारा मिसाइल परीक्षण की निगरानी की गई थी। वायु सेना के सुखोई विमान से भी मिसाइल की उड़ान पर नजर रखी गई।

इस सफल उड़ान परीक्षण के माध्यम से गैस टर्बाइन अनुसंधान प्रतिष्ठान (जी.टी.आर.ई.), बेंगलुरु द्वारा विकसित स्वदेशी प्रणोदन प्रणाली को भी कसौटी पर परखा गया। यह मिसाइल बेहतर और विश्वसनीय प्रदर्शन, उन्नत एवियोनिक्स और सॉफ्टवेयर से भी लैस है। मिसाइल को अन्य प्रयोगशालाओं और भारतीय उद्योगों के योगदान के साथ बेंगलुरु स्थित डी.आर.डी.ओ. प्रयोगशाला वैमानिकी विकास प्रतिष्ठान (एडीई) द्वारा विकसित किया गया है। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने आई.टी.सी.एम. के सफल उड़ान-परीक्षण के लिए डीआरडीओ को बधाई दी है और कहा है कि, स्वदेशी प्रणोदन द्वारा संचालित लंबी दूरी की स्वदेशी सब सैनिक क्रूज़ मिसाइल का सफल विकास भारतीय रक्षा अनुसंधान एवं विकास के लिए एक मील का पत्थर है। रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव और डी.आर.डी.ओ. के अध्यक्ष डॉ. समीर वी कामत ने आई.टी.सी.एम. की सफल उडान परीक्षण पर डीआरडीओ की पूरी टीम को बधाई दी।

चुनावी सभाओं में रंग नहीं जमा...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भीड़ खींच रहे हैं और उनके भाषणों का लहजा पहले से भी अधिक तीखा हो गया है, अधिकारी की रैलियों के निकटवर्ती क्षेत्रों में आयोजित ममता की रैलियों में बहुत कम भीड़ जुटी। लगता है जनता का मूड परिवर्तित हुआ है। सुवेन्दु की रैलियों में 40 हजार तो ममता की रैलियों में करीब 8 हजार लोग ही पहुँच रहे हैं। उत्तरी बंगाल में, रोड साइड पर खड़े लोगों ने उनकी तरफ देखकर चोर-चोर पुकारा। ममता ने बाद में गुस्से में कहा कि उनके पास एक अतिआवश्यक कार्य था, इसलिए वे वहाँ नहीं रूकी। "अन्यथा, मैं वहाँ रूक गई होती और उनकी ज़ुबान खींच लेती।" इसका उद्देश्य हिंसा की गंभीर धमकियाँ देना था, परन्तु ममता बनर्जी की उक्त टिप्पणी का लोगों ने मज़ाक बनाया और भर्त्सना की। माना जाता है कि भाजपा के एक प्रतिष्ठित नेता ने ममता के बयान पर गौर किया है, उन्होंने कहा कि ममता मानव शरीर के कई अंग निकालना चाहती हैं परन्तु वे ऐसा मुश्किल से ही कर पाएंगी।

ऐसा प्रतीत होता है कि सुवेन्दु अधिकारी लगातार ममता बनर्जी पर जो जुबानी हमला बोल रहे है और ममता बनर्जी को व्यक्तिगत रूप से खुलेआम चोर कह रहे है, वह उसमें डूब गई है। किसी ने ऐसी ही घटना का जिक्र करते हुए कहा कि जब राजीव गाँधी पर विपक्ष ने संसद के अन्दर व बाहर बोफोर्स तोप सौदे के मामले में घूस लेने के आरोप लगाए थे, उस घटना का क्या नतीजा निकला था। उस केस में राजीव गांधी के द्वारा चोरी करने का कोई पक्का सबूत स्थापित नहीं हुआ था जबकि इसके ठीक विपरीत तृणमूल के मंत्रियों ने सार्वजनिक धन की हेराफेरी की है तथा अन्य भ्रष्टाचार किया है इसकी पुष्टि हो चुकी है।

ई.वी.एम.-वी.वी.पी.ए.टी. पर फैसला सुरक्षित रखा सुप्रीम कोर्ट ने

- एसोसिएशन फॉर डैमोक्रेटिक रिफॉर्म्स ने अपनी याचिका में कहा था कि, या तो शत प्रतिशत वी.वी.पी.ए.टी. पर्चियों की गणना की जाए या फिर बैलट पेपर से मतदान की व्यवस्था पुनः अपनाई जाए।
- जस्टिस संजीव खन्ना और दीपांकर दत्ता की बैंच ने ई.वी.एम. विवाद में 100 प्रतिशत वी.वी.पी.ए.टी. पर्चियां गिनने के संबंध में दायर याचिकाओं पर सुनवाई गुरूवार को पूरी कर ली।

नयी दिल्ली, 18 अप्रेल। उच्चतम न्यायालय ने चुनाव में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ई.वी.एम.) से पड़े मतों के साथ वोटर वेरिफिएबल पेपर ऑडिट ट्रेल (वीवीपैट) की पर्चियों की 100 फीसदी गिनती या फिर मतपत्रों से चुनाव कराने की पुरानी व्यवस्था लागू करने की मांग वाली याचिका पर सुनवाई पूरी होने के बाद गुरुवार को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया।

न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दीपांकर दत्ता की पीठ ने संबंधित पक्षों की दलीलें विस्तार पूर्वक सुनने के बाद अपना फैसला सुरक्षित रख लिया। पीठ ने सुनवाई के दौरान चुनाव आयोग से ई.वी.एम. और वीवीपैट की वर्तमान व्यवस्था में उम्मीदवारों के प्रतिनिधि के शामिल होने, छेड़छाड़ रोकने सहित तमाम चुनावी प्रक्रियाओं और कार्यप्रणालियों से संबंधित तमाम आशंकाओं को दूर करने को कहा।

याचिकाएं एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स नाम की एन.जी.ओ. और अन्य की ओर से दायर की गई थीं। उन याचिकाओं पर सुनवाई के दौरान पीठ ने उप चुनाव आयुक्त नितेश व्यास से पूछा, "आप हमें पूरी प्रक्रिया बताएं कि, उम्मीदवारों के प्रतिनिधि कैसे शामिल होते हैं और छेड़छाड़ कैसे रोकी जाती है।"

शीर्ष अदालत ने कहा कि ई.वी.एम. और वीवीपैट की चुनावी प्रक्रिया और कार्यप्रणाली से संबंधित कोई भी आशंका नहीं रहनी चाहिए। पीठ ने कहा, "हम चाहते हैं कि या तो आपको या किसी अन्य अधिकारी को अदालत कक्ष के अंदर या बाहर के लोगों की सभी आशंकाओं को दूर करना चाहिए... यह एक चुनावी प्रक्रिया है। इसमें पवित्रता होनी चाहिए। किसी को भी यह आशंका नहीं होनी चाहिए कि कुछ ऐसा किया जा रहा है, जिसकी अपेक्षा नहीं की जाती है।" शीर्ष अदालत के समक्ष चुनाव अधिकारी ने ई.वी.एम., इसकी नियंत्रण इकाई, मतपत्र इकाई और वीवीपैट की प्रक्रिया को समझाया। पीठ ने पूछा, अगर किसी मतदाता को यह (वीवीपैट) पर्ची थमा दी जाए कि उसने अपना वोट डाल दिया है तो इसमें क्या नुकसान है?इस पर चुनाव अधिकारी ने कहा कि इससे वोटों की गोपनीयता प्रभावित होने के साथ ही जानबूझकर शरारत की आशंका से भी इनकार नहीं किया जा सकता।

केरल में इलैक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन की टैस्टिंग में...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

भी इन्हीं त्रुटिपूर्ण चार वी.वी.पी.ए.टी. यूनिट्स ने भाजपा को एक वोट दिया। उन्नीथान के चुनाव एजेन्ट ने बताया कि जब हमने यह मुद्दा सहायक निर्वाचन अधिकारी के समक्ष उठाया तो उन्होंने कहा कि त्रटिपूर्ण वोटों वाली वी.वी.पी.ए.टी. स्लिप्स में मैसेज था "नॉट टू बी काउन्टेड" यानी कि गणना ना की जाए। नासर ने बताया कि "मतों की गिनती के दौरान कोई विवाद हो जाता था तो भाजपा के एजेन्ट इन त्रुटिपूर्ण वोटों की गणना करने पर जोर देंगे। हमने इसीलिए इन मशीनों को बदलने की मांग की है।"

उन्होंने बताया कि जब ई.वी.एम्स. की तीसरी बार जाँच की गई तब त्रुटियाँ स्वतः ही गायब हो गईं लेकिन हम इसे लेकर सुनिश्चित नहीं हो सकते कि चौथी या पांचवीं जाँच में त्रुटियाँ सामने नहीं आएंगी।" नासर ने कहा कि "हमने जो देखा वह अजीब था, क्योंकि माकपा के हथौड़ा हँसिया एवं तारा चुनाव चिन्ह और कांग्रेस के "हाथ" को मॉक परीक्षण के दौरान अतिरिक्त वोट नहीं मिले। रिपोर्ट जिला कलैक्टर को प्रस्तुत कर दी गई।

इस विषय पर सहायक पीठासीन अधिकारी बिनुमोन पी. ने कहा कि चार मशीनों में गड़बड़ी उस समय हुई थी जब बिजली चालू की गई थी। सभी मशीनों की प्रथम वी.वी.पी.ए.टी. स्लिप में यह संदेश लिखा था कि "इसे नहीं गिना जाएगा।" परन्तु इन चारों मशीनों की स्लिपों में भी प्रथम उम्मीदवार का पार्टी प्रतीक चिह्न ही वोटिंग मशीन में अंकित था। बिनुमोन ने यह भी कहा कि, "तकनीकी इंजीनियरों ने इस मामले में कहा कि यह गलती नहीं थी। मैंने इससे संबंधित रिपोर्ट कलैक्टर को दे दी है।"

यू.डी.एफ. एवं एल.डी.एफ. के एजेन्टों ने इस मामले में कहा कि तीसरी बार के मशीन परीक्षण में कमल का निशान दिखना बंद हो गया था। उसके अगले चरण में मशीन पर 1000 वोट डाले गये थे उसके प्रथम दो चरणों में त्रुटियाँ दिखाई दी। नासर चेरकालम ने कहा कि "तीसरे चरण में उन मशीनों ने बढ़िया काम किया था।"

कासरगोड विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र में लोकसभा चुनावों के लिए 190 पोलिंग बूथ बनाए गए हैं। सभी 228 बैल्ट यूनिट्स 228 कंट्रोल यूनिटों एवं 247 वी.वी.पी.ए.टी. यूनिटों का परीक्षण मॉक पोलिंग अभ्यास के दौरान किया गया था जिसकी शुरुआत बुधवार को सुबह 10 बजे की गई थी और इसका समापन गुरुवार को रात्रि में 1 बजे हुआ। 228 मशीनों में से 6 मशीनों में तकनीकी गड़बड़ियां थी। इंजीनियर्स द्वारा जाँच के लिए, उन्हें एक तरफ साइड में रख दिया गया है।

इस मॉक ड्रिल ने राजनीतिक पार्टियों को चौकन्ना कर दिया है और आशा की जाती है कि इस मामले को सुप्रीम कोर्ट के संज्ञान में लाया जाएगा क्योंकि पहले ही 100 प्रतिशत वी.वी.पी.ए.टी. की गणना से संबंधित केस की सुनवाई कर रहा है।

कर्नाटक में...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चुनावी विश्लेषकों ने गार्डन सिटी बैंगलुरू के साथ ही पानी की किल्लत को ध्यान में रखकर यह विश्लेषण किया है और क्या ज़मीनी हकीकत यह संकेत दे रही है कि चुनाव के लिए कठिन परिश्रम कर चुकी कांग्रेस आनुपातिक रूप से हार रही है। कर्नाटक में मतदान के दो चरण होंगे। पहले चरण में 14 लोकसभा सीटों के लिए 26 अप्रेल को मतदान है। बैंगलुरू दक्षिण में भाजपा के स्टार सांसद तेजस्वी सूर्या को कांग्रेस एक बड़ी चुनौती देने की उम्मीद कर रही थी, लेकिन पानी की किल्लत का अकेला मुद्दा ही कांग्रेस के प्रत्याशी सौम्या रेड्डी की संभावनाओं को खत्म कर सकता है। कर्नाटक में प्रकृति ही आँख-मिचौली का खेल खेल रही है। यहाँ के कुल 236 तालुकों में से 223 सूखा ग्रस्त हैं।

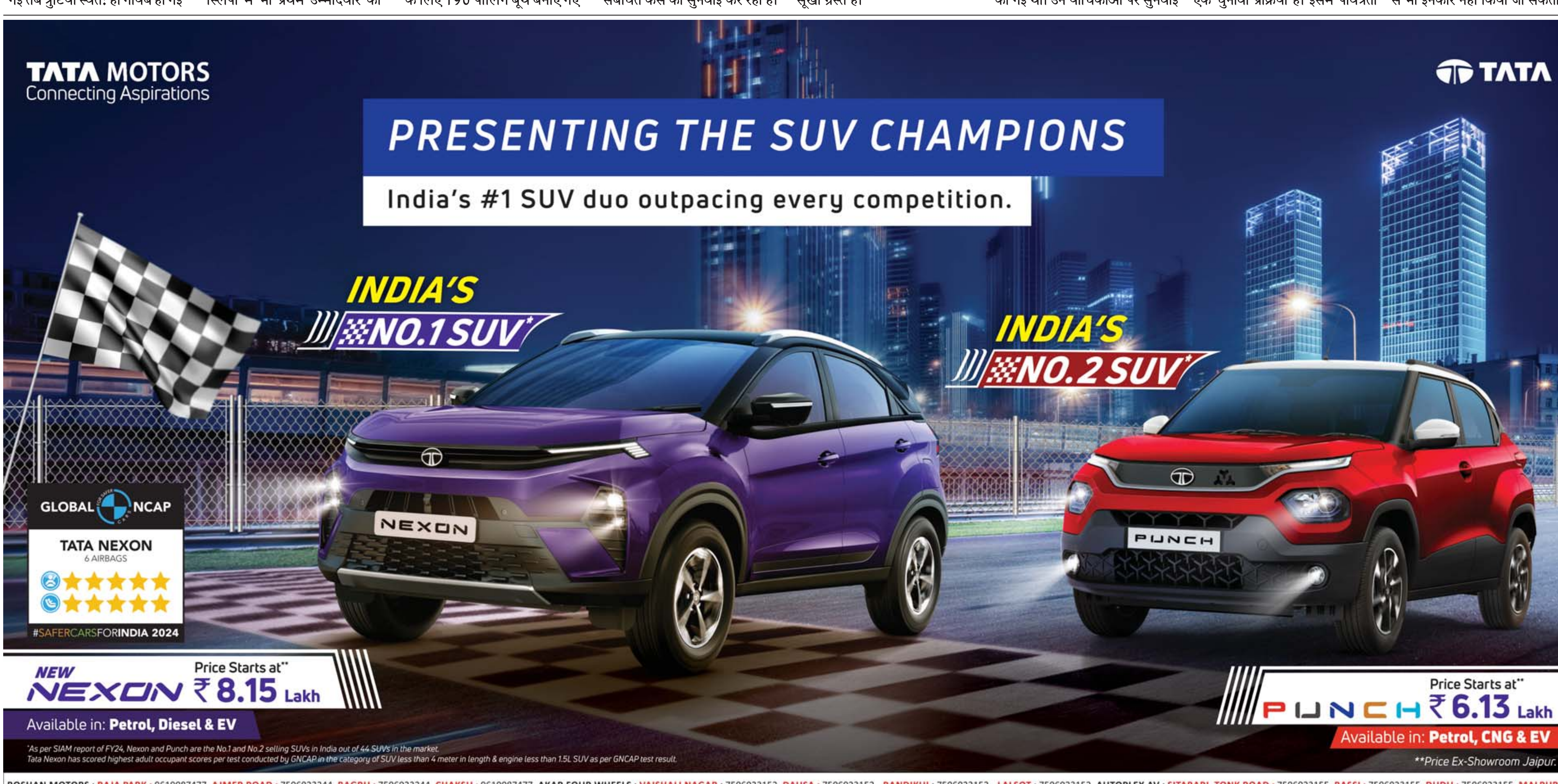

ROSHAN MOTORS : RAJA PARK : 9619087477, AJMER ROAD : 7506023244, BAGRU : 7506023244, CHAKSU : 9619087477. AKAR FOUR WHEELS : VAISHALI NAGAR : 7506023152, DAUSA : 7506023152. BANDIKUI : 7506023152, LALSOT : 7506023152. AUTOPLEX AV : SITABARI, TONK ROAD : 7506023155, BASSI : 7506023155, DUDU : 7506023155, MALPURA : 7506023155, RENWAL : 7506023155. PRATAP NEXGEN : GOPALPURA, TONK ROAD : 9167104018, KALWAR : 9251997742, JOBNER : 9251997741. TECHWHEELS : JAGATPURA : 7506023175, MANSAROVAR EXT. : 7045288538, SHAHPURA : 7506023175, TONK : 7506023175, PAOTA : 7506023175, NIWAI : 7506023175. SHREE SHYAM MOTORS : SIKAR ROAD : 7506023263, CHOMU : 7506023263, KOTPUTLI : 7506023263. AUTOPRIME TATA : PRATAP NAGAR, JODHPUR : 7506023278, BHAGAT KI KOTHI : 7506023278, BALOTRA : 7506023278, PALI : 7506023278, JALORE : 7506023278, BARMER : 7506023278, CHAMBAL MOTORS : KOTA : 7506023291, JHALAWAR : 7506023291, BARAN : 7506023291, BUNDI : 7506023291, BHAWANI MANDI : 7506023291, KHANPUR : 7506023291, ITAWA : 7506023291, CHAMBAL MOTOCORP LLP : UDAIPUR : 7506023432, DUNGARPUR : 9167049848, BANSWARA : 7506023432, SAGWARA : 7506023432, BRIJWHEEL AUTOMOBILES (P) LTD. : BHARATPUR : 9619304832, HINDAUN : 9619304832, DHOLPUR : 9619304832, KARAULI : 9619304832, DEEG : 9619304832, NAGAR : 9619304832, CLASSIC MOTORS : ALWAR : 7506023041, BHIWADI : 7506023041, BEHROR : 7506023041, RAJGARH : 7506023041, THANAGHAJI : 7506023041, KHAIRTHAL : 7506023041, NEEMRANA : 7506023041 DAKSH AUTOMOTIVES PVT. LTD. : NAGAUR : 7506023356, DIDWANA : 9167049809, KUCHAMAN : 7412056814, DUNAC AUTOMOBILES : Nr. DUDI PETROL PUMP, NH-15, BIKANER : 7506023077, Nr. HALDIRAM PYAU, JAIPUR ROAD, BIKANER : 7506023077, NOKHA : 7506023077, 3 ML HANUMANGARH BYEPASS ROAD, NH 62, SRI GANGANAGAR : 7506023393, HANUMANGARH : 7506023393, ANUPGARH : 7506023393, SURATGARH : 7506023393, NOHAR : 7506023393, KAMAL PASSENGER VEHICLES (P) LTD. : AERODROME CIRCLE, KOTA : 7045156412, RAMGANJ MANDI, GANGAPUR CITY, ANTAH, RAWATBHATA : 7045156412, SAWAIMADHOPUR : 7045190667 GANGAPUR : 9619305352, MARUDHARA MOTORS : JODHPUR : 7506023285, MUDGAL MOTORS : AJMER : 7506023019, KISHANGARH : 7506023019, BEAWAR : 7506023019, BIJAY NAGAR : 7506023019, KEKRI : 7506023019, SHRI CHARBHUJA AUTOMOBILES : MERTA CITY : 7506023295, DEGANA : 7506023295, SHRI KRISHNA FOUR WHEELS : JAIPUR ROAD, SIKAR : 7506023385, JAIPUR ROAD CHURU: 7506023385, NEAR RTO JAIPUR ROAD, JHUNJHUNU: 7506023385, SURAJGARH BYEPASS ROAD, CHIRAWA: 7506023385, NEEM KA THANA : 7506023385, SRI MADHOPUR : 7506023385, SUJANGARH : 7506023385, RAJGARH : 7506023385, RATANGARH : 7506023385, SP AUTOMOTIVE : UDAIPUR : MADRI : 8291328070, SECTOR-11 : 9619145960, ABU ROAD : 8291328070, YASH MOTORS : BHILWARA : 7506023055, CHITTAURGARH : 7506023055, RAJSAMAND : 7506023055, PRATAPGARH : 7506023055, DEOLI : 7506023055.

मार्डन मीडिया, बीकानेर के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. 35214/79, जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय:-राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665, जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908